प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

हे अर्जन हम दोनो ने कई जन्म लिए है मुझे याद है लेकिन तुम्हे नही!!

श्रीमद् भगवद् गीता


आवाज आज की, नज़र कल पर

# पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 217 | दैनिक | रांची | बुधवार 20 मार्च 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

## सीएए पर झटका, नहीं लगी 'सुप्रीम' रोक

### 200 से ज्यादा अर्जियों पर हुई सुनवाई, अब 9 अप्रैल मिली तारीख

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने सीएए पर मंगलवार को नरेंद्र मोदी सरकार से जवाब मांगा है। सीएए को लेकर कई याचिकाएं दायर की गई हैं, कोर्ट मामले की सुनवाई नौ अप्रैल को करेगा। हालांकि शीर्ष अदालत ने इस पर स्टे लगाने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ताओं की इस संबंध में की गई मांग नहीं मानी गई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। सीएए को लेकर कुल 237 याचिकाएं दायर की गई थीं। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पेटिशंस और अप्लीकेशंस का का जवाब देने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। उन्होंने दलील दी कि कुल 237 पेटिशंस हैं। स्टे के लिए 20 अप्लीकेशन आए हैं। जवाब देने के लिए मुझे समय चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएए लागू होने से किसी की नागरिकता नहीं जाने वाली है। याचिकाकर्ताओं के दिमाग में इसको लेकर पूर्वाग्रह डाला गया है। एसजी मेहता ने कोर्ट से कहा कि केंद्र को कम से कम चार हफ्ते का समय चाहिए।

कर दिया कमाल!

## प्रदूषण के मामले में फिर 'टॉप' कर गई दिल्ली

### दुनियाभर में तीसरे नंबर पर भारत,बिहार का बेगूसराय भी चर्चा में

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली एक बार फिर दुनिया की सबसे प्रदूषित कैपिटल सिटी बन गई है। वहीं प्रदूषण के मामले में भारत पाकिस्तान और बांग्लादेश के बाद तीसरे स्थान पर है। स्विस कंपनी के सर्वे के मुताबिक साल 2023 में प्रदूषण के मामले में भारती आठवें स्थान से तीसर पायदान पर आ गया है। कंनपी की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार का बेगूसराय शहर दुनियाभर का सबसे प्रदूषित शहर है। वहीं टॉप 50 प्रदूषित शहरों में 42 भारत के ही हैं। बेगूसराय के बाद दूसरा नंबर गुवाहाटी का है। दिल्ली वैसे तीसरे नंबर का सबसे प्रदूषित शहर है। चौथे स्थान पर पंजाब का मुल्लानपुर और पांचवें पर पाकिस्तान का लाहौर है। दिल्ली एनसीआर की बात करें तो ग्रेटर नोएडा 11वें और गुरुग्राम 17वें स्थान पर है। 2023 का डेटा जुटाने के लिए 7812 जगहों पर 30 हजार से ज्यादा एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन बनाए गए थे। इनसे 134 देशों का डेटा निकाला गया। रिपोर्ट में कहा

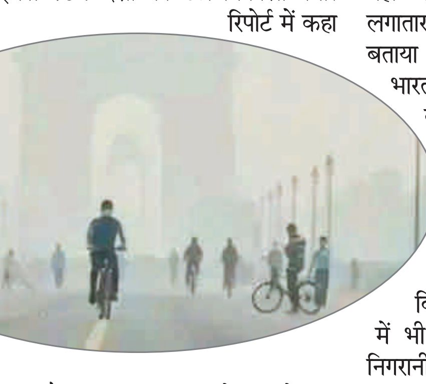

गया है कि इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया ईस्टोनिया, फिनलैंड, ग्रेनाडा, आइसलैंड, मॉरिशस और न्यूजीलैंड भी शामिल है। 2022 की रैंकिंग में बेगूसराय का नाम नहीं था। वहीं दिल्ली को 2018 से लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 1.36 अरब लोग पीएम 2.5 कंसंट्रेशन से प्रभावित हैं। देश के 6 फीसदी से अधिक शहरों में पीएम 2.5 35 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ज्यादा है। बता दें कि इस संगठन ने वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन सरकारी निकायों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थाओं में भी लगा रखे हैं। जहां से सालभर निगरानी की जाती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हवा में पीएम 2.5 का स्तर बढ़ने से लोगों को कई बीमारियों का खतरा रहता है।

## अजान के दौरान हनुमान चालीसा बजाने पर पिटाई

### बेंगलुरु में जबरदस्त तनाव,भाजपा सांसद भी सड़क पर उतरे

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में अजान के दौरान हनुमान चालीसा बजाने पर एक दुकानदार की पिटाई की घटना से तनाव पैदा हो गया है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले में अब विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। शहर में मंगलवार को भाजपा ने जोरदार प्रदर्शन किया और इसमें सांसद तेजस्वी सूर्या भी मौजूद रहे। तेजस्वी सूर्या को पुलिस ने कुछ देर के लिए हिरासत में भी ले लिया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने अल्टीमेटम दिया कि कल यानी बुधवार शाम 4 बजे तक सभी आरोपी अरेस्ट हो जाने चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो फिर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। शहर के सिद्दाना इलाके में जुटे लोगों ने जय श्री राम के नारों और भगवा झंडों के साथ प्रदर्शन किया। इन लोगों का कहना था कि आरोपियों को तुरंत अरेस्ट किया जाए। इस मामले में किसी तरह की हीलाहवाली करने की जरूरत नहीं है क्योंकि पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई थी।

## बंगाल में ईसी ने एक दिन के अंदर बदले दो डीजीपी

### विवेक सहाय की जगह अब संजय मुखर्जी को मिली कमान

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में पुलिस प्रमुख यानी डीजीपी के पद के लिए चुनाव आयोग ने संजय मुखर्जी के नाम पर मुहर लगाई है। उन्हें शाम तक पदभार संभाल लेने का निर्देश दिया गया है। बता दें कि पूर्व डीजीपी राजीव कुमार को हटाने के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से तीन नाम मांगे थे। सरकार ने चुनाव आयोग को विवेक सहाय, संजय मुखर्जी और राजेश कुमार का नाम दिया था। एक दिन के लिए अंतरिम डीजीपी के तौर पर विवेक सहाय ने पद संभाला। हालांकि एक दिन बाद ही चुनाव आयोग ने संजय मुखर्जी के नाम पर स्वीकृति दी है। बता दें कि मुखर्जी 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और अब तक अग्निशमन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बता दें कि पूर्व डीजीपी राजीव कुमार को सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग में सचिव बना दिया गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ये कदम उठाए गए हैं। चुनाव आयोग ने मंगलवार को 6 राज्यों के गृह सचिवों को भी हटाने का आदेश दिया था। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गुजरात, हिमाचल प्रदेश के गृह सचिवों को हटाने का आदेश दिया था।

## एक महीने में 800 कंपनियां दिवालिया...मंदी की सुगबुगाहट

### भारत से पंगा लेने वाले जस्टिन ट्रूडो के देश कनाडा का निकला दिवाला!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ब्रिटेन समेत दुनिया के कई देश इस समय मंदी की चपेट में हैं। जापान बाल-बाल इससे बचा है लेकिन अब कनाडा के मंदी में फंसने का खतरा पैदा हो गया है। देश में बैंकरप्सी के लिए अप्लाई करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। केवल जनवरी में ही 800 से अधिक कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया। इससे पहले 2023 में देश में बैंकरप्सी फाइलिंग में करीब 40 फीसदी की तेजी देखने को मिली। अभी जितनी कंपनियां बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर रही हैं, वह संख्या 13 साल में सबसे ज्यादा है। कोरोना काल के दौरान कंपनियों को 45,000 डॉलर का ब्याज मुक्त लोन दिया गया था जिसे चुकाने की डेडलाइन जनवरी में खत्म हुई थी। कनाडा की जीडीपी में छोटी कंपनियों की करीब 33 फीसदी हिस्सेदारी है। सवाल उठ रहा है कि क्या कनाडा मंदी की तरफ बढ़ रहा है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों की मानें तो देश की इकॉनमी मजबूत बनी हुई है।

## लोकसभा की बची सीटों पर बीजेपी नेतृत्व का मंथन

### यूपी समेत कई राज्यों में उम्मीदवारों का जल्द होगा ऐलान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भाजपा नेतृत्व ने बिहार में गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे का ऐलान कर दिया है। भाजपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जेडीयू को 16 और चिराग पासवान की पार्टी को 5 सीटें दी गई हैं। वहीं, पशुपति नाथ की पार्टी की झोली में एक भी सीट नहीं आई है। इस बीच पार्टी हाई कमान ने सोमवार शाम को विभिन्न राज्यों में लोकसभा की बाकी सीटों को लेकर अलग-अलग राज्यों के कोर ग्रुप के साथ बैठक की। इनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, समेत आधा दर्जन से ज्यादा राज्यों के नेता मौजूद रहे। केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, संगठन महामंत्री बीएल संतोष समेत प्रमुख नेता मौजूद रहे। बिहार में भाजपा ने आज ही गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे की घोषणा की है। इसके बाद भाजपा ने अपने हिस्से की सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम को लेकर चर्चा की है। भाजपा मुख्यालय में शाम 4 बजे के बाद शुरू हुए बैठकों के दौर में उत्तर प्रदेश की बाकी बची अपने हिस्से की सीटों पर उम्मीदवार तय करने को लेकर पार्टी ने चर्चा की है।

## अरविंद केजरीवाल को ईडी के समन पर बिफरी आप

### आतिशी ने किया बड़ा अटैक, बता दिया 'राजनीतिक हथियार'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर 'राजनीतिक हथियार' बनने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट ने एजेंसी के इस आरोप को खारिज कर दिया था कि बीआरएस नेता के. कविता अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति में लाभ के लिए आम आदमी पार्टी के नेताओं को 100 करोड़ रुपये का भुगतान करने में शामिल थीं। आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि ईडी का मकसद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकना है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी और विधान परिषद सदस्य कविता को ईडी ने पिछले सप्ताह उनके हैदराबाद स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया था और वह 23 मार्च तक एजेंसी की हिरासत में हैं। ईडी ने सोमवार को एक बयान में दावा किया कि कविता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत आप के शीर्ष नेताओं के साथ दिल्ली आबकारी नीति बनाने और उसे लागू कराने में फायदा उठाने के लिए साजिश रची। एजेंसी ने कहा कि इन फायदों के बदले वह आप नेताओं को 100 करोड़ रुपये का भुगतान करने में शामिल थीं। आतिशी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राजनीतिक दल प्रेस विज्ञप्तियां जारी करते हैं। ईडी ने क्यों राजनीतिक प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसका मतलब है कि ईडी राजनीतिक हथियार बन चुकी है। बीजेपी को केवल एक नेता से डर है और वह हैं अरविंद केजरीवाल। वे उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार से रोकना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी ने कल एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आप नेताओं को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी गई थी।

## पशुपति पारस का मोदी कैबिनेट से इस्तीफा, कहा-नाइंसाफी हुई

### बिहार में एनडीए सीट शेयरिंग में दरकिनार हुए,भतीजे चिराग को 5 सीटें

**पटना (एजेंसी)।** रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति पारस ने केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए में मेरे साथ नाइंसाफी हुई। अब मैं तय करूंगा कि कहां जाना है। मंगलवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने ये ऐलान किया। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने कहा, 5-6 दिन पहले मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि मैं तब तक इंतजार करूंगा जब तक एनडीए सीटों की घोषणा नहीं करती। मैंने बहुत ईमानदारी से एनडीए की सेवा की। पीएम नरेंद्र मोदी देश के बड़े नेता हैं, लेकिन हमारी पार्टी और व्यक्तिगत रूप से हमारे साथ नाइंसाफी हुई।

इसलिए मैं केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देता हूं। सोमवार को बिहार की 40 लोकसभा सीटों के लिए एनडीए ने शीट शेयरिंग की घोषणा कर दी। भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हम के बीच सीटों का बंटवारा हो गया। वहीं, इस बंटवारे में पशुपति कुमार पारस की पार्टी राष्ट्रीय लोजपा को एक भी सीट नहीं मिली है। उनकी पार्टी को पूरी तरह से गठबंधन के अंदर इग्नोर कर दिया गया है। तब से वे नाराज हैं। सूत्रों के मुताबिक पशुपति पारस की पार्टी राजद के संपर्क में हैं। संभावना जताई जा रही है कि आज या कल में वे बड़ा ऐलान कर सकते हैं। पशुपति पारस ने पहले ही कह दिया है कि वो हर हाल में हाजीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे। अब एनडीए में ये सीट चिराग को मिली है।

### तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

[आपने हमें सदैव संघर्षरत रहना और हौसला रखना सिखाया है। आपका जीवन समाज व परिवार के लिये प्रेरणास्रोत है।]

जन्मतिथि : 02.10.1940
देहावसान : 24.03.2021

हमारे पूज्य पिता **श्री योगानंद मिश्र** संस्थापक व पूर्व प्रधान संपादक की **तृतीय** पुण्यतिथि **बुधवार** दिनांक 20/03/2024 फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी को है, **तृतीय** पुण्यतिथि के अवसर पर हमारे आवास संख्या एच०आई०-67, हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

हीरा मिश्र (पत्नी)
राजेश्वरी मिश्र
कृष्णदेव मिश्र - किशोरी देवी
ललन कुमार मिश्र- कल्पना मिश्र
सुमन कुमार मिश्र - प्रीभा मिश्र
अरूण कुमार मिश्र - माधुरी मिश्र
किरण कुमार मिश्र - स्मृति मिश्र
राकेश कुमार मिश्र - बबीता मिश्र

समीर कुमार मिश्र - ममता मिश्र
मिहिर कुमार मिश्र - रोजी मिश्र
स्वयंप्रभा -विकास झा
राहुल मिश्र - नेहा मिश्र
पूजा- हरिओम गौतम
इंदुशेखर, आकाश, सुशांत, सृष्टि, उत्कर्षिनी, प्रशांत, सुभांगी, प्रत्युष, चैन्द्री व समस्त "पूर्वांचल सूर्य" परिवार

## संक्षिप्त समाचार

### कलश यात्रा के साथ ही तीन दिवसीय श्री श्री 108 राम चरित्र मानस यज्ञ शुरू

**धनबाद /सिंदरी, एजेंसी।** रांगामाटी झारखंड धाम मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय श्रीश्री 108 राम चरित्र मानस यज्ञ सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। गाजे–बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें 251 महिलाएं, पुरुष व बच्चे शामिल थे। जय श्री राम, जय सियाराम के गगन भेदी नारों के साथ कलश शोभा यात्रा आरएम फोर, आईएम टाइप कॉलोनी होते हुए शहरपुरा शिव मंदिर स्थित पोखरा पहुंची। जहां कलश में जल भरा गया। कलश यात्रा पुन- वापस मंदिर परिसर पहुंचा। जहां पंडितों ने मंदिर परिसर में कलश स्थापित कराया। मंगलवार को अग्नि मंथन द्वारा देवी पूजन, हवन तथा अखंड रामायण पाठ होगा। बुधवार को यज्ञ की पूर्णाहुति तथा भंडारा होगा। शोभा यात्रा में विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी विधायक प्रतिनिधि कुमार महतो, पूर्व पार्षद दिनेश सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष अरविंद पाठक, विजय सिंह, अणिमा सिंह शामिल हुए थे। यज्ञ को सफल बनाने को ले झारखंड धाम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष विजय कुमार, सदस्य राजेश कुमार, शेखर कुमार, राकेश कुमार, आरती प्रसाद, रेखा देवी, उषा देवी, शंकर राम, आर्जन ठाकुर, सिंदू कुमार, राहुल कुमार, रितिक कुमार सक्रिय थे।

### झारखंड में बड़ा सड़क हादसा, खड़े ट्रक से जा टकराई बेकाबू कार; चार लोगों की दर्दनाक मौत

**आदित्यपुर, एजेंसी।** सरायकेला–खरसावां जिला के चांडिल थाना के कांदरबेड़ा में सोमवार की शाम 4.30 बजे अनियंत्रित कार खड़ी ट्रक से टकरा गई। इसमें कार के परखच्चे उड़ गए। इस घटना में आदित्यपुर के चार युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद जेसीबी से कार को सीधा करके स्थानीय लोगों द्वारा गैस कटर से कार के दरवाजा को कई भागों में काटकर चारों युवकों का शव निकाल एमजीएम भेजा गया। मृतकों में आदित्यपुर थाना के बाबाकुटी आश्रम निवासी अभय रंजन सिंह उर्फ निखिल (23), आदित्यपुर कालोनी मार्ग संख्या 21 निवासी नवनीत राज उर्फ यस (22), आदित्यपुर मार्ग संख्या 22 निवासी संस्कार मिश्रा (23), मार्ग संख्या 17 निवासी सूरज कुमार (21) का नाम शामिल हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पूरे आदित्यपुर कालोनी में हाहाकार मच गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार बाबाकुटी आश्रम निवासी अभय रंजन सिंह उर्फ निखिल का था। कार उसके परिवार में सुनीता देवी के नाम पर है। मृतक चारों दोस्त थे। दोपहर 3.30 बजे दोपहर में घर से निकले थे। उसके बाद संध्या करीब 4.30 बजे दुर्घटना होने की सूचना मिली। इससे पूर्व भी इसी तरह की सड़क दुर्घटना में बाबाकुटी आश्रम के छह युवकों की मौत हो गई थी।

### सदर अस्पताल :अपने बच्चे की तरह सरकारी एंबुलेंस की देखभाल करते हैं शमसुद्दीन

**रांची , एजेंसी।** जिस तरह एक पिता अपने बच्चों की परवरिश करता है, ठीक उसी तरह सदर अस्पताल के एंबुलेंस चालक समसुद्दीन अंसारी अपने सरकारी एंबुलेंस की देखभाल करते हैं। वे 23 वर्ष से एक ही एंबुलेंस चला रहे हैं। सदर अस्पताल से उन्हें 23 वर्ष पहले यह एंबुलेंस मिली थी। मरीजों की सेवा के प्रति लगन ऐसी कि शमसुद्दीन ने एंबुलेंस को ही अपना घर बना लिया। तभी तो उन्हें एंबुलेंस से ऐसा लगाव हो गया कि आज भी वह जब एंबुलेंस की ड्राइविंग सीट पर बैठकर इंजन स्टार्ट करते हैं तो उसकी आवाज से पहचान जाते हैं सबकुछ ठीक है या कहीं कोई गड़बड़ी है। इसके बाद वे स्वयं एंबुलेंस के अधिकतर कल–पुर्जे ठीक कर लेते हैं। मैकेनिक के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती है। इस एंबुलेंस से इतना अधिक लगाव होने का कारण पूछने पर शमसुद्दीन बताते हैं कि पिछले 23 वर्षों में उन्होंने 5000 से अधिक मरीजों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें हजारों ऐसे मरीज भी थे जो गंभीर थे। ऐसे मरीजों को घर से अस्पताल तक लाने के क्रम में कई मरीजों की स्थिति बिगड़ी भी, लेकिन आज तक एक भी मरीज की मौत इस एंबुलेंस में नहीं हुई। यह एंबुलेंस मेरे लिए काफी लकी है। इसलिए आज भी इसको संभाल कर रखे हुए हैं। 8 घंटे की ड्यूटी, फिर भी हर वक्त अस्पताल में रहते हैं मौजूद रमजान के पाक माह में भी एंबुलेंस के पास ही पढ़ रहे नमाज समसुद्दीन ने बताया कि उन्होंने 1986 में सिंहभूम से काम की शुरुआत की थी।

# दो दिवसीय बुटिक्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी का शुभारंभ

## विभिन्न राज्यों के डिजाइनर कपड़े और ज्वेलरी बना आकर्षण का केंद्र

वरीय संवाददाता

**रांची।** दो दिवसीय बुटिक्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी के 21वें संस्करण का शुभारभ सोमवार को होटल चाणक्य बीएनआर में किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रेस्ट कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. नम्रता महनसरिया विशिष्ट अतिथि मेकअप आर्टिस्ट ईशा मल्होत्रा, लेडीज सर्कल 169 की चेयरपर्सन सीआर स्नेहा जैन व बुटिक्स ऑफ इंडिया के संस्थापक एवं सीईओ संजय अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में 40 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के डिजाइनर ज्वेलरी, कपड़े, घरेलू सजावट उत्पाद, फुटवेयर्स आदि ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। इस अवसर पर

उपस्थित बुटिक्स ऑफ इंडिया के संस्थापक एवं सीईओ संजय अग्रवाल ने बताया कि हम इस बार ग्राहकों के लिए होली एवं अन्य त्योहारों को ध्यान में रखते हुए इस प्रदर्शनी को यहां लेकर आए हैं। यहां ग्राहक विभिन्न प्रकार के उत्पादों से अपनी जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। इस प्रदर्शनी में खासकर होली एवं वेडिंग के खास कलेक्शंस को शामिल किया गया है। फैशन में स्थानीय पसंद को ध्यान में रखते हुए देश भर से ब्रांडों को चुनते हुए पूरे देश से प्रीमियम ब्रांडो को इस प्रदर्शनी के लिए चयनित किया गया है। बुटिक्स ऑफ इंडिया इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में विशेष रूप से अपने क्यूरेटेड शो को पेश करने जा रहा है जिसमें फैशन, ब्राइडल वियर, होम डेकोर, हैंडलूम, ज्वैलरी, एक्सेसरीज, किड्स वियर के साथ मेन्स वियर शामिल है। यह प्रदर्शनी सभी ग्राहकों के लिए निःशुल्क प्रवेश के साथ सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। संजय अग्रवाल ने कहा कि बीओआई न केवल खरीदारी करने का स्थान है, बल्कि यह कई छोटे नवोदित उद्यमी लोगों के लिए एक व्यापार मंच भी है। जो जीवन में कुछ बड़ा करने का सपना देखते हैं।

## लोको पायलट ने दिव्यांगों से की अभद्रता

**जमशेदपुर, एजेंसी।** आनंद विहार-पुरी नीलांचल एक्सप्रेस के लोको पायलट ने सोमवार को टाटानगर स्टेशन पर दिव्यांग यात्रियों से अभद्रता की। इसके बाद दिव्यांगों ने हंगामा कर दिया। प्लेटफॉर्म से लेकर रेल थाने में करीब दो घंटे तक अफरातफरी का माहौल था। तीन दर्जन से ज्यादा दिव्यांग (युवक-युवती) टाटानगर रेल थाना पहुंच गए और परेशानी बताकर लोको पायलट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

लोको पायलट ने दिव्यांग कोच को प्लेटफॉर्म से आगे निकाल दिया था। इसपर दिव्यांगों ने विरोध जताया तो लोको पायलट ने अभद्रता कर दी। सभी दिव्यांग लखनऊ स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के छात्र हैं। वे जमशेदपुर मोहन आहूजा स्टेडियम में बुधवार को आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लेने ट्रेन से टाटानगर आए हैं। इधर, दिव्यांग यात्रियों सह खिलाड़ियों द्वारा रेल थाने में लोको पायलट के खिलाफ शिकायत दर्ज होने की सूचना पर रेल अधिकारी पहुंचे। उन्होंने लोको पायलट के खिलाफ विभागीय कार्रवाई का आश्वासन देकर दिव्यांगों को शांत करा दिया। रेल पुलिस ने दिव्यांगों के बयान पर केस दर्ज कर लोको पायलट को पूछताछ के लिए मंगलवार को थाने में बुलाया है। दिव्यांग लोको पायलट द्वारा क्षमा नहीं मांगने पर कानूनी कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। इधर, रेल अधिकारियों ने लोको पायलट के व्यवहार से खड़गपुर मंडल के सीनियर डीईई को अवगत करा दिया है। उन्होंने कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।प्लेटफॉर्म से आगे निकाल दिया दिव्यांगों का कोचखिलाड़ी शमीम अहमद, हर्षित पाल और प्रह्लाद कुमार ने बताया कि लोको पायलट ने नीलांचल एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म नंबर चार से करीब डेढ़ मीटर बाहर रोक दिया। इससे कोच से उतरने में दिक्कत हो रही थी। शिकायत करने पर लोको पायलट भड़क उठे और अपशब्द इस्तेमाल करने लगे।

## झारखंड में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का दिखेगा असर, चलेगी तेज हवाएं

**रांची, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर झारखंड के मौसम पर भी पड़ेगा। ओलावृष्टि, वज्रपात और हवा की तेज रफ्तार की आशंका को देखते हुए मौसम विज्ञान केंद्र ने कई जिलों के लिए यलो तो कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा है कि राज्य के सात क्षेत्रों में मंगलवार को तेज गति से हवा चल सकती है। इस दिन बारिश के साथ ओलावृष्टि का भी अनुमान है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही संबंधित जिला से किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है।

रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वरीय मौसम विज्ञानी डॉ अभिषेक आनंद की ओर से जारी सूचना के अनुसार मंगलवार को कई जिलों में कहीं-कहीं 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से राज्य के दक्षिणी जिलों में मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा। राज्य के दक्षिणी जिलों को छोड़ कर अन्य जिलों के लिए मौसम केंद्र ने यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे हो सकती है।कहीं-कहीं बारिश का अनुमान है। 20 मार्च तक मौसम का मिजाज बदला रह सकता है। इसके बाद मौसम शुष्क रहेगा। मौसम में बदलाव से तापमान भी गिरेगा।

राज्य के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना है। गुमला, खूंटी, रांची, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम जिलों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त गुमला, खूंटी, रांची, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की भी संभावना है।

# छवि रंजन समेत 9 की न्यायिक हिरासत 30 तक बढ़ी, पूजा सिंघल मामले में इस दिन होगी गवाही

**रांची, एजेंसी।** सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री में संलिप्त निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन समेत नौ आरोपियों की न्यायिक हिरासत अवधि कोर्ट से दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी है। इससे पूर्व ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में जेल में बंद आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया। अदालत ने अगली पेशी की तारीख 30 मार्च निर्धारित की है।

मामले में छवि रंजन चार मई 2023 से जेल में है। छवि के साथ बड़गाई अंचल के निलंबित राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, प्रदीप बागची, दलाल रिम्स कर्मचारी अफसर अली, इम्तियाज अहमद, सद्दाम हुसैन, तल्हा खान, फैयाज अहमद एवं अमित अग्रवाल की न्यायिक हिरासत अवधि 30 मार्च तक बढ़ा दी गई है।

पूजा सिंघल मामले में अब 30 को होगी गवाही

मनी लाउंड्रिंग की आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल व अन्य से जुड़े मामले में शनिवार को गवाही नहीं हो सकी। इस पर कोर्ट ने गवाही की तिथि 30 मार्च निर्धारित कर दी। ईडी

कोर्ट ने पूजा व इंजीनियर शशि प्रकाश की न्यायिक हिरासत 30 मार्च तक बढ़ा दी है। पूजा 25 मई 2022 से जेल में है। बता दें कि पिछली सुनवाई में खूंटी के कार्यपालक अभियंता सिंकदर साहू की गवाही हुई थी।

सुनील की जमानत पर फैसला सुरक्षित

साहिबगंज में 1250 करोड़ के अवैध खनन के आरोपी सुनील यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा के कोर्ट ने सुनील की जमानत खारिज कर दी थी। सुनील, दाहू यादव का भाई है। ईडी कोर्ट ने इन दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद 26 अगस्त 2023 को सुनील को गिरफ्तार किया गया था।

उषा मार्टिन के एमडी की राहत बरकरार

मनी लाउंड्रिंग मामले के आरोपी उषा मार्टिन के एमडी राजीव झंवर को हाईकोर्ट से मिली राहत 22 मार्च तक बरकरार रहेगी। राजीव झंवर की अग्रिम जमानत पर अब 22 मार्च को सुनवाई होगी। पूर्व में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राजीव के खिलाफ पीड़क कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है।

वीरेंद्र राम की जमानत पर फैसला सुरक्षित

मनी लाउंड्रिंग के आरोपी ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी करके हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

# वाइल्ड लाइफ प्रेमियों के लिए झारखंड बन रहा खास, राज्य में बढ़ रही है वन्यजीवों की संख्या, चार बाघ कर रहे भ्रमण

**रांची, एजेंसी।** झारखंड के वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक अच्छी खबर है। लगभग 15 सालों के बाद राज्य के जंगलों में एक साथ चार बाघों के विचरण के संकेत मिले हैं। इसके अलावा भेड़िया, हिरण जैसे जानवरों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। जंगलों तक से गायब हो रहे भेड़िए और लोमड़ी की तस्वीरें कैमरे में कैद हो रही हैं। खास बात यह है कि यह वृद्धि प्राकृतिक तरीके से हो रही है।

जंगलों में मानव-पशु संघर्ष कम हुआ है और इनके लिए आहार की उपलब्धता भी बढ़ी है। यही वजह है कि पलामू टाइगर रिजर्व से लेकर हजारीबाग के जंगलों तक में बाघ जैसे दुर्लभ हो चुके जानवरों का विचरण हो रहा है।

पलामू टाइगर रिजर्व में ही एकसाथ चार बाघों के पदचिन्ह मिले हैं। ये चिन्ह और इनसे जुड़ी अन्य सूचनाएं ताजा हैं, इसका मतलब है कि लंबे समय से इस संरक्षित पशु की मौजूदगी यहां है।

बेतला और इसके आसपास के जंगलों में

वन विभाग ने हिरणों की संख्या बढ़ाने के लिए तकनीकी प्रयोग किए। एक रिजर्व क्षेत्र में इनका प्रजनन कराया गया और इसके बाद इन्हें बाहर छोड़ दिया गया। एक साथ चार बाघों की मौजूदगी के लिए इन हिरणों की बड़ी भूमिका मानी जा रही है।

हिरण बाघों के प्राकृतिक भोजन हैं। वन विभाग के कैमरे में इनमें से कुछ बाघ ट्रैप भी हुए हैं। अब वन विभाग इस कोशिश में है कि पड़ोस के किसी जंगल से कोई मादा यानि बाघिन आ जाए तो पीटीआर में ही इनका प्राकृतिक प्रजनन भी हो सकेगा।

वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2018 में पलामू टाइगर रिजर्व में बाघ की संख्या शून्य हो गई थी। 50 साल पहले बने इस टाइगर रिजर्व के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं थी। अब चार बाघ की मौजूदगी से इस टाइगर रिजर्व की रैंकिंग में सुधार होगी।

राजाजी नेशनल पार्क से जुड़े वन्यजीव विशेषज्ञ नवनीत कुमार ने बताया कि अगर बाहर से आए बाघ भी लंबे समय से टिके हुए हैं तो इसका मतलब है कि परिवेश उनके अनुकूल हो रहा है। बेतला में बाघों के विचरण और शिकार के लिए लंबे मैदान मौजूद हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिर से इस टाइगर रिजर्व का गौरव बहाल होगा।

21

एक कॉल सेंटर ने उड़ाई सीआईडी की नींद, दो शिफ्टों में चल रहा था खेल; अब 30 कम्प्यूटरों को खंगाल रही टीम

रांची, एजेंसी। रांची के अपर बाजार स्थित किशोरगंज चौक के समीप अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर से जांच एजेंसी के नाम पर विदेशियों को लूटे जाने का मामला सामने आया है। इसके बाद अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के अधिकारी जांच में जुट गए हैं। सोमवार को संबंधित कॉल सेंटर पहुंचे अधिकारियों ने वहां के क्रियाकलापों का पूरा ब्योरा लिया। साथ ही कुछ डिजिटल साक्ष्य भी एकत्रित किए हैं, जिनका सत्यापन जारी है।

सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता के अनुसार, किशोरगंज चौक के समीप बीएम हाइट्स में अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर संचालित होने की सूचना मिली थी।

सीआईडी के अधिकारियों ने जब इसका सत्यापन किया तो पाया कि एकरामुल अंसारी व रविकांत रिकी कंस्ल्टेंसी सर्विसेज, जीजी इंफोटेक व अराग्या ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के नाम से फर्जी कॉल सेंटर का संचालन कर रहे हैं।

ये इन कॉल सेंटरों के माध्यम से यूके, ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों के नागरिकों को इंटरनेट कॉलिंग साफ्टवेयर का प्रयोग कर संपर्क साधा करते थे। इन्हें कॉल करने के लिए दोनों ने दो शिफ्ट में 15-15 युवाओं को नौकरी दे रखी है।

## एक तेंदुए की वजह से कई कंपनियां हुईं बंद, श्रमिकों को दे दी गई छुट्टी; नहीं पकड़ पा रही है वन विभाग की टीम

**गम्हरिया, एजेंसी।** आदित्यपुर के आरएसबी प्लांट वन में घुसे तेंदुआ का अब तक पता नहीं चला है। बताया जा रहा है कि यह तेंदुआ आस-पास की कंपनियों में ही भ्रमण कर रहा है। सरायकेला तथा पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा के बचाव दल की ओर से विगत दो दिनों से किए जा रहे प्रयास के बावजूद तेंदुआ को अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है। इससे औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों समेत आसपास की बस्तियों में रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया है। तेंदुआ के भय से एक दर्जन से अधिक कंपनियों ने अपने प्लांट को बंद कर दिया और कार्य भी बंद है। रात्रि पाली (नाइट शिफ्ट) को बंद करने का आदेश सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त ने दिया है। कंपनियों में उत्पादन ठप हो चुका है। कई कंपनियों में मजदूरों को छुट्टी दे दी गई है, जिससे उन्हें लाखों का नुकसान हो रहा है।

तेंदुआ द्वारा बार-बार अपना स्थान बदल रहा है। विदित है कि सबसे पहले तेंदुआ औद्योगिक क्षेत्र गम्हरिया के छठे फेज में स्थित आरएसबी कंपनी के प्लांट एक में रविवार को सुबह करीब साढ़े नौ बजे देखा गया था। उसके बाद देर शाम आरएसबी के समीप स्थित एक कंपनी के शौचालय के पास उसके पैर का निशान पाया गया।

उसके बाद दिनभर वन विभाग की रेस्क्यू टीम तेंदुए को ढूंढने में लगी रही, मगर तेंदुआ को रेस्क्यू नही किया जा सका। इधर सोमवार की सुबह तेंदुआ का लोकेशन टाटा-कांड्रा मार्ग के किनारे बिको मोड़ के समीप स्थित बेबको कंपनी में पाए जाने की सूचना मिली।

# जेपीएससी पेपरलीक पर पॉलिटिक्स; भाजपा ने की सीबीआईजांच की मांग

**रांची , एजेंसी।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी व जेएसएससी परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग की है। मुख्य सचिव को इस संबध में उन्होंने पत्र भेजा है। उन्होंने लिखा है कि 17 मार्च को जेपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन हुआ था, जिसमें पेपर लीक की तमाम खबरें सामने आई हैं। कुछ छात्रों ने उन्हें जो मेल भेजे हैं (जिसमें स्क्रीनशॉट भी संलिप्त है), उसमें पेपर बुकलेट संख्या और ओएमआर उत्तर पुस्तिका संख्या असमान पाई गई हैं।

मुख्य सचिव को बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि 2025 पदों के लिए राज्यभर के 735 केंद्रों में जेएसएससी द्वारा आयोजित सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 में प्रश्नपत्र लीक का मामला सामने आया था, जिसके बाद जेएसएससी ने 28 जनवरी को सभी पाली

की परीक्षा तथा 04 फरवरी को होने वाली परीक्षा को अपरिहार्य कारणों से रद्द कर दिया था। बाबूलाल ने बताया कि इस संदर्भ में भी उन्होंने 01 फरवरी को मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की थी। उन्होंने आगे लिखा है कि बार-बार परीक्षा रद्द करने एवं पेपरलीक की घटना होने से जेएसएससी एवं जेपीएससी की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं, जिसका खामियाजा सभी प्रतिभागियों को भुगतना पड़ रहा है।

गरीब व आदिवासी छात्र के सपनों का मजाक

बाबूलाल मरांडी ने सीएस को लिखा है कि चार वर्षों में झारखंड के गरीब और आदिवासी बच्चों के सपनों का मजाक बनाकर रख दिया गया है। सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग जनता के लिए नहीं, स्वहित को साधने में लगे हुए हैं। राज्य के अफसरों का भी यही रवैया है। पिछले चार वर्षों में ऐसी किसी भी परीक्षा का आयोजन नहीं हो पाया है, जिसमें नकल, अनियमितता या गड़बड़ी न हुई हो। राज्य के पैसों की बंदरबांट और भ्रष्टाचार के पैसों से अपनी जेबें भरने वाले अफसर और शीर्ष नेतृत्व पर बैठे नेता ये भूल गए हैं कि उनका काम जनसेवा है।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा पर किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके जरिए राज्य सरकार को बदनाम करने की साजिश हो रही है। इसका जल्द खुलासा होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के षड्यंत्र के आगे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन झुके नहीं। ईडी और जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर भाजपा ने विपक्षी नेताओं को अपने पाले में लाने का प्रयास किया। जो झुक गया, वे भाजपा में शामिल हो गए। उनका हर दोष दूर हो गया, लेकिन हेमंत सोरेन ने साफ शब्दों में कह दिया कि वह जल, जंगल, जमीन और जानवरों को उजाड़ने वाले लोगों के साथ समझौता नहीं करेंगे।

सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने सोमवार को चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा। झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान सवाल उठाया कि पहले जब मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर आयोग के पास गया था, तब चुनाव नहीं कराने को लेकर तर्क दिए जा रहे थे। अब चुनाव आयोग की ओर से उपचुनाव की घोषणा कर दी गई है।

## पोलिंग स्टेशन पर मतदाताओं को मिलेंगी 8 बेहतरीन सुविधाएं

● वोटर्स को बूथ तक लाने के लिए ईसी ने किया ये नायाब काम ● चुनाव के लिए 1.48 लाख पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे ● गर्मी से निजात पाने के लिए चुनाव आयोग ने मतदाताओं के लिए खास इंतजाम किए

लोकसभा चुनाव 2024 का बिगुल बज चुका है। 543 लोकसभा सीटों के लिए सात चरणों में मतदान होंगे। इस मतदान में 49.7 करोड़ पुरुष और 47.1 करोड़ महिला मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले हैं। वहीं, 1.8 करोड़ मतदाता पहली बार मताधिकार का प्रयोग करेंगे। दुनिया के सबसे बड़े चुनाव के लिए इलेक्शन कमीशन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। चुनाव के लिए 1.48 लाख पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। आइए पहले ये जान लें कि जब पोलिंग स्टेशन पर पहुंचने वाले मतदाताओं के लिए चुनाव आयोग ने क्या-क्या इंतजाम किए हैं। चुनाव आयोग की कोशिश है कि पोलिंग स्टेशन पर मतदाताओं को ये 8 सुविधाएं जरूर मिले।

### शौचालय

हर पोलिंग स्टेशन पर मतदाताओं के लिए शौचालय की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जाएंगे।

### फुट स्टेप साइन

मतदाता आसानी से ईवीएम रूम तक पहुंच जाएं इसके लिए चुनाव आयोग फुट स्टेप का स्टिकर भी लगाएगी।

### शुद्ध पानी की सुविधा

हर पोलिंग स्टेशन पर पीने के लिए शुद्ध पानी का इंतजाम किया जाएगा।

### व्हीलचेयर

दिव्यांग या किसी वजह से जिन मतदाताओं को चलने में दिक्कत होगी इसके लिए पोलिंग स्टेशन पर व्हीलचेयर के इंतजाम किए जाएंगे।
मतदाताओं को वोटिंग में किसी प्रकार की दिक्कत न आए इसके लिए हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी की जाएगी। वहीं, फैसिलिटेशन सेंटर भी बनाए जाएंगे।

### लाइट्स

मतदान केंद्र में मतदाताओं को वोटिंग में दिक्कत न हो इसके लिए चुनाव आयोग के अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदान केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में लाइट्स के इंतजाम हो। आम चुनाव भीषण गर्मी के मौसम में होने वाले हैं। इसके लिए मतदान केंद्रों को पूरी तरह शेड से ढके जाएंगे।

**भारत में पहले कुछ चुनाव मुकाबले असंतुलित थे और कांग्रेस एकमात्र संगठित राजनीतिक दल थी। जवाहरलाल नेहरू एक महान व्यक्ति थे, और कांग्रेस के रथ के विरोध में केवल कुछ क्षेत्र ही थे। 2 प्रतिद्वंद्वी और समान संरचनाओं के बीच पहला वास्तविक चुनाव 1977 में हुआ था। आपातकाल के मद्देनजर, विपक्षी दलों को जयप्रकाश नारायण द्वारा एक छतरी के नीचे लाया गया था। जनता पार्टी की चुनावी जीत निर्णायक थी, लेकिन इसने भारतीयों को विभाजित कर दिया। उत्तरी राज्यों ने एक तरह से मतदान किया और दक्षिणी राज्यों ने विपरीत तरीके से मतदान किया। उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन 1977 से कायम है।**

# भारत के चुनाव पर दुनिया की नजर

(पी. चिदम्बरम)

एक राष्ट्रीय सरकार को चुनने के लिए चुनाव आदर्श रूप से एक सामान्य राष्ट्रीय उद्देश्य या उद्देश्यों के लिए लोगों को एकजुट करने के लिए होना चाहिए। लोग अपने वोट पार्टी 'ए' या पार्टी 'बी' के बीच विभाजित कर सकते हैं। कभी-कभी दो से अधिक पार्टियों के बीच...

एक राष्ट्रीय सरकार को चुनने के लिए चुनाव आदर्श रूप से एक सामान्य राष्ट्रीय उद्देश्य या उद्देश्यों के लिए लोगों को एकजुट करने के लिए होना चाहिए। लोग अपने वोट पार्टी 'ए' या पार्टी 'बी' के बीच विभाजित कर सकते हैं। कभी-कभी दो से अधिक पार्टियों के बीच लेकिन उद्देश्य समान होना चाहिए। ऐसा विभाजन स्वाभाविक और स्वस्थ है, और स्थायी घाव नहीं छोड़ेगा। भारत में पहले कुछ चुनाव मुकाबले असंतुलित थे और कांग्रेस एकमात्र संगठित राजनीतिक दल थी। जवाहरलाल नेहरू एक महान व्यक्ति थे, और कांग्रेस के रथ के विरोध में केवल कुछ क्षेत्र ही थे। 2 प्रतिद्वंद्वी और समान संरचनाओं के बीच पहला वास्तविक चुनाव 1977 में हुआ था। आपातकाल के मद्देनजर, विपक्षी दलों को जयप्रकाश नारायण द्वारा एक छतरी के नीचे लाया गया था। जनता पार्टी की चुनावी जीत निर्णायक थी, लेकिन इसने भारतीयों को विभाजित कर दिया। उत्तरी राज्यों ने एक तरह से मतदान किया और दक्षिणी राज्यों ने विपरीत तरीके से मतदान किया। उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन 1977 से कायम है।

### दुखी विभाजन

इसके बाद के चुनावों में भी, अपवादों के साथ, उत्तरी राज्यों ने एक तरह से मतदान किया और दक्षिणी राज्यों ने अलग तरह से मतदान किया। हिंदी भाषी और अहिंदी जानने वाले उत्तरी राज्यों में प्रतिद्वंद्विता मुख्यतः कांग्रेस और भाजपा के बीच थी। धीरे-धीरे लेकिन लगातार, भाजपा को कांग्रेस की कीमत पर फायदा हुआ। दक्षिणी राज्यों की स्थिति बहुत भिन्न थी। 1977 के बाद हुए चुनावों में, क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस को चुनौती दी।

तमिलनाडु में द्रमुक और अन्नाद्रमुक, आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम और वाई.एस.आर.सी.पी., तेलंगाना में टी.आर.एस., कर्नाटक में जद (एस) और केरल में कम्युनिस्ट के नेतृत्व वाला एल.डी.एफ.। भाजपा इस भीड़ भरी लड़ाई के मैदान में घुसपैठ नहीं कर सकी। कर्नाटक में ऐसा हुआ लेकिन मिश्रित परिणाम आए।

### एजेंडे का खुलासा

कांग्रेस के प्रति भाजपा का दृष्टिकोण कोई रहस्य नहीं है। वह कांग्रेस मुक्त भारत चाहती है, यानी एक ऐसा भारत जहां कांग्रेस एक पार्टी के रूप में अस्तित्व में नहीं रहेगी। गैर-कांग्रेसी दलों के प्रति भाजपा का दृष्टिकोण अलग नहीं है। ऐसा प्रतीत हो सकता है कि वह कुछ समय के लिए किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन कर रही है, लेकिन उसका अंतिम उद्देश्य उस पार्टी को खत्म करना है। इसका उदाहरण जनता पार्टी, अकाली दल, इनैलो, बसपा और जद(एस) का भाग्य है। भाजपा ने उत्तर-पूर्वी राज्यों की क्षेत्रीय पार्टियों की पहचान लगभग खत्म कर दी है। एक समय में, इसने टी.एम.सी., वाई.आर.एस.सी.पी. और टी.आर.एस. से दोस्ती की, लेकिन लक्ष्य क्रमशः पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से उन्हें खत्म करना था - और है। महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और हरियाणा में भी लक्ष्य एक ही है। द्रमुक और अन्नाद्रमुक समय रहते जाग गए। शिवसेना, एन.सी.पी. और जे.जे.पी. काफी देर से जागीं। जल्द ही रालोद, बीजद और तेदेपा को एहसास हो जाएगा कि अगर भाजपा केंद्र सरकार में मजबूत हो गई तो उनके लिए क्या होगा। भाजपा अपने मूल एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए लोगों से पार्टी को 370 सीटें देने के लिए कह रही है। इसका प्रखर हिंदुत्व अभियान अयोध्या और काशी तक सीमित नहीं रहेगा। हिंदू मंदिरों के साथ-साथ और भी मस्जिदें विवादित होंगी। अधिक शहरों और सड़कों का नाम बदला जाएगा।

नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 का कार्यान्वयन 11 मार्च, 2024 को नियमों की अधिसूचना के साथ शुरू हो गया है। उत्तराखंड में प्रयोग किए गए समान नागरिक संहिता को दोहराया जाएगा और संसद में एक कानून पारित किया जाएगा। संविधान में संशोधन करके 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के विचार को कानून बनाया जाएगा। संघवाद और संसदीय लोकतंत्र और भी कमजोर हो जाएगा और भारत सरकार राष्ट्रपति प्रणाली के करीब पहुंच जाएगी, जिसमें सभी शक्तियां एक ही व्यक्ति में केंद्रित हो जाएंगी। दुर्भाग्य से, कई लोग वास्तव

### क्षेत्रीय पार्टियों की सफलता ने उत्तर और दक्षिण के बीच दूरियां बढ़ा दी हैं

दक्षिणी राज्यों की क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा से बेहद सशंकित हैं। कांग्रेस से ज्यादा, क्षेत्रीय दल ही हैं जो भाजपा को हिंदी, हिंदू और हिंदुत्व की पार्टी के रूप में चित्रित करते हैं। क्षेत्रीय भाषा पर गर्व, सभी धार्मिक समूहों की स्वीकार्यता और समाज सुधारकों की विरासत ने दक्षिणी राज्यों के लोगों के लिए एक अलग रास्ता तय किया है। उनके संदेह को राजस्व के हस्तांतरण में कथित भेदभाव, क्षेत्रीय भाषाओं पर हिंदी का प्रभुत्व और मान्यताओं के एक सैट (भोजन, पोशाक, संस्कृति, आदि) को लागू करने से बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, भाजपा ने राज्यों की स्वायत्तता को कम करने वाले कई कानून बनाकर केंद्र-राज्य संबंधों में 'केंद्रवाद' का जहर घोल दिया है। भाजपा ने भी कानूनों को हथियार बनाया है और क्षेत्रीय दलों को वश में करने या नष्ट करने के लिए उनका खुलेआम इस्तेमाल किया है। परिणामस्वरूप, उत्तर और दक्षिण के बीच की दूरी, दुर्भाग्य से, अधिक बढ़ गई है।

### इतिहास से सीखें

उपरोक्त कोई काल्पनिक डरावनी कहानी नहीं है। इतिहास हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता और विकास सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका समय-समय पर शासन को बदलना है। यूरोपीय देश ऐसा हर समय करते हैं। संयुक्त राज्य अमरीका में कार्यकाल की सीमाएं हैं। दक्षिण अमरीका और अफ्रीका के कई देशों ने सबक नहीं सीखा है और सत्तावादी सरकारों के तहत पीड़ित हैं। भारत में हमने सबक तो सीखे थे लेकिन लगता है हम उन्हें भूल गए हैं। चीन, रूस, तुर्की और ईरान के उदाहरण हमारे सामने हैं। भारत के चुनाव पर दुनिया की नजर है।

**राजस्थान में पिछले तीन लोकसभा चुनाव में**

## तीन सीटों पर भाजपा ने लगाई जीत की हैट्रिक

● **सबसे कम मार्जिन से जीती कांग्रेस**

चुनाव आयोग ने देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। प्रदेश में पिछले तीन लोकसभा चुनावों की बात करें तो दो बार भाजपा ने सभी 25 सीटें जीतीं और इस बार वह हैट्रिक का लक्ष्य लेकर मैदान में है।2009 में कांग्रेस ने 20 और भाजपा ने 4 सीटें जीती थीं, जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। 2014 में भाजपा ने सभी 25 सीटें जीती थीं। इसके बाद 2019 में भाजपा ने एक सीट पर नागौर में रालोपा से गठबंधन किया। उसका फॉर्मूला कामयाब रहा और पार्टी ने सभी सीटों पर जीत दर्ज की।

2009 से लेकर 2019 तक तीन चुनाव में एक खास बात ये रही है कि सबसे बड़ी जीत और सबसे छोटी हार का रिकॉर्ड भाजपा के ही नाम रहा है। 2009 में टोंक-सवाई माधोपुर संसदीय सीट से सबसे कम 317 वोटों के मार्जिन से जीत-हार का फैसला हुआ था, जिसमें कांग्रेस के नमोनारायण मीणा ने बीजेपी के किरोड़ी सिंह बैंसला को हराया था। तीन चुनाव में यह भाजपा की सबसे छोटी हार है।

2019 के चुनाव में भीलवाड़ा से भाजपा के सुभाष चंद्र बहेड़िया 6,12,000 वोट से जीते। पिछले तीन चुनाव में यह भाजपा की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड है। सुभाष चंद्र बहेड़िया ने कांग्रेस के रामपाल शर्मा को हराया था। 2019 में बीजेपी के 22 सांसदों ने 6 लाख से ज्यादा वोट हासिल किए थे। इसके साथ ही नागौर से आरएलपी के हनुमान बेनीवाल ने भी 6 लाख से ज्यादा वोट हासिल किए थे। कांग्रेस के एक भी सांसद ने 6 लाख का आंकड़ा पार नहीं किया। इसके साथ ही पिछले तीन लोकसभा चुनावों में बीकानेर, जालोर और झालावाड़-बारां सीट पर भाजपा जीत की हैट्रिक लगा चुकी है। यानी कांग्रेस इन सीटों पर एक बार भी नहीं जीत पाई।

ओम बिरला

**8,00,051**
वोट मिले

**प्रदेश में पिछले तीन लोकसभा चुनावों की बात करें तो दो बार भाजपा ने सभी 25 सीटें जीतीं और इस बार वह हैट्रिक का लक्ष्य लेकर मैदान में है।2009 में कांग्रेस ने 20 और भाजपा ने 4 सीटें जीती थीं, जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। 2014 में भाजपा ने सभी 25 सीटें जीती थीं। इसके बाद 2019 में भाजपा ने एक सीट पर नागौर में रालोपा से गठबंधन किया। उसका फॉर्मूला कामयाब रहा और पार्टी ने सभी सीटों पर जीत दर्ज की।**

**उत्तराखंड में 83,21,207 मतदाता करेंगे**

## अपने सांसदों के भाग्य का फैसला

देश की अठारहवीं लोकसभा (लोस) के गठन के लिए होने वाले आम चुनाव के प्रथम चरण में 19 अप्रैल को उत्तराखंड में मतदान होगा। वर्ष 2019 में हुए सत्रहवीं लोस के आम चुनाव के समय कुल मतदाताओं से 6.68 प्रतिशत अधिक अर्थात, कुल 83 लाख, 21 हजार, 207 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वीबीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि राज्य के सभी 5 लोकसभा क्षेत्रों में कुल पुरुष मतदाता 43.08 लाख हैं, जबकि कुल महिला मतदाता 40.12 लाख हैं। उन्होंने बताया कि पूरे राज्य में कुल ट्रांस जेंडर (थर्ड जेंडर) 297 मतदाता, 85 साल से ऊपर के 65 हजार 177, अठारह से उन्नीस वर्ष के पहली बार मतदान करने वाले कुल एक लाख, 45 हजार, 220 युवा तथा 79 हजार, 965 दिव्यांग और कुल 93 हजार 357 सर्विस मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि पूरे राज्य में कुल 11 हजार, 729 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं।

डॉ. पुरुषोत्तम ने बताया कि इस लोस चुनाव में सर्वाधिक मतदाता देहरादून जनपद की दोईवाला विधानसभा (विस) अंतर्गत, नकरौंदा मतदेय स्थल है, जहां 1482 मतदाता हैं। जबकि पौड़ी जनपद के यमकेश्वर विस अंतर्गत, लालडांग मतदेय स्थल पर सबसे कम 04 मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में सबसे अधिक ऊंचाई 10,170 फीट पर उत्तरकाशी जनपद के गंगोत्री विस क्षेत्र में गंगोत्री पूरी सिंचाई भवन मतदेय स्थल है। उन्होंने बताया कि राज्य में बद्रीनाथ विस क्षेत्र में डूमक मतदेय स्थल ऐसा है, जहां पहुंचने के लिए 20 किलोमीटर पैदल जाना पड़ेगा।

### 2009 के मुकाबले दोगुनी हुई राजनीतिक पार्टियां

**इनमें 95 प्रतिशत कोई सीट नहीं जीततीं; पिछले 3 चुनावों का यही हाल था**

लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित हो गई हैं। अब देश इलेक्शन मोड में है, 2019, 2014 और 2009, यानी पिछले 3 लोकसभा चुनावों के आंकड़े तो यही कह रहे हैं।-

*2009 में बीजेपी सिर्फ 1 सीट पर 3 लाख से ज्यादा मार्जिन से जीत पाई थी। 2019 में ऐसी सीटों की संख्या 105 हो गई।

*2019 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत पहली बार पुरुषों के मुकाबले ज्यादा हो गया था।

*चुनाव आयोग ने 2009 के मुकाबले 2019 में करीब 2 लाख ज्यादा पोलिंग बूथ बनाए थे। ये 15 साल में 25 प्रतिशत बढ़े हैं।

# समस्तीपुर समेत बिहार की 24 नदियां सूख चूकी है कई नदियों के 670 किलोमीटर एरिया में भरा है गाद

**समस्तीपुर, एजेंसी।** राज्य की 24 नदियां सूख गयी हैं. उत्तर बिहार की 16 और दक्षिण बिहार की आठ नदियां सूख चुकी हैं. राज्य के कुल 23 जिलों में इन 24 नदियों का प्रवाह थम गया है. इन सभी नदियों की कुल लंबाई 2986 किलोमीटर है. इसमें लगभग 670 किलोमीटर एरिया में गाद भर गया है. कभी इन नदियों में लबालब पानी भरा रहता था.

**सूखनेवाली नदियां :** उत्तरी बिहार के समस्तीपुर व बेगूसराय में बैती, मुजफ्फरपुर में बलान, सीतामढ़ी और दरभंगा में बूढ़, पश्चिमी चंपारण में चंद्रावत (कोढ़ा सिकरहना), खगड़िया और समस्तीपुर में चान्हो, गोपालगंज और सारण में दाहा नदी सूख गयी है. वहीं, पूर्वी चंपारण में डोरवा, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर में जमुआरी, रोहतास में काव, भागलपुर में खलखलिया, मुजफ्फरपुर व समस्तीपुर में लखनदेई, सारण में माही, गोपालगंज और सीवान में तेल, कटिहार और किशनगंज में रामदान (रमजान), दरभंगा व मधुबनी में पुरानी कमला तथा अररिया में नूना नदी सूख गयी है. वहीं, दक्षिण बिहार के गया में बंधिया, जहानाबाद, नालंदा व पटना में फल्गु, नालंदा में गोइठवा, गया और जहानाबाद में मोहड़ा (मोहरर), कैमूर में सुआरा, नालंदा और पटना में सकरी, नालंदा और नवादा में पंचाने तथा गया में पैमार नदी सूख गयी है.

**इन नदियों में भरा है गाद :** बैती नदी की लंबाई कुल सौ किमी है. इसमें 19.93 किमी में गाद भरा हुआ है. वहीं, बलान में कुल 150 किलोमीटर में 84, बूढ़ा में कुल 144 में 5.5, चंद्रावत (कोढ़ा सिकरहना) में कुल 126 में एक किमी, चान्हो में 146 में 28.5, दाहा में 148 में नौ, डोरवा में कुल 35 किलोमीटर की लंबी नदी में पांच किलोमीटर तक गाद भरा हुआ है. जमुआरी में कुल 109 में 42.5 किमी, काव में 92 में 55, खलखलिया में 101 में 8.5, लखनदेई में 128 में 17, माही में 89 में 40.6, तेल में 170 में 27, रामदान में 182 में 44, पुरानी कमला में 15.5 नूना में 145 किलोमीटर में कुल 10 किलोमीटर में गाद सफाई की योजना बनायी गयी है.

**हटाया जायेगा इन नदियों का गाद :** बंधिया नदी में कुल 223 किमी में 18.7, फल्गु में 250 में सात, गोइठवा में 50 में 11, मोहड़ा में 90 में 40 किलोमीटर तक गाद भरा हुआ है. सुअरा में 55 में 11, सकरी में 142 में 31, पंचाने में 130 में 25.72 तथा पैमार में 77 किलोमीटर में 38.67 किलोमीटर में गाद सफाई की योजना बनायी गयी है.

**सूखी नदियों की ऐसे हुई शिनाख्त :** मनरेगा की ओर से जीआइएस का प्रयोग किया गया. इसमें प्रारंभिक स्तर के अध्ययन में पाया गया कि राज्य की 24 नदियों को पुनर्जीवित व जीर्णेद्धार करने की आवश्यकता है. इसे लेकर मनरेगा आयुक्त ने राज्य के सभी डीडीसी को पत्र भेजकर इन नदियों का भौतिक सत्यापन कराने का निर्देश दिया है. इसे किस तरह पुनर्जीवित किया जाये, इसे लेकर प्लान बनाया जायेगा. जरूरत पड़ने पर तकनीकी सहायता उपलब्ध करायी जायेगी. इसकी जानकारी पत्र के माध्यम से राज्य के सभी डीएम और मनरेगा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को भी दी गयी है.

## प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 22 मार्च तक आंधी-पानी के आसार

**पटना, एजेंसी।** पटना सहित दक्षिण बिहार में तेज आंधी के साथ बारिश के आसार हैं। इस दौरान मेघगर्जन, वज्रपात और झोंके के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चलेगी। इसको लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। बुधवार को भी बिहार के ज्यादातर जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 22 मार्च तक आंधी-पानी के आसार हैं। इससे अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार19 से 22 मार्च के दौरान राज्य के अनेक स्थानों में वर्षा होने का पूर्वानुमान है। इस दौरान विशेष कर दक्षिण एवं पूर्व बिहार के कुछ स्थानों में हल्की से मध्य स्तर की वर्षा (10 से 30 मिलीमीटर) होने की संभावना है। 19 से 21 मार्च के दौरान दक्षिण एवं पूर्व बिहार के कुछ स्थानों में और शेष भागों के एक या दो स्थानों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात एवं सतही हवा की गति झोंकों के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे रहने की संभावना है। बदल रहे मौसम के मिजाज की आहट सोमवार को ही दिखने लगी थी। इस पर हवाओं में थोड़ी नमी घुली तो न्यूनतम आर्द्रता का स्तर जो कि बीते दस दिन से लगातार 50 प्रतिशत से नीचे पर बना हुआ था, वह बढ़कर 50 प्रतिशत के पार कर गया।

## जनसेवा एक्सप्रेस ट्रेन में मिला शव,नहीं हो सकी पहचान

**पूर्णिया, एजेंसी।** पूर्णिया में जनसेवा एक्सप्रेस ट्रेन के द्वितीय श्रेणी के कोच से एक यात्री का शव मिलने से सनसनी फैल गई। लाश संदिग्ध अवस्था में सीट नंबर एक के समीप बीचों बीच मिली। वहीं, ट्रेन के पैसेंजर्स की नजर जैसे ही यात्री के शव पर पड़ी, कोच में अफरातफरी मच गई। यात्री की मौत कैसे हुई। ये हत्या है या फिर कोई हादसा इससे पर्दा नहीं उठ सका है और न ही अब तक शव की शिनाख्त की जा सकी है। शव को देखने पूर्णिया कोर्ट पर लोगों की भीड़ लगी है।

आरपीएफ जवान ने बताया कि यात्री की उम्र 42 से 48 साल के बीच है। जिसने एक सफेद गमझा धारण कर रखा है। इसके अलावा उसके पास से सफेद झोला भी मिला है। यात्री के सर में एक लंबी टिक्की है। जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि ये यात्री कोई संत है। वहीं, जनसेवा एक्सप्रेस ट्रेन से शव मिलने की सूचना मिलते ही पूर्णिया कोर्ट के आरपीएफ जवान मौके पर पहुंच चुके हैं और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेजने की तैयारी में जुट गई है। घटना की जानकारी देते हुए यात्रियों ने बताया कि जनसेवा एक्सप्रेस (14618) ट्रेन अमृतसर से चलकर बनमनखी स्टेशन होती हुई पूर्णिया कोर्ट के लिए अपने निर्धारित संध्या 5:50 संध्या में खुली थी, कि तभी ट्रेन में मौजूद कुछ यात्रियों की नजर द्वितीय श्रेणी के डब्बे के सीट नंबर एक के समीप पड़ी एक यात्री के शव पर पड़ी। शव संदिग्ध अवस्था में मिला। जिसकी सूचना ट्रेन के ड्राइवर को दी गई। संध्या करीब 18:35 में अपने निर्धारित समय से अपने आखिरी गंतव्य स्टेशन पूर्णिया कोर्ट के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर आकर लगी। ट्रेन में शव मिलने की सूचना पैसेंजर्स ने पूर्णिया कोर्ट के आरपीएफ जवानों को आकार बताई।

## संक्षिप्त समाचार

### दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में फरका की टीम सेमीफाइनल में

**भागलपुर/अकबरनगर।** किशनपुर क्रीडा स्थल में आयोजित सांतवा मूर्ति देवी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का दूसरा क्वार्टर फाइनल फरका व लैलख के बीच खेला गया। फरका की टीम ने लैलख को 1-0 से पराजित कर सेमीफाइनल में जगह ली। इससे पूर्व दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच का उद्घाटन नगर पंचायत अकबरनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि अंजीत कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने फीता काटकर किया। मैच में पहले हाफ में ही फरका की टीम एक गोल कर लैलख पर बढ़त हासिल की। दूसरे हाफ का खेल शुरू होने के बाद लैलख की टीम गोल करने मे असफल रही। निर्धारित समय तक की समाप्ति पर फरका की टीम एक गोल से बढ़त बनाए मैच जीतकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच में निर्णायक की भूमिका विनय कुमार ने निभायी। लाइनमैंन की भूमिका अम्बुज व दिवाकर ने निभाया। आयोजक समिति ने बताया की टूर्नामेंट का तीसरा क्वार्टर मुकाबला मंगलवार को ममलखा व वंशीपुर के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट को सफल बनाने में कैलाश यादव, सदानन्द मंडल, रोहित राठौर, विनय कुमार, रूपेश कुमार, कैलाश मंडल व दिनेश मंडल आदि अहम भूमिका निभा रहे।

### ट्रायल के तीसरे दिन ओपीडी के 30 मरीजों का लिया गया सैंपल

**भागलपुर।** 15 मार्च से मायागंज अस्पताल परिसर में बने सेंट्रलाइज्ड ब्लड सैंपल कलेक्शन सेंटर के ट्रायल के तीसरे दिन ओपीडी के 30 मरीजों के खून का सैंपल लिया गया। हालांकि सोमवार को ओपीडी में कुल 663 मरीजों के खून की जांच कराने की सलाह वहां के डॉक्टरों द्वारा दी गई। बावजूद 30 मरीजों को ही सैंपल देने के लिए सेंटर पर भेजा गया। अब तक सेंटर के प्रदर्शन को देखें तो इसके सैंपल लेने व उसको लैब तक पहुंचाने की प्रक्रिया तो शानदार है। यहां तक मरीजों को सैंपल लेने की सहूलियतें भी बेहतर हैं। लेकिन खून जांच की रिपोर्ट देने की प्रक्रिया में खामियां ही खामियां दिख रही हैं। मसलन, मरीज को उसकी पूरी जांच रिपोर्ट न देना, मोबाइल पर सभी को जांच रिपोर्ट न मिलना और हार्ड कापी के लिए लैब के बाहर लगी लाइन में आधे घंटे तक लगे रहना प्रमुख है। मायागंज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि ट्रायल के दौरान कमियों व खूबियों का आकलन किया जा रहा है। लेकिन इसे दुरुस्त तो हर रोज किया जाना है। साथ ही खून-पेशाब की जांच के लिए सैंपल लेने के लिए ओपीडी के मरीजों की संख्या को बढ़ाना होगा। नहीं तो जिस दिन ओपीडी के सभी मरीजों के खून-पेशाब की सैंपलिंग होने लगेगी, उस दिन सिस्टम ध्वस्त हो जाएगा।

### कहलगांव पुलिस ने पिकअप लूटकांड का उद्भेदन

**भागलपुर/कहलगांव।** त्रिमुहान-एकचारी महगामा पथ के जखबाबा स्थान के समीप पुलिया के नीचे से रसलपुर पुलिस ने पटना के मसौढ़ा निवासी धीरज कुमार को नशे की हालत में बरामद किया था। होश आने पर धीरज ने बताया कि वह पटना से अपने पिकअप से भागलपुर सामान लेकर आया था। माल खाली करने के बाद हम वापसी में भाड़ा की तलाश कर रहे थे। अपराधियों ने मुझे बताया कि पीरपैंती से रिर्टनिंग भाड़ा है। वह तीन अपराधियों के साथ पीरपैंती आ गया। इसी बीच पिकअप सवार अपराधियों ने अपने साथी को भी बाइक लेकर बुला लिया। सभी ने नशा मिलाकर कोल्ड ड्रिंक पिला दिया व पीरपैंती से मुझे एकचारी-महगामा रोड में लेकर आ गये। बेहोश होने पर हाथ-पैर बांधने के बाद वाहन लेकर सभी भाग गये। प्रेसवार्ता कर एसडीपीओ शिवानंद सिंह ने बताया कि चालक धीरज ने पुलिस को बताया कि 10 हजार रुपये व मोबाइल भी अपराधियों ने लूट ली थी। एसडीपीओ शिवानंद सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर छापेमारी में मोबाइल लाकेशन के आधार पर पुलिस को विक्रमशिला सेतु पर पिकअप बरामद किया। जिसका नंबर बदल दिया गया था। पिकअप से तीन अपराधियों को पुलिस ने पकड़ा। कड़ाई से पूछताछ में तीन अन्य अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में घोघा थाना क्षेत्र के पक्कीसराय निवासी रामस्वरूप मोदी का पुत्र संतोष कुमार, एकचारी निवासी राजेन्द्र मंडल का पुत्र राजेश कुमार, घोघा के आमापुर गांव निवासी दिलीप मंडल का पुत्र सौरव कुमार, वहीं के सुनील मंडल के पुत्र गोपाल मंडल, आमापुर घोघा के अधिकलाल मंडल के पुत्र सिंटू कुमार और एकचारी गांव निवासी महेश मंडल के पुत्र मिथिलेश कुमार मंडल है। पुलिस ने अपराधियों के पास से बाइक व 50 हजार रुपये नकदी बरामद किया है। एसडीपीओ ने बताया कि वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश पर टीम में रसलपुर थानाध्यक्ष कन्हैया कुमार, अमडंडा थानाध्यक्ष रविकुमार, घोघा थानाध्यक्ष अजीत कुमार, औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना के मुरलीधर साह, विक्रमशिला टीओपी थानाध्यक्ष प्रभाकर कुमार, डीआईयू भागलपुर के प्रभारी व सदस्य के अलावा सिपाही जीत लाल यादव व संतोष कुमार यादव शामिल थे।

### 2008 बैच के प्रणव कुमार को मिला बिहार गृह विभाग के सचिव का प्रभार

**पटना, एजेंसी।** चुनाव आयोग द्वारा बिहार गृह विभाग के एसीएस डॉ. एस. सिद्धार्थ सहित छह राज्यों के गृह सचिव को हटाने का आदेश जारी किया गया है। जिसके बाद अब बिहार सामान्य प्रशासन विभाग ने एस. सिद्धार्थ की जगह बिहार गृह विभाग के एसीएस के तौर पर 2008 बैच के आईएएस प्रणव कुमार को प्रभार सौंपा गया है। वहीं डॉ. एस. सिद्धार्थ को अब सीएम के प्रधान सचिव के तौर पर मुख्यमंत्री सचिवालय में नियुक्त किया गया है। बता दें कि बिहार के गृह विभाग के सचिव के तौर पर नियुक्त किए गए आईएस प्रणव कुमार फिलहाल, कारा एवं

## घर जा रही महिला की गोली मारकर हत्या, पति के साथ इलाज करा लौट रही थी

**जमुई, एजेंसी।** लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के ठाकुर रायन आहर के पास सोमवार की रात जमुई से इलाज कराकर अपने पति के साथ जा रही एक महिला को वाहन रोककर पांच हथियारबंद अपराधियों ने एक-एक कर चार गोली मारकर उसके निर्मम तरीके से हत्या कर दी। मृतक की पहचान लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मगही निवासी संजय यादव की 35 वर्षीय पत्नी पबिया देवी के रूप में की गई है। पति संजय यादव ने बताया कि वह पत्नी का इलाज कराने जमुई पत्नी के साथ सोमवार को जमुई मुख्यालय आया था जो देर शाम अपने वाहन पर सवार होकर वापस लौट रहा था। जैसे ही उसका वाहन ठाकुर रायन आहर के पास पहुंचा वहीं पहले से घात लगाए हथियारबंद अपराधियों ने उसके वाहन पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी। इस हमले में उसकी पत्नी पबिया देवी को चार गोली लगी जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसने भागकर अपनी जान बचाई है। साथ ही बताया की वह सभी हत्यारे को पहचानता है। सूत्र बताते हैं कि शनिवार को कुख्यात 2 लाख का इनामी अपराधी बबलू यादव की गिरफ्तारी हुई है। जिसमें मृतक पबिया देवी के पति संजय यादव जो की पूर्व में उसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। साथ ही बबलू यादव और संजय यादव के बीच पुरानी दुश्मनी चली आ रही है।

## पटना में गिट्टी-बालू सप्लायर की संदिग्ध मौत

**पटना, एजेंसी।** पटना में बिल्डर के लिए माल सप्लाई करने वाले एक सप्लायर की सोमवार की देर रात बिल्डिंग से गिरकर संदिग्ध हालत में मौत हो गई पत्नी ने बिल्डर पर पति की हत्या का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि बिल्डर से 50 लाख रुपए लेने थे। वो नहीं दे रहा था, इसलिए उसने हत्या कर के शव को बिल्डिंग से नीचे फेंक दिया। मामला परसा बाजार स्थित दरियापुर गांव का है। पत्नी ने बिल्डर के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। बिल्डिंग के नीचे शव पड़ा देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना परसा बाजार थाने को दी। सूचना मिलने के बाद परसा बाजार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

**पैसे नहीं देने पर हत्या का आरोप :** घटना के बारे में बताया जा रहा है कि परसा बाजार के दरियापुर गांव में बिल्डर विनय सिंह का एक बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन के काम में रणजीत कुमार गिट्टी बालू की सप्लाई किया करता था।

पत्नी बोली-वो बिल्डर से पैसे मांगने गए थे

सप्लायर रंजीत कुमार की पत्नी नीलू कुमारी ने आरोप लगाया कि उनके पति सोमवार की सुबह यह कह कर घर से निकले थे कि होली पर वह बिल्डर विनय सिंह से अपने बकाया पैसा की मांग करने जा रहे हैं। नीलू कुमारी ने यह आरोप लगाया है कि उनके पति का बालू, गिट्टी के सप्लाई का 50 लाख रुपए विनय सिंह पर बकाया है। नीलू कुमारी ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति विनय सिंह के पास अपने पैसे की मांग करने गए थे और तब विनय सिंह ने उनके पति को बिल्डिंग से नीचे फेंक कर हत्या कर डाला। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मामले को लेकर परसा बाजार थाना प्रभारी मेनका रानी ने बताया कि मृतक के पत्नी के द्वारा बिल्डर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बिल्डर को पूछताछ के लिए अपने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने बताया कि मौके पर एसएफएल टीम के माध्यम से छानबीन की जा रही है।

## पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रेशन फॉर्म की डेट बढ़ी-23 मार्च तक सेमेस्टर-2 के स्टूडेंट्स भर सकते हैं फॉर्म

**नालंदा, एजेंसी।** पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी से संबंध प्राप्त नालंदा के डिग्री कॉलेज में पढ़ रहे स्टूडेंट्स के लिए एक जरूरी खबर है। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-27 में नामांकित छात्र-छात्राओं के सेमेस्टर 2 का रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने की डेट में विस्तार किया गया है। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर ए.के नाग ने बताया कि वैसे स्टूडेंट्स जो अब तक शैक्षणिक सत्र 2023-27 के सेमेस्टर 2 में पढ़ रहे थे। जिन्होंने अपना एडमिशन रजिस्ट्रेशन फॉर्म विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपलोड नहीं किया है। उनके लिए 23 मार्च तक तिथि को बढ़ा दी गई है। सेमेस्टर 2 के छात्र-छात्राओं के लिए एडमिशन रजिस्ट्रेशन फॉर्म अपलोड करने की अंतिम तारीख 18 मार्च थी। इसे बढ़ाकर 23 मार्च कर दिया गया है। शेष निर्देश पूर्व के भांति ही लागू रहेंगे। वैसे स्टूडेंट्स जो अब तक सेमेस्टर 2 का रजिस्ट्रेशन फॉर्म नहीं भर सके थे, उन्हें यूनिवर्सिटी द्वारा बड़ी राहत दी गई है। इसके पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-25, 2021-24 के पार्ट वन, पार्ट टू और पार्ट 3 के स्टूडेंट्स को राहत देते हुए 21 मार्च तक ऑनलाइन एग्जाम फॉर्म भरने की तिथि बढ़ाई गई थी।

## होलिका दहन 24 को, 26 को मनेगी होली, द्विपुष्कर योग और हस्त नक्षत्र में मनेगा रंगोत्सव

**पटना, एजेंसी।** होली का पर्व चैत्र कृष्ण प्रतिपदा में 26 मार्च मंगलवार को मनायी जाएगी। वहीं, होलिका दहन 24 मार्च रविवार की रात 10:38 बजे के बाद होगी। होलिका दहन फाल्गुन मास की भद्रा रहित पूर्णिमा में रात्रिकाल में करने का विधान है। फाल्गुन की पूर्णिमा रविवार की सुबह 09:35 बजे से शुरू हो रही है और भद्रा भी उसी समय से आरंभ हो रहा है। भद्रा रविवार की रात 10:38 बजे तक रहेगी। वही 25 मार्च सोमवार को पूर्णिमा तिथि दोपहर 11:41 बजे तक ही है। इसलिए होलिका दहन का पर्व रविवार को ही मनाया जाएगा। शास्त्रों में होलिका दहन करने के तीन नियम बताए गए हैं। होलिका दहन में पूर्णिमा तिथि, रात्रिकाल और भद्रा मुक्त होना चाहिए। फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा दो दिन होने से ऐसी परिस्थिति बनी है। व्रत की पूर्णिमा 24 मार्च को तथा स्नान-दान की पूर्णिमा 25 मार्च सोमवार को मनेगा। होली का पर्व उदय व्यापिनी चैत्र कृष्ण प्रतिपदा में मनाया जाता है। इसलिए इस बार 24 को होलिका दहन व एक दिन बाद 26 को होली होगी।

**द्विपुष्कर योग और हस्त नक्षत्र में मनेगी होली :** आचार्य राकेश झा ने पंचांगों के हवाले से बताया कि 26 मार्च को प्रेम, सौहार्द, भाईचारा का प्रतीक व रंगों का पर्व होली चैत्र कृष्ण प्रतिपदा को कई शुभ संयोग में मनेगी। इस दिन दोपहर 12:23 बजे तक हस्त नक्षत्र तथा उसके बाद चित्रा नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा होली के दिन ध्रुव योग व आति शुभकारी द्विपुष्कर योग भी विद्यमान रहेगा। होली से आठ दिन पहले होलाष्टक लग जाने से शुभ कार्य बंद हो जाएगा। होलिका दहन के बाद शुभ कार्य करना उत्तम रहता है। ज्योतिषी झा ने कहा कि होली के पर्व में होलिका दहन का महत्वपूर्ण विधान है। होलिका के पूजन में श्रद्धालु अपने सभी अनिष्टता का नाश, सुख-शांति, समृद्धि व संतान की उन्नति की कामना करते है। अपने अंदर के राग, द्वेष, क्लेश, दुःख को होलिका की अग्नि में खत्म हो जाने की प्रार्थना करते है। भद्रा में होलिका दहन करने से हानि और अशुभ फलों की प्राप्ति होती है। होलिका की पूजा करते समय ÷? होलिकायै नमः÷ मंत्र का उच्चारण करने से अनिष्टता का नाश होता है।

## सिलेंडर ब्लास्ट में मां-बेटी और दो मासूम बेटे जिंदा जल गए थे, मानवाधिकार आयोग ने दिलाया 16 लाख

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** मुजफ्फरपुर जिले के चर्चित नंदना गैस कांड मामले में बिहार मानवाधिकार आयोग की पहल पर बिहार सरकार के आपदा कोष से पीड़ित को 16 लाख रूपये का मुआवजा मिल चुका है। इसकी जानकारी पीड़ित अशोक साह ने आज दी। विदित हो कि 13 सितंबर 2021 को जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र के नंदना गाँव के निवासी अशोक साह के घर पर खाना बनाने के क्रम में गैस सिलेंडर विस्फोट करने से अशोक साह का पूरा परिवार ही खत्म हो गया। इस भीषण हादसे में अशोक साह की पत्नी-शोभा देवी, पुत्री - दीपांशी कुमारी, पुत्र - अजीत कुमार एवं विवेक कुमार बुरी तरह से जल गये। ईलाज के दौरान चारों की मौत हो गई। इस सम्बंध में मीनापुर थाना में यू.डी. कांड संख्या - 21/21 दर्ज किया गया। इस पुरे मामले को लेकर मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस. के. झा ने बिहार मानवाधिकार आयोग पटना के समक्ष एक याचिका दायर की थी, जिसपर आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष न्यायमूर्ति विनोद कुमार सिन्हा द्वारा बिहार सरकार को नोटिस जारी किया गया था। तत्पश्चात बिहार सरकार ने अपना जबाव आयोग में दाखिल किया। अधिवक्ता एस. के. झा ने आयोग को बताया कि पीड़ित अशोक साह अपना पूरा परिवार खो चुका है, अब उसके पास कुछ भी शेष नहीं है। उसको फिर से अपने नये जीवन को शुरू करने के लिए बिहार सरकार के आपदा कोष से

अविलम्ब मुआवजा मिलना चाहिए, जिस पर आयोग द्वारा गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया गया और अधिवक्ता एस. के. झा के मंतव्य को जिला प्रशासन के पास भेज दिया गया। तत्पश्चात मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवार को 16 लाख रूपये देने के सम्बन्ध में आयोग के समक्ष कागजात दाखिल किया। मुआवजे की राशि पीड़ित अशोक साह के बैंक खाते में जिला प्रशासन द्वारा भेज दी गई है। अब पीड़ित अशोक साह फिर से अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने आज अपने अधिवक्ता एस. के. झा के पास आकर उनको धन्यवाद दिया और आभार प्रकट किया। अधिवक्ता एस. के. झा ने बताया कि इस प्रकार के लोगों की मदद हर हाल में होनी चाहिए।

## नालंदा में बाइक सवार ने एएसआई को कुचला, मौत, चुनाव को लेकर चेकिंग चल रही थी, पटना ले जाने के दौरान तोड़ा दम

**नालंदा, एजेंसी।** नालंदा में बाइक सवार बदमाशों ने सोमवार की शाम वाहन चेकिंग में लगे एएसआई विजय कुमार चौहान(45) को कुचल दिया। इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान एएसआई की मौत हो गई। मामला कल्याण विगहा थाने का है। एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि कल्याण विगहा थाने की पुलिस बख्तियारपुर-कल्याण विगहा की बॉर्डर पर लोकसभा चुनाव को लेकर अवस्थित धोवा नदी के पुल के पास चेकिंग चला रही थी। बख्तियारपुर की ओर एक बाइक पर 3 लोग आ रहे थे। जो बख्तियारपुर की ओर से तेज गति से कल्याण विगहा की ओर आ रहे थे।

**रुकने का इशारा किया तो हिट करते हुए फरार :** ड्यूटी में तैनात एएसआई विजय कुमार चौहान ने जब रुकने का इशारा किया तो बाइक सवार ने स्पीड बढ़ा दी और विजय कुमार चौहान को हिट करते हुए मौके से फरार हो गए। जिसके कारण विजय कुमार चौहान के सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट आ गई। उन्हें हरनौत रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्राथमिक इलाज के बाद वहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई। विजय कुमार चौहान मूलतः नवादा जिला के रहने वाले हैं। हाल ही में उन्होंने डुमरांव से पीटीसी का प्रशिक्षण पास लिया था। इसके बाद उनका प्रमोशन एएसआई के पद पर हुआ था।

**तीनों बाइक सवार हिरासत में :** मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की, तीनों बाइक सवार को हिरासत में लिया। जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बाइक भी बरामद कर ली है। अन्य बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। एसपी अशोक मिश्रा ने नालंदा पुलिस की ओर से एएसआई विजय कुमार चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

## बिहार की सभी 40 सीटें जीतेगा एनडीए, जीरो पर आउट होगा महागठबंधन- सम्राट चौधरी

**पटना।** प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि बिहार में एनडीए पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने कहा कि एनडीए के कौन सा दल कितनी-कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, इसकी आधिकारिक घोषणा के साथ ही घटक दलों के कार्यकर्ता कमर कसकर मैदान में उतर चुके हैं। विपक्षी गठबंधन का यहां खाता भी नहीं खुलने वाला है। वह बिहार में जीरो पर आउट होगा। सम्राट चौधरी ने बताया कि सीट शेयरिंग के तहत बीजेपी 17, जेडीयू 16, लोजपा (रामविलास) 5, मांझी की पार्टी हम- 1 और कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा लोकसभा की एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। मगर बिहार की सभी 40 लोकसभा सीटों पर एनडीए एकजुट होकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के संकल्प के साथ चुनाव लड़ेगा और सभी सीटों पर जीत हासिल करेगा।

**कार्यपालक अभिंयता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, कोडरमा**

**शुद्धि-पत्र**

लघु सिंचाई प्रमंडल, कोडरमा अन्तर्गत प्रकाशित ई-निविदा सूचना संख्या-WRD/MID/KODERMA/F2-34 /2023-24 दिनांक-15.03.2024 जिसका PR. No.322773 Minor Irrigation (23-24)D है, को अपरिहार्य कारणवश रदद् किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल,
कोडरमा

PR 323124 Minor Irrigation(23-24)#D

# सोनेलाल पटेल की विरासत के लिए अनुप्रिया-पल्लवी के बीच जंग का नया मैदान बन सकती है फूलपुर सीट

**प्रयागराज , एजेंसी।** अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की कर्मस्थली। 1995 में गठित पार्टी को खड़ा करने में बड़े सहयोगी यहीं से मिले। पीडी टंडन पार्क में कार्यकर्ताओं से पुलिसिया टकराव और फिर हुए लाठीचार्ज के बाद हाथ-पांव भी यहीं टूटे। चुनावी राजनीति का पहला कदम भी फूलपुर सीट से आगे बढ़ाया। हारे...मगर मन से नहीं। लड़े और फिर आगे भी लड़ते रहे। जीत का स्वाद चखने के लिए भारतीय जनता पार्टी के साथ भी समझौता किया। मगर, जीत का हार नसीब नहीं हो सका।

2009 में उनके दिवंगत होने के बाद दल दो हिस्सों (अपना दल एस और अपना दल कमेरावादी) में बंट चुका है। एक की कमान डॉ. पटेल की पत्नी कृष्णा पटेल और बड़ी बेटी पल्लवी पटेल के हाथों में है तो दूसरे की कमांडर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और उनके पति आशीष पटेल हैं। दोनों बेटियां दिलोजान से विरासत की जंग लड़ रही हैं। इसी कड़ी में दोनों की निगाह फूलपुर सीट पर है। हालांकि, फूलपुर सीट से भाजपा की सांसद केशरी देवी पटेल हैं और पार्टी ने ऐसा कोई वादा नहीं किया कि यह सीट वह अपनी सहयोगी अपना दल (एस) को देने वाली है। फिर भी, टिकट घोषणा होने तक राजनीतिक संभावनाओं की उम्मीद कोई नहीं छोड़ रहा।

पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू, राम मनोहर लोहिया, कांशीराम और डॉ. सोनेलाल पटेल जैसे राजनीतिज्ञों की कर्मस्थली होने की वजह से फूलपुर सीट हमेशा सुर्खियां बटोरती रही है। मौजूदा समय में यहां की सांसद भाजपा की केशरी देवी पटेल हैं। 2019 में सपा गठबंधन के प्रत्याशी पंधारी यादव को उन्होंने बड़े अंतर से हराया था। राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो 2022 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन के साथ मिलकर 13 सीटें जीतने वाले अद (एस) ने इस बार भाजपा नेतृत्व से यूपी में तीन लोक सभा सीटें मांगी थीं।

हालांकि, उन्हें मिलीं दो ही हैं। इनमें से अभी राबर्ट्सगंज (सुरक्षित) और मिर्जापुर सीटें अद एस के पास हैं। मिर्जापुर से खुद अद एस की अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल सांसद हैं तो राबर्ट्सगंज से पकौड़ी लाल कोल पिछले चुनाव में जीते थे। अनुप्रिया समर्थकों की दिली ख्वाहिश है कि अपना दल के संस्थापक डॉ. सोने लाल पटेल फूलपुर से लगातार पांच बार चुनाव लड़े थे।

यह दीगर बात है कि वह एक बार भी नहीं जीत पाए, लेकिन यहीं के बूते पार्टी संगठन की ताकत बढ़ी। पार्टी बंट जाने के बावजूद अनुप्रिया पटेल ने खुद को यूपी की बड़ी राजनीतिक हैसियत बना लिया है। विधायकों की संख्या की दृष्टि से उनकी पार्टी प्रदेश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। अपनी बढ़ती ताकत और विस्तार के बीच पिता की विरासत पर अनुप्रिया की नजर है। वह फूलपुर सीट भी गठबंधन के खाते में चाहती हैं।

चुनावी रणनीतिकारों का मानना है कि सीट शेयरिंग के फार्मूले के तहत अपना दल को दो सीटें ही मिली हैं, इसलिए मिर्जापुर और राबर्ट्सगंज में से कोई एक सीट छोड़नी पड़ सकती है। अनुप्रिया मिर्जापुर में बनी-बनाई जमीन छोड़कर खुद कोई नया ठिकाना खोजेंगे, इसके आसार नहीं लगते। लिहाजा, ऐसा कोई अवसर मिलने पर राबर्ट्सगंज छोड़ना ही विकल्प रह जाता है। इसके बदले ही वह फूलपुर सीट चाहती हैं।

इस इलाके की पांचों विधानसभा सीटों पर उनके कार्यकर्ताओं ने मशक्कत भी खूब की है।फूलपुर पर नजर सपा से विधायक पल्लवी पटेल की भी है। वह बीते विधानसभा चुनाव में कौशाम्बी की सिराथू सीट से डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हरा चुकीं हैं। वह चाहती हैं कि फूलपुर से इंडिया गठबंधन के साथ खुद या उनकी मां कृष्णा पटेल को उतारा जाए। इसके लिए वह दावेदारी भी कर चुकी हैं।

बीते दिनों राज्यसभा चुनाव के दौरान उनकी नाराजगी के पीछे यही कयास लगाए जा रहे थे कि वह राज्यसभा का टिकट अपनी मां के लिए चाहती थीं, लेकिन सपा इसके लिए राजी नहीं हुई। अब उनकी नाराजगी को दूर करने के लिए सपा उन्हें पटेल बाहुल्य इस सीट पर मौका दे सकती है। वैसे, 2019 के लोकसभा चुनाव में पल्लवी के पति पंकज निरंजन कांग्रेस के टिकट पर फूलपुर से लड़ चुके हैं। तब उन्हें सिर्फ 32, 761 मत ही हासिल हुए थे।

**पांच बार फूलपुर से लड़े थे सोनेलालः** डॉ. सोनेलाल पटेल फूलपुर से कुल पांच बार चुनाव लड़े थे। पहली बार वर्ष 1996 में उन्होंने फूलपुर से पर्चा भरा था। इसके बाद से 2009 तक लगातार वह पांच चुनाव लड़े, लेकिन जीत नहीं पाए। सोनेलाल पटेल को 1996 के चुनाव में 2426 वोट, 1998 में 42152, 1999 में 127780 वोट, 2004 के चुनाव में 80388 वोट और 2009 के चुनाव में 76699 वोट मिले थे।

## संक्षिप्त समाचार

### नगर निगम की नाक के नीचे चल रहा था अवैध वाहन स्टैंड, हटाने पहुंची टीम से दबंगों की नोकझोंक

**कानपुर , एजेंसी।** कानपुर नगर निगम ने सोमवार को मोतीझील स्थित कारगिल पार्क के फुटपाथ पर चल रहा अवैध वाहन स्टैंड पकड़ा। युवक के कब्जे से पर्चियों की तीन गड्डियां बरामद हुईं। इनमें से एक में भारत महोत्सव और कार पार्किंग 50 रुपये (जीएसटी सहित), मोटरसाइकिल शुल्क 30 रुपये प्लस 10 रुपये हेलमेट अंकित है। पर्ची में स्थान नहीं लिखा है। दोनों अन्य गड्डियों में कार पार्किंग शुल्क 50 रुपये, मोटरसाइकिल शुल्क 20 रुपये, साइकिल शुल्क 10 रुपये अंकित है। नगर निगम ने मोतीझील लॉन नंबर - 2 को शाइन इवेंट एंड एक्जिबिट्स को होली मेला लगाने के लिए आवंटित किया है। सोमवार को सूचना मिली कि वहां वाहन शुल्क वसूला जा रहा है। इस पर नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने जोन-4 के कर अधीक्षक अतुल श्रीवास्तव को मौके पर भेजा। टीम ने पार्किंग बंद करने के लिए कहा तो दबंग ठेका होने का दावा करते हुए धमकाने लगे। बताया गया कि प्रदेश सरकार ने ढाई साल पहले ही सभी पार्किंग के ठेके निरस्त कर दिए थे। इस पर संचालक खुद को भाजयुमो नेता बताते हुए अधिकारियों को हड़काते हुए टरकाने लगा। सूचना पर जोन-4 के जोनल अधिकारी राजेश सिंह पहुंचे तो स्टैंड लगाने वाले दोनों युवक भाग गए। उन्होंने स्वरूपनगर थाने में तहरीर दी है। बताया कि दो कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगा दी गई है कि कोई भी अवैध स्टैंड का संचालन न कर सके।

### दोनों मामलों में फिर टला फैसला, बेटे को गले लगाकर रोए इरफान, कहा- दुआओं में याद रखना

**कानपुर , एजेंसी।** कानपुर के जाजमऊ आगजनी मामले में एमपीएमएलए सेशन कोर्ट में सुनाया जाने वाला फैसला एक बार फिर टल गया है। विशेष न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण मुकदमे में फैसला नहीं आ सकेगा। वहीं, आचार संहिता उल्लंघन मामले में एमपी एमएलए लोअर कोर्ट में इरफान को पेश किया गया है। हालांकि, इस मामले में भी फैसला टल गया है। जाजमऊ आगजनी मामले में अब 22 मार्च को फैसला आ सकता है। वहीं, आचार संहिता उल्लंघन मामले में कोर्ट ने चार अप्रैल की तारीख तय की है। बता दें कि कड़ी सुरक्षा में महाराजगंज जेल से कानपुर पहुंचे इरफान अपने साथ धार्मिक पुस्तक भी लेकर आए थे। बिना कुछ बोले उन्होंने हाथ हिला कर सभी का अभिवादन किया। कहा कि दुआओं में याद रखना।

**रिजवान बोला- ऊपर वाला सब जानता हैः** वहीं, बेटे को गले लगाकर खूब रोए। भाई रिजवान सोलंकी को कड़ी सुरक्षा में कोर्ट लाया गया। कोर्ट ले जाते समय रिजवान ने कहा हम सभी लोग बेगुनाह हैं। हम सभी का इंसाफ होगा। ऊपर वाला सब जानता है। हम दोनों भाई बेगुनाह हैं। सभी आरोप झूठे हैं। कोर्ट के दरवाजे से इंसाफ मिलेगा। बता दें कि पुलिस ने कोर्ट और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

### वायु बिहार मार्ग पर बम होने की सूचना, मौके पर पहुंची पुलिस; जांच में जुटी बम डिस्पोजल टीम

**आगरा , एजेंसी।** आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र में कलवारी से वायु बिहार मार्ग जाने वाले रास्ते पर बम होने की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही जगदीशपुरा थाना पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने इस मार्ग पर आवागमन रोक दिया है। टीम जांच में जुटी हुई है। बम की सूचना मिलते ही एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी मौके पर पहुंच गए। बम निरोधक दस्ते ने खोखे के नीचे से मार्बल के बॉक्स को निकाला है जिसमें सर्किट लगा हुआ है। जिसे बम डिस्पोजल टीम ने एक टेंपो में रखने के बाद चारों तरफ से कवर करने के साथ रख दिया है। आशंका यही है कि खोखे में बम फटता तो पेट्रोल पंप में हादसा होता।

## मुख्य सचिव को गृह की भी जिम्मेदारी, चुनाव आयोग ने प्रमुख सचिव गृह को हटाने का दिया था आदेश

**लखनऊ , एजेंसी।** चुनाव आयोग के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद को हटाने के आदेश के बाद मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा को गृह विभाग का भी चार्ज दे दिया है। नए प्रमुख सचिव, गृह की तैनाती तक वे इस पद पर बने रहेंगे। आयोग को इस पद के लिए पैनल भेजने के लिए छह से ज्यादा अफसरों के नाम देर शाम तक तय कर लिए गए थे। इन्हीं में से तीन अधिकारियों के नामों का पैनल मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद भारत निर्वाचन आयोग को भेजा जाएगा। संजय प्रसाद प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री व सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पद की जिम्मेदारी देखते रहेंगे।

चुनाव आयोग ने उन सभी राज्यों में गृह सचिवों को हटा दिया है, जिनके पास सीएम कार्यालय की भी कोई जिम्मेदारी है। इसके साथ ही यूपी में भी संजय प्रसाद से प्रमुख सचिव गृह का चार्ज हटा दिया गया और गृह विभाग का चार्ज स्वतः ही मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा के पास चला गया। आयोग को नए प्रमुख सचिव, गृह की तैनाती के लिए पैनल भेजने की कवायद भी शुरू हो गई। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों मनोज कुमार सिंह, देवेश चतुर्वेदी, दीपक कुमार, अनिल कुमार, अमृत अभिजात, आशीष गोयल, आलोक कुमार और अजय चौहान के नामों पर विचार हुआ। इनमें से ही किन्हीं तीन नामों का पैनल देर रात तक आयोग को भेजने की तैयारी है।

## नकली का खेलः महेश इडिबल ऑयल पर छापा, 469 किलो मसाले जब्त

**आगरा, एजेंसी।** आगरा में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने शमसाबाद रोड दिगनेर स्थित महेश एडिबल ऑयल कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड की मसाला एवं सरसों तेल विनिर्माण प्रतिष्ठान पर छापा मारा। करीब 469 किलो मसाले जब्त किए, इनकी कीमत 8.06 लाख रुपये है। पैकिंग में नियमों की अनदेखी की जा रही थी। जांच के लिए 16 नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जिला अभिहित अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि होली पर मिलावटी सामान की बिक्री रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। टीम को प्रतिष्ठान में बोरों में मसालों के पैकेट भरे हुए मिले। जांच करने पर संजलि ब्रांड पर मानकों की अनदेखी थी। टीम ने 209 किलो मीट मसाला, जिसकी कीमत 2 लाख रुपये है। इसके बोरों पर मीट लिखा था। 80 किलो चिकन मसाला की कीमत 6 लाख रुपये है। इसमें 5 रुपये के रैपर में मसाले थे। इसी तरह 600 रुपये की कीमत का 180 किलो नमक सीज किया है। जांच के लिए 16 नमूने लिए हैं, जिसमें पिसे मसाले 5, साबुत मसाले के 6, नमक का एक, साबुत सरसों और सरसों के तेल के 2-2 नमूने हैं।

## मिलावट का जहरः नमकीन में घुनी मूंगफली, ब्रेड में मिली फफूंदी

**आगरा , एजेंसी।** आगरा के बाजार में नमकीन भी घटिया मिल रही है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की जांच में मूंगफली घुनी हुई मिली। ब्रेड में फंफूदी पाई गई। बीते साले नमकीन के आठ नमूनों में से छह फेल मिले। बेकरी प्रोडक्ट के 16 नमूनों में से छह फेल पाए गए। जिला अभिहित अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि नमकीन घटिया और मिलावटी मिली। घुनी हुई मूंगफली और बेसन में रंग पाया गया। गुणवत्ता भी खराब मिली, इसी कारण छह में तीन मिस ब्रांड, एक असुरक्षित और दो अधोमानक पाए गए। बेकरी प्रोडक्ट में 4 अधोमानक, एक असुरक्षित और एक मिसब्रांड मिला। ब्रेड-बन में फफूंद मिली। इसमें दुर्गंध भी आ रही थी। जांच में इनको खाने योग्य नहीं बताया है। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया, जिसमें जुर्माना भी लगा है।

## पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की कंपनी की लखनऊ, नोएडा, गोरखपुर की 31 करोड़ की संपत्ति जब्त

**लखनऊ , एजेंसी।**पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेज की 30.86 करोड़ रुपये की संपत्तियों को ईडी ने सोमवार को जब्त कर लिया। ईडी ने बैंकों का 754 करोड़ रुपये हड़पने के मामले में यह कार्रवाई की है। ईडी ने लखनऊ, नोएडा और गोरखपुर में 12 चल-अचल संपत्तियों को जब्त किया है, जो इस मामले की मुख्य आरोपी रीता तिवारी, गंगोत्री एंटरप्राइजेज, रॉयल एम्पायर मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, कंदर्प कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत हैं। बता दें कि रीता तिवारी पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की पत्नी हैं। ईडी के मुताबिक जब्त संपत्तियां गंगोत्री इंटरप्राइजेज के निदेशकों, प्रमोटर, गारंटर ने आपसी मिलीभगत कर बैंकों द्वारा दी गयी 754 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट लिमिट को धोखाधड़ी करके हड़प लिया था। इनमें विनय शंकर तिवारी, रीता तिवारी, अजीत कुमार पांडेय की मुख्य भूमिका सामने आई। जिसके बाद उनकी तीन शहरों की वाणिज्यिक, आवासीय और कृषि भूमि को जब्त किया गया है। दरअसल, बैंकों की शिकायत पर सीबीआई ने इस मामले का केस दर्ज किया था, जिसके आधार पर ईडी ने भी सीबीआई की एफआईआर में नामजद आरोपियों के खिलाफ मनी लांड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले सात बैंकों के कंसोंटियम से गंगोत्री इंटरप्राइजेज ने 1129.44 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट लिमिट ली थी। बाद में इसे गंगोत्री इंटरप्राइजेज की सहयोगी कंपनियों में डायवर्ट करके निजी संपत्तियों को खरीदा गया। ईडी ने इस मामले में ईडी ने बीती 23 फरवरी को विनय शंकर तिवारी और उनके करीबियों के 10 ठिकानों पर छापा मारा था, जहां बैंकों की रकम से खरीदी गई तमाम संपत्तियों के दस्तावेज बरामद हुए थे। बता दें कि इस मामले में ईडी विनय शंकर तिवारी और उनके करीबियों की करीब 103 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त कर चुका है।

## दो घंटे की आफतः बिना सूचना के सिकंदरा पुल का कर दिया वन-वे, लोग होते रहे परेशान

**आगरा , एजेंसी।** आगरा में बोदला की ओर से आने वाले वाहनों को सोमवार की सुबह सिकंदरा ओवरब्रिज पर चढ़ने से रोक दिया गया। ऐसा अचानक किए जाने से लोगों को इसका पता तब चला जब वे ओवरब्रिज के पास पहुंचे। यातायात पुलिस बैरिकेडिंग लगाए थी। उसने करीब दो घंटे तक एक ही तरफ यातायात चलवाया। इससे लोगों को बहुत परेशानी हुई। लोगों को आवास विकास की गलियों से निकलना पड़ा। लोगों ने आरोप लगाया कि यातायात पुलिस मनमाने प्रयोग कर रही है, इसकी पूर्व सूचना दी जानी चाहिए थी। जबकि यातायात पुलिस का कहना है कि जाम लग जाने की वजह से ऐसा किया गया। सोमवार सुबह बोदला की ओर से ऑफिस और स्कूल के लिए निकले वाहन चालकों को ट्रैफिक पुलिस ने सिकंदरा पुल पर नहीं जाने दिया। बैरिकेडिंग कर वाहनों को पुल पर जाने से रोका गया, जबकि सिकंदरा से बोदला के लिए आवागमन जारी रहा। सिकंदरा चौराहे पर भी जाम लग गया। लोगों को डायवर्ट कर दूसरे रास्तों से निकाला गया। ओवरब्रिज से सेक्टर-16 और करकुंज समेत आवास विकास कॉलोनी की गलियों, सड़कों से होते हुए वाहनों को हाईवे पर गुरुद्वारा पुल से निकलना पड़ा। दो घंटे के प्रयोग के बाद पुलिस ने यातायात पहले की तरह कर दिया।

जो वाहन रोके गए, वो सेक्टर 16 की गलियों से निकले। आवास विकास कॉलोनी में वाहनों का दबाव बढ़ गया। जिन लोगों को केके नगर, होली पब्लिक स्कूल की ओर की कॉलोनियों की ओर जाना था, उन्हें गुरुद्वारा गुरु के ताल जाकर विपरीत दिशा में हाईवे पर चलना पड़ा।

**गुरुद्वारा की ओर नहीं लगाई रेलिंगः** गुरुद्वारा गुरु के ताल के पास हाईवे पर पथौली की महिला की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद से यातायात पुलिस ट्रैफिक सुचारू रखने के प्रयोग कर रही है। एक दिन रात में हाईवे अथॉरिटी ने होटल जोधा की ओर सर्विस लेन और हाईवे के बीच लोहे की रेलिंग लगाकर कट बंद किया। मगर, गुरुद्वारा की ओर रेलिंग लगाकर कट को पूरी तरह बंद नहीं किया गया। इसी कट से अस्पतालों, होली पब्लिक स्कूल की कॉलोनियों के लोग कार और दोपहिया वाहन विपरीत दिशा में ले जाते हैं। सर्विस लेन से गुरुद्वारा से कामायनी मोड़ और केके नगर तक वाहन विपरीत दिशा में हाईवे पर पूरी रफ्तार से दौड़ते हैं।

**खतरे में पड़ रही जानः** गुरुद्वारा गुरु के ताल पर गुरु तेग बहादुर कॉलोनी के सामने का कट बंद करने से डीवीवीएनएल और खंदारी की ओर जाने वाले वाहन पेट्रोल पंप से सर्विस लेन से हाईवे पर पहुंच रहे हैं। इस वजह से सर्विस लेन से वाहन हाईवे पर मुड़ते समय हाईवे की दूसरी लेन पर पहुंच जाते हैं। जबकि यहां मोड़ है, आईएसबीटी से आने वाले तेज रफ्तार वाहन टकराते हुए हर दिन बच रहे हैं। कारगिल शहीद पेट्रोल पंप के सामने से मुड़ने वाले दोपहिया वाहनों को यू-टर्न के लिए किनारे की लेन पर आना पड़ रहा है। जो हाईवे पर बेहद खतरनाक साबित हो रहा है।

## लोकसभा चुनाव 2024: मुलायम सिंह यादव की पोती अदिति की राजनीति में एंट्री की तैयारी, मां डिंपल से सीख रहीं गुर

**मैनपुरी , एजेंसी।** यूं तो सैफई परिवार की तीन पीढ़ियां सियासत की ऊंचाइयां छू चुकी हैं, लेकिन अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव की बेटी अदिति यादव भी राजनीति का ककहरा सीख रही हैं। सोमवार को कुसमरा में आयोजित सम्मेलन में वे कार्यकर्ताओं के बीच नजर आईं। मां डिंपल यादव के हर शब्द को वे गौर से सुनती और समझती रहीं।

सैफई परिवार से मुलायम सिंह यादव ने सियासत में कदम रखा था। इसके बाद भाई शिवपाल सिंह यादव और प्रो.रामगोपाल यादव भी राजनीति में आए। फिर नंबर आया दूसरी पीढ़ी यानी बेटे अखिलेश यादव और भतीजे धर्मेंद्र यादव का। इसके बाद बहू डिंपल यादव भी राजनीति में उतर आईं। तीसरी पीढ़ी के रूप में मुलायम सिंह के पोते तेजप्रताप यादव ने मैनपुरी से 2014 के लोकसभा उप चुनाव में जीत हासिल कर संसद की सीढ़ी चढ़ी। इसके बाद लगभग एक दशक से सैफई परिवार के किसी नए सदस्य ने सियासत में कदम नहीं रखा है। लेकिन अब सैफई परिवार का एक नया सदस्य सियासत का ककहरा सीख रहा है। हम बात कर रहे हैं सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव व सांसद डिंपल यादव की बेटी अदिति यादव की। 22 वर्ष की अदिति सोमवार को कुसमरा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में नजर आईं। वे अपनी मां डिंपल यादव के साथ ही यहां पहुंचीं थीं। यहां मां डिंपल यादव ने जब कार्यकर्ताओं को संबोधित किया तो वह बड़ गौर से एक-एक शब्द सुनती नजर आईं। वहीं कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से वार्ता के दौरान भी अदिति बारीकी से सब कुछ सीखतीं नजर आईं। ऐसे में कहीं न कहीं इसे अदिति की राजनीति में कदम रखने से पहले की तैयारी माना जा रहा है।

**मंच पर नहीं कार्यकर्ताओं के बीच बनाई जगहः** कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचीं अदिति यादव चाहतीं तो मंच पर मां डिंपल यादव के साथ भी बैठ सकती थीं। लेकिन उन्होंने अपनी जगह नीचे कार्यकर्ताओं के बीच बनाई। कुछ महिला कार्यकर्ताओं के बीच वे सादगी से बैठीं नजर आईं। या यूं कहें कि कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर वे उनसे जुड़ने की कोशिश करती नजर आईं। कारण चाहे जो भी हो लेकिन लोगों के बीच अदिति यादव के राजनीति में आने की चर्चाओं ने जोर जरूर पकड़ लिया है।

### फंदे पर लटका मिला 10 साल का बच्चा, बहन-भाई का रो-रोकर बुरा हाल ; चाची ने भी की थी खुदकुशी

**प्रयागराज , एजेंसी।** देवरी बेनी ( डांड़ी का पुरवा) गांव में कक्षा चार में पढ़ने वाले 10 साल के बच्चे का शव घर में फंदे से लटकता मिला। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

**परिवार ने पुलिस को दी सूचना :** शिवलाल प्रजापति ने बताया कि उनका पुत्र प्रीतम उर्फ साजन प्रजापति गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चार का छात्र था। वह मजदूरी करने गए और पत्नी खेत में काम करने गईं थीं। दोपहर लगभग दो बजे जब घर वापस आए तो कमरे की खिड़की से अंदर देखा तो बेटा साड़ी के फंदे में लटक रहा था।

**परिवार को रो-रोकर बुरा हाल :** परिजनों ने घटना की जानकारी शंकरगढ़ पुलिस को दी तो थाना प्रभारी ओम प्रकाश पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। फिर घटनास्थल पर विधि विज्ञान प्रयोगशाला एवं खोजी कुत्ता की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। जांच-पड़ताल कर शव को फंदे से नीचे उतारा गया।

# हादसे के लिए कौन जिम्मेदार?

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक बस के बिजली के तार की चपेट में आ जाने से हुए हादसे से एक बार फिर यही साबित हुआ है कि सरकार की ओर से जारी तमाम आश्वासनों के बावजूद बहुस्तरीय लापरवाही कायम है और उसमें कई बार नाहक ही लोग मारे जाते हैं। विवाह के मौके पर बस में अड़तीस यात्री सवार होकर जा रहे थे कि बस के ऊपर उच्च क्षमता का बिजली का तार गिर गया और बस में आग लग गई। किसी तरह लोगों ने जलती बस से निकलने की कोशिश की, मगर पांच लोग जिंदा जल गए। अब सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई है, मगर अफसोस कि कई बार यह लापरवाही की भरपाई लगती है, क्योंकि संबंधित महकमों को जिस वक्त बिजली के खंभों या तारों के रखरखाव की जिम्मेदारी ईमानदारी से पूरी करनी चाहिए, निर्धारित वक्त पर जांच करते रहना चाहिए था, तब कोताही बरती जाती है। गाजीपुर में हुआ हादसा लापरवाही का नतीजा है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जरूरत है। विडंबना यह है कि जब कोई गंभीर हादसा हो जाता है तब आनन-फानन में मुआवजे की बात होने लगती है, मगर उसके लिए जिम्मेदारी तय करने को लेकर उतनी सजगता नहीं देखी जाती। सवाल है कि सड़क के ऊपर उच्च क्षमता का तार अगर गुजर रहा था तो उसे इस कदर असुरक्षित हालत में कैसे छोड़ा गया था कि वह लोगों के लिए जानलेवा बना? कई बार आम लोग भी सावधानी नहीं बरतते। मगर इंसानी गतिविधियों या आबादी वाले क्षेत्रों में अगर बिजली के खंभे आदि लगाए जाते हैं तो क्या इससे संबंधित कोई नियम-कायदा है कि उनका पूरी तरह दुरुस्त और सुरक्षित होना सुनिश्चित किया जाए? तकनीकी खराबी एक अचानक उपजी स्थिति हो सकती है, लेकिन उसे समय पर दुरुस्त करने को लेकर थोड़ी भी कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं, जब बिजली का तार हादसे की वजह बनता है। यह सुनिश्चित करना जरूरी नहीं समझा जाता कि खासकर उच्च क्षमता के तार इंसानी आबादी या व्यस्त सड़कों के ऊपर से न गुजरें या फिर खतरे की वजह न बनें।

# अति उत्साह में आकर भाजपा कहीं 2004 के चुनावों के दौरान वाली गलती ना कर दे!

(राकेश सैन)

अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था।

एक कहानी है, देवराज इन्द्र के गजराज अक्सर गन्ने खाने के लिए पृथ्वीलोक पर एक खेत में आते थे। उस खेत का मालिक बहुत परेशान था, क्योंकि फसल का नुकसान तो होता परन्तु उसे चोर के कहीं पदचिन्ह नहीं मिलते। एक रात गुस्साया किसान चोर को पकड़ने के लिए खेत में छिप कर बैठ गया, जब गजराज धरती पर उतरे तो किसान ने उस एरावत की पूंछ पकड़ ली। गजराज घबरा गए और जान बचाने के लिए तुरन्त इन्द्रलोक की ओर उड़ लिए और उसके साथ-साथ किसान भी पूंछ पकड़े उड़ चला। गजराज को चिन्ता हो गई कि जीवित व्यक्ति स्वर्गलोक पहुंचा तो सारी मर्यादा भंग हो जाएगी, तो उसने अपनी पूंछ मुक्त करवाने के लिए खूब मेहनत की। गजराज उड़ते-उड़ते कभी उल्टा-पुल्टा हुए तो कभी शरीर को झटकाया, लेकिन ज्यों-ज्यों झटके लगे किसान की पकड़ त्यों-त्यों मजबूत होती जाए। अब गजराज ने युक्ति से काम लिया और रणनीति बदली। उसने किसान से बातचीत करनी शुरू कर दी। एरावत ने पूछ लिया कि तुम इतने मीठे गन्ने उगाते कैसे हो? अपनी बड़ाई सुन फूल कर कुप्पा हुए किसान ने सारी तकनीक बता दी। बातचीत करते-करते दोनों में मित्रता हो गई। मौका देख कर एरावत ने कहा, आज तक जितने गन्ने मैंने तुम्हारे खेत के खाए हैं चलो मैं महाराज इन्द्रदेव से बोल कर उतना सोना तुम्हें पुरस्कार में दिलवा देता हूं। सोने का नाम सुनते ही किसान इतना खुश हुआ कि ताली बजाने लगा, उसने जैसे ही ताली बजाने के लिए हाथ खोले तो धड़ाम से धरती पर आ गिरा और गजराज महोदय स्वर्गलोक को प्रस्थान कर गए। जो किसान हाथी के साथ संघर्ष के समय विकट परिस्थितियों में भी उसकी पूंछ पकड़े रहा वह अनुकूल परिस्थिति होते ही धड़ाम से धरती पर आ गिरा। प्रतिकूल परिस्थितियों के खतरे तो सर्वज्ञात हैं परन्तु कहानी बताती है कि अनुकूल हालात भी खतरे से खाली नहीं होते, प्रतिकूल हालातों में इंसान संघर्ष करता है परन्तु महौल बदलेत ही अक्सर असावधान हो जाता है और यहीं चूक कर जाता है।

देश में लोकसभा चुनावों का शंखनाद हो चुका है। आज परिस्थितियां सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन के पक्ष में बताई जा रही हैं। वर्तमान में द्रुत गति से हो रहा विकास, कुलांचे भरती अर्थव्यवस्था, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को लक्ष्य बना अग्रसर हो रहा भारत व विदेशी कूटनीतिक मोर्चों पर देश को मिलती सफलता या बात करें सांस्कृतिक उत्थान और साम्प्रदायिक सौहार्द की, तो थोड़ी बहुत नुक्ताचीनी के बाद कमोबेश हर विरोधी भी मान रहा है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल अच्छा रहा है। इन परिस्थितियों से ही तो उत्साहित हो कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार चार सौ पार का उत्साही नारा दिया है, सत्ताधारियों की दृष्टि से हर कहीं बम-बम है, बस यहीं से शुरू हो सकता है अनुकूल परिस्थिति के खतरे पैदा होने का क्रम। अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था, अर्थव्यवस्था व विकास तब भी मृगझुण्डों के साथ चुंगियां भरने की स्पर्धा कर रहे थे परन्तु पार्टी की दृष्टि से परिणाम निराशाजनक रहे। छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्षा सोनिया गान्धी ने राजग को ऐसी पटकनी दी कि अगले दस साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में रही।

माना कि इस तरह की चेतावनी पहली बार नहीं दी जा रही और भाजपा नेतृत्व इस प्रकरण से कुछ सीखा नहीं होगा परन्तु इसके बावजूद भी पार्टी को संघर्ष के मार्ग को हर हालत में पकड़ कर रखना होगा। वैसे भी मोदी-शाह की जुगलबन्दी और अटल-आडवाणी की जोड़ी की कार्यप्रणाली में गांधी जी व सरदार पटेल जैसी भिन्नता सर्वज्ञात है और विपक्ष की डांवाडोल हालत में 2004 दोहराया जाना फिलहाल सम्भव नहीं लगता परन्तु भाजपा को अपनी संघर्षमयी कार्यप्रणाली को बनाए रखना होगा।

देश में केवल भाजपा व वामदलों को ही कार्यकर्ता आधारित दल होने का श्रेय प्राप्त है। कार्यकर्ता के गुणों की पहचान, कार्यकर्ता निर्माण, उसे रुचि व क्षमता अनुसार काम और पूरा सम्मान व इसके साथ जनता से निरन्तर सम्पर्क भारतीय जनता पार्टी की प्रमाणिक कार्यप्रणाली मानी जाती है।

# भाजपा में टिकट हासिल करने के लिए क्या करना होता है? किस आधार पर केंद्रीय चुनाव समिति नामों को मंजूरी देती है?

**लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा अबकी बार 400 पार का नारा लगा रही है। यह नारा हकीकत बनता है या नहीं यह तो चुनाव परिणाम बाद ही पता चलेगा लेकिन इतना तो है कि चुनावी तैयारियों के लिहाज से भाजपा इस समय अन्य दलों से काफी आगे नजर आ रही है। आम चुनावों की तारीखों की घोषणा से पहले भाजपा अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर चुकी है। इस दौरान देखने को मिला कि सिर्फ मीडिया ही नहीं बल्कि जनता भी भाजपा उम्मीदवारों की सूची में शामिल नामों को जानने के लिए उत्सुक थी। ऐसा प्रतीत हुआ कि भाजपा की उम्मीदवारी हासिल करना ही जीत की गारंटी है। शायद इसी गारंटी के लालच में ही चुनावों से पहले कई नेताओं ने दल बदल कर भाजपा का दामन थाम लिया तो कई ऐसे नेता भाजपा में लौट आये जोकि कुछ समय पहले कहीं और चले गये थे।**

(नीरज कुमार दुबे)

भाजपा आखिर किस आधार पर किसी को पार्टी का उम्मीदवार बनाती है। सबसे पहले तो आपको यह समझना होगा कि भाजपा चुनावों से ठीक पहले या चुनावों की घोषणा के बाद ही उम्मीदवारों की तलाश शुरू नहीं करती है बल्कि उसकी यह प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है।

लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा अबकी बार 400 पार का नारा लगा रही है। यह नारा हकीकत बनता है या नहीं यह तो चुनाव परिणाम बाद ही पता चलेगा लेकिन इतना तो है कि चुनावी तैयारियों के लिहाज से भाजपा इस समय अन्य दलों से काफी आगे नजर आ रही है। आम चुनावों की तारीखों की घोषणा से पहले भाजपा अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर चुकी है। इस दौरान देखने को मिला कि सिर्फ मीडिया ही नहीं बल्कि जनता भी भाजपा उम्मीदवारों की सूची में शामिल नामों को जानने के लिए उत्सुक थी। ऐसा प्रतीत हुआ कि भाजपा की उम्मीदवारी हासिल करना ही जीत की गारंटी है। शायद इसी गारंटी के लालच में ही चुनावों से पहले कई नेताओं ने दल बदल कर भाजपा का दामन थाम लिया तो कई ऐसे नेता भाजपा में लौट आये जोकि कुछ समय पहले कहीं और चले गये थे।

चुनावों से पहले जिस तरह भाजपा से लोकसभा चुनाव का टिकट हासिल करने के लिए होड़ दिखी वह अभूतपूर्व थी। हमने भाजपा के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में कई ऐसे लोगों को भी पाया जोकि भाजपा से जुड़े हुए नहीं थे लेकिन वहां इसलिए आ गये थे ताकि पार्टी नेताओं को देश के लिए काम करने के अपने विजन के बारे में बता कर उम्मीदवारी हासिल कर सकें। इन लोगों का विश्वास था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में भाजपा का टिकट हासिल करने के लिए वरिष्ठ नेताओं की परिक्रमा करनी जरूरी नहीं है और अब सिर्फ योग्यता के आधार पर ही किसी को उम्मीदवार बनाया जाता है। देखा जाये तो यह लोग कुछ हद तक सही भी थे लेकिन भाजपा के काम करने के तरीके से अनजान थे इसलिए जब वह सीधे लोकसभा चुनाव का टिकट मांग रहे थे तो वहां खड़े लोग मुस्कुरा रहे थे।

इसलिए आइये आपको समझाते हैं कि भाजपा आखिर किस आधार पर किसी को पार्टी का उम्मीदवार बनाती है। सबसे पहले तो आपको यह समझना होगा कि भाजपा चुनावों से ठीक पहले या चुनावों की घोषणा के बाद ही उम्मीदवारों की तलाश शुरू नहीं करती है बल्कि उसकी यह प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है। मसलन जैसे अभी लोकसभा चुनाव होने हैं तो उसके लिए उम्मीदवारों के नामों पर मंथन डेढ़ साल से चल रहा है। अभी भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की जो दो बैठकें हुई हैं उनमें सिर्फ उन नामों पर मुहर लगाने का काम हुआ है जोकि पार्टी की विभिन्न समितियों ने केंद्रीय चुनाव समिति को तमाम तरह की रिपोर्टों के साथ संलग्न करके भेजे थे।

सूत्रों के हवाले से जानते हैं कि जब भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होती है तो उसमें क्या होता है। उदाहरण के लिए लोकसभा चुनावों की ही बात करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति वाली बैठक में पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्यों को सबसे पहले यह बताते हैं कि आज किन राज्यों की सीटों पर चर्चा होनी है। इसके बाद उस राज्य से भाजपा मुख्यालय में पहले से आकर बैठे हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या विधायक दल का नेता, राज्य के पार्टी प्रभारी और यदि किसी केंद्रीय मंत्री के पास उस राज्य का प्रभार है तो उनको भी बैठक में बुला लिया जाता है। मान लीजिये कि उस राज्य में 25 सीटें हैं। सबसे पहले उन सीटों पर चर्चा की जाती है जहां किसी को फिर से मौका देना है। प्रदेश अध्यक्ष एक-एक कर सीट का नाम बोलते हैं और बैठक कक्ष में मौजूद बड़ी स्क्रीन पर उस सीट के दावेदारों का परिचय फोटो के साथ एक-एक करके आता रहता है। सभी दावेदारों के आगे विभिन्न सर्वेक्षणों की रिपोर्ट के अलावा यह भी लिखा होता है कि उन्होंने पार्टी के कार्यों में कितनी रुचि दिखाई, विवादों में कितना घिरे रहे, संसदीय कार्यों में कितनी रुचि ली, संसद में कितनी उपस्थिति रही, सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुँचाने के अभियान में क्या योगदान दिया, स्थानीय स्तर पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कैसा व्यवहार रहा, संसदीय क्षेत्र में जो वादे किये थे उन्हें कितना पूरा किया। इसके अलावा उस क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों से संबंधित ग्राफ के अलावा उस सीट पर विपक्ष की ओर से खड़ी की जाने वाली चुनौतियों पर चर्चा की जाती है। राज्य के नेता एक-एक करके हर दावेदार के नाम के गुण और दोष बताते हैं। उसके बाद भाजपा संगठन के राष्ट्रीय महासचिव उन एजेंसियों की सर्वेक्षण रिपोर्ट दिखाते हैं जो भाजपा ने उस क्षेत्र के संभावित प्रत्याशियों को लेकर करवायी होती है। वह यह भी बताते हैं आरएसएस और उसके आनुषांगिक संगठनों की ओर से उस क्षेत्र के प्रत्याशी के लिए क्या फीडबैक मिला है। इसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य उन नामों पर अपनी राय रखते हैं और जो नाम तय होते जाते हैं उन्हें केंद्रीय चुनाव समिति के सचिव अलग से नोट करते रहते हैं। जिन नामों पर केंद्रीय चुनाव समिति का कोई सदस्य या खुद प्रधानमंत्री उस पर आपत्ति जता दें तो फिर पार्टी की प्रदेश इकाई को उस सीट के लिए और नाम सुझाने के लिए कहा जाता है। कई बार ऐसा भी होता है कि नामों पर चर्चा करने के लिए आई प्रदेश इकाई टीम को कह दिया जाता है कि किसी भी निवर्तमान सांसद या पहले लड़ चुके उम्मीदवार को इस बार मौका नहीं दिया जायेगा इसलिए सभी नाम नये होने चाहिए।

इसी तरह एक के बाद एक अलग राज्यों के नेताओं को बुला कर चर्चा की जाती है। मान लीजिये कि एक दिन में चार राज्यों पर चर्चा हुई तो उन चार राज्यों की जिन सीटों के लिए नाम तय हो गये हैं उसे जारी करने से पहले एक बार फिर से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिखाया जाता है और फिर मीडिया को नाम जारी कर दिये जाते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि पार्टी की राज्यों की चुनाव समिति केंद्रीय चुनाव समिति में नाम भेजने से पहले सभी दावेदारों की सूची बनाती है। इस सूची में वह नाम तो होते ही हैं जो दावेदारों ने खुद आवेदन करके दिये होते हैं साथ ही इसमें वह नाम भी होते हैं जो भाजपा की स्थानीय इकाई, संघ और उसके आनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों की ओर से भेजे गये होते हैं। इसके अलावा राज्यों में भाजपा के संगठन महासचिव या पूर्णकालिक कार्यकर्ता हमेशा इस बात की खोज करते रहते हैं कि समाज जीवन के जिस भी क्षेत्र में कोई व्यक्ति उल्लेखनीय कार्य कर रहा हो उसे कैसे पार्टी से जोड़ा जाये और समय आने पर उसे चुनाव लड़ने का अवसर भी दिया जाये, ऐसे में यदि वह कोई नाम सुझाते हैं तो उसे भी इस सूची में शामिल किया जाता है। इसलिए आपको भाजपा की सूची में कई बार विभिन्न क्षेत्रों के ऐसे प्रोफेशनल्स का नाम भी देखने को मिल जाता है जिन्होंने कभी टिकट के लिए आवेदन ही नहीं किया था। किसी राज्य के उम्मीदवारों को तय करते हुए यह भी ध्यान दिया जाता है कि वहां की सूची में अनुभवी नेताओं, युवाओं, महिलाओं, पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ ही समाज के सभी वर्गों को पर्याप्त भागीदारी मिले।

भाजपा के टिकट के लिए एक और जरूरी बात यह है कि व्यक्ति पार्टी का सक्रिय सदस्य होना चाहिए। पार्टी की सामान्य सदस्यता तो सभी को मिल जाती है लेकिन सक्रिय सदस्यता हासिल करने के लिए कुछ अनिवार्यताएं हैं जिन्हें पूरा करना होता है। लेकिन अक्सर उन लोगों को इन अनिवार्यताओं से छूट मिल जाती है जो बड़े नेता होते हैं और दल बदल कर भाजपा में आते ही टिकट हासिल कर लेते हैं। ऐसे नेताओं को अक्सर आपने देखा होगा कि वह सामान्य सदस्यता वाली पर्ची मीडिया को दिखाते हुए खुद के भाजपा में शामिल होने की घोषणा करते हैं और अगले ही दिन या कुछ ही घंटों में उम्मीदवारी भी हासिल कर लेते हैं।

बहरहाल, भाजपा का टिकट हासिल करने की जो प्रक्रिया लोकसभा चुनाव में है वही विधानसभा और अन्य चुनावों में भी होती है। लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा और विधान परिषद के उम्मीदवारों को मंजूरी पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति देती है और नगर निगमों, नगर पालिकाओं और पंचायतों के उम्मीदवारों के नामों को उस प्रदेश की चुनाव समिति मंजूरी देती है। भाजपा की उम्मीदवारी हासिल करने में परिवारवाद, नेताओं की परिक्रमा और धन बल की योग्यता आजकल मायने नहीं रखती लेकिन उम्मीदवार का मेहनती और भाग्यशाली होना भी जरूरी है।

# सीएए पर भ्रम फैलाने की राजनीति करने में क्यों जुटा हुआ है विपक्ष?

**भारत में नागरिकता संशोधन अधिनियम के लागू होने के बाद एक बार फिर से राजनीतिक गुणा भाग का खेल प्रारंभ हो गया है। तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस मामले में पूर्व नियोजित राजनीति ही कर रहे हैं। जबकि केंद्र सरकार की ओर से बार बार यह स्पष्ट किया जा रहा है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम नागरिकता देने वाला है, यह किसी की नागरिकता को समाप्त नहीं करेगा। इसके विपरीत केंद्र सरकार के प्रत्येक कदम का विरोध करने वाले राजनीतिक दल इसे भारतीय मुसलमानों के विरोध में उठाया गया कदम बताने का भ्रम पैदा करने वाला रवैया बता रहे हैं।**

(सुरेश हिंदुस्तानी)

नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत यह भी स्पष्ट है कि इसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रताड़ित अल्पसंख्यक समाज को ही भारत की नागरिकता देने का प्रावधान किया है, इसके विपरीत इन देशों में मुसलमान बहुसंख्यक हैं।

भारत में नागरिकता संशोधन अधिनियम के लागू होने के बाद एक बार फिर से राजनीतिक गुणा भाग का खेल प्रारंभ हो गया है। तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस मामले में पूर्व नियोजित राजनीति ही कर रहे हैं। जबकि केंद्र सरकार की ओर से बार बार यह स्पष्ट किया जा रहा है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम नागरिकता देने वाला है, यह किसी की नागरिकता को समाप्त नहीं करेगा। इसके विपरीत केंद्र सरकार के प्रत्येक कदम का विरोध करने वाले राजनीतिक दल इसे भारतीय मुसलमानों के विरोध में उठाया गया कदम बताने का भ्रम पैदा करने वाला रवैया बता रहे हैं। यहां एक बात यह भी स्पष्ट करने वाली है कि इस अधिनियम में भारत के मुसलमान कहीं हैं ही नहीं, फिर क्यों इस अधिनियम में मनमाफिक निहितार्थ तलाश करने की राजनीति की जा रही है? क्या इस प्रकार की राजनीति देश को मजबूत बना सकती है, यकीनन नहीं। क्योंकि जिस देश में कुतर्क की राजनीति की जाती है, वहां भ्रम का वातावरण ही निर्मित होगा। देश के राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह स्वच्छ और रचनात्मक राजनीति करके देश को शक्तिशाली बनाने का प्रयास करें। जहां तक भारतीय जनता पार्टी की बात है तो वह अपने एजेंडे से अलग कुछ भी नहीं कर रही है, नागरिकता का मुद्दा उसके लिए पहले से ही प्राथमिकता में रहा है। इतना ही नहीं अभी तक भाजपा नीत केंद्र सरकार ने जो निर्णय लिए हैं, उन सभी को लेकर ही वह जनता के पास गई और भाजपा को ऐसा करने के लिए ही समर्थन मिला।

नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत यह भी स्पष्ट है कि इसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रताड़ित अल्पसंख्यक समाज को ही भारत की नागरिकता देने का प्रावधान किया है, इसके विपरीत इन देशों में मुसलमान बहुसंख्यक हैं। वे हिन्दू सहित अन्य गैर मुस्लिमों को प्रताड़ित करते रहते हैं। इसी प्रताड़ना के कारण ही वे अपने देश को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इन प्रताड़ित लोगों के लिए किसी भी मुस्लिम देश में शरण नहीं मिलती। इसी कारण से भारत सरकार ने यह कदम उठाया है। जबकि इन देशों में मुस्लिमों को प्रताड़ित नहीं किया जाता। इसके विपरीत भारत में तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले नेता इसका गलत अर्थ निकालकर भारतीय मुसलमानों को भ्रमित करने की राजनीति कर रहे हैं। जबकि इस बात को यह भी भली भांति जानते हैं कि इस कानून से भारत के मुसलमानों को कोई नुकसान होने वाला ही नहीं है। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि दुनिया में मुसलमानों को शरण देने वाले कई देश हैं, जबकि प्रताड़ित समाज को शरण देने के कोई भी मुस्लिम देश तैयार नहीं। इसलिए भारत सरकार का यह निर्णय प्रथम दृष्टया उचित ही है।

वर्तमान में शरणार्थी और घुसपैठियों का अंतर समझने की बहुत आवश्यकता है। शरण वही मांगता है जो मजबूर हो गया हो और घुसपैठ करने वाला व्यक्ति एक उद्देश्य को लेकर चलता है। आज देश के लगभग आठ राज्य ऐसे हैं जहां घुसपैठ करने वाले नागरिक भारत में रह रहे हैं। इतना ही नहीं इनको भारत में राजनीतिक संरक्षण भी आसानी से मिल जाता है। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी खुलकर घुसपैठियों के समर्थन में खड़ी होती दिखाई देती हैं। यह केवल वोट की खातिर ही किया जा रहा है और यही तुष्टीकरण की पराकाष्ठा है। लेकिन सवाल यह आता है कि जब ये घुसपैठ करने वाले व्यक्ति अपने देश के प्रति वफादार नहीं हुए तो भारत के वफादार कैसे हो सकते हैं? इसलिए शरणार्थियों के लिए तो जगह हो सकती है, लेकिन घुसपैठियों को पनाह देना बहुत बड़े खतरे को आमंत्रण देने के समान ही कहा जाएगा।

वास्तविकता यह है ऐसे मामलों में राजनीति नहीं की जानी चाहिए। भाजपा सरकार की नीतियों का विरोध होना चाहिए, यह लोकतंत्र के लिए आवश्यक है, लेकिन यह विरोध देश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। आज यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हो रहा है कि विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता प्राप्त करने के लिए देश की जनता के सामने भ्रम की स्थिति पैदा करने का प्रयास करने लगे हैं। मोदी का विरोध करते करते जाने अनजाने में देश का विरोध करने लगते हैं। एक समय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे आचार्य प्रमोद कृष्णम ने यह स्पष्ट तौर पर अभिव्यक्त किया कि कांग्रेस के नेता हिंदुओं से नफरत करते हैं, सनातन का विरोध करते हैं। कांग्रेस को आचार्य प्रमोद कृष्णम की बात पर मंथन करना चाहिए था, लेकिन मंथन करना तो दूर उनको पार्टी से बाहर कर दिया। इसी प्रकार विपक्ष के अन्य राजनीतिक दलों के नेता भी गाहे बगाहे सनातन के विरोध में अप्रिय बयान देते रहे हैं। यह भी एक प्रकार से तुष्टिकरण की राजनीति ही कही जाएगी। ऐसी राजनीति भारत को भारत से अलग करने वाली है। यहां यह भी समझना बहुत जरूरी है कि सनातन धर्म के बारे में गलत और विवादित बयान देने वालों के विरोध में कांग्रेस सहित अन्य दलों ने कोई बयान नहीं दिया। यह एक प्रकार से उनको समर्थन देना ही कहा जाएगा।

भारत की राजनीति के लिए यह कोई नई बात नहीं है कि सरकार के निर्णय का बिना किसी नीति या सिद्धांत के विरोध किया जाए। ऐसा पहले भी होता रहा है। हम जानते हैं कि राफेल मामले में भी ऐसा ही विरोध हुआ और इस मामले में अयोध्या के राम मंदिर निर्माण को भी लिया जा सकता है, लेकिन विपक्ष के राजनीतिज्ञ संभवतः यह भूल जाते हैं कि भारत की जनता चाहती क्या है? हम यह भी जानते हैं कि भारत की जनता राम से सीधा जुड़ाव रखती है। इसलिए यह कहा जा सकता है विपक्ष जनता के मनोभाव को समझने में अभी तक असफल ही रहा है। इसी प्रकार सीएए का मामला भी है। विपक्ष का यह कहना किसी भी प्रकार से न्याय संगत नहीं कहा जा सकता कि यह मुसलमानों के विरोध में है। इसके प्रावधान के तहत ऐसा कहीं भी नहीं लिखा है कि किसी को नागरिकता नहीं दी जाएगी या किसी की नागरिकता छीनी जाएगी। जो बातें की जा रही हैं, वे केवल राजनीति के अलावा और कुछ नहीं। हां, इस कानून के तहत विदेशी मुसलमानों को नागरिकता नहीं दिए जाने की परिकल्पना निहित है, परंतु इसमें भारतीय मुसलमान का कहीं कोई परिलक्षण नहीं है। इसलिए विपक्ष केवल भ्रमित करने की ही राजनीति कर रहा है। ऐसी राजनीति से बचना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

# क्या होता है लीप ईयर, क्यों हर चार साल पर आता है?

29 फरवरी। अब यह तारीख चार साल बाद आएगी। साल 2024 में फरवरी का महीना 28 दिन की जगह 29 दिन है। सामान्य तौर पर इसे लीप ईयर कहा जाता है। हर चार साल बाद लीप वर्ष आता है। लीप ईयर उन लोगों के लिए बेहद खास होता है, जिनका जन्म 29 फरवरी को हुआ होता है, क्योंकि उनका जन्मदिन हर चार साल में एक बार आता है।

## जानिए क्या होता है लीप ईयर?

लीप ईयर होने की वजह के पीछे एक खगोलीय घटना को माना जाता है। हम सभी को पता है कि धरती अपनी धुरी पर सूर्य के चारों ओर घूमती है। 365 दिन और 6 घंटे में धरती एक बार परिक्रमा करती है। हालांकि 6 घंटे दर्ज नहीं होते हैं। इसकी वजह से हर 4 साल में इन 6-6 घंटे की अवधि को जोड़ दिया जाता है, जिससे 24 घंटे का एक पूरा दिन होता है। इसकी वजह से हर चार साल में फरवरी महीने में एक दिन बढ़ जाता है और वह साल 366 दिन का हो जाता है। यही कारण है कि हर साल बाद फरवरी का महीना 29 दिन का होता है और उस साल को लीप ईयर कहते हैं।

## फरवरी में क्यों होता है लीप ईयर?

अब सवाल है कि आखिर अधिक दिन फरवरी में ही क्यों आता है। दूसरे किसी महीने में इस दिन को क्यों नहीं जोड़ा गया। दरअसल, पहले जूलियन कैलेंडर जो रोमन सौर कैलेंडर है, उसके मुताबिक, साल का पहला महीना मार्च और आखिरी महीना फरवरी होता था। इसकी वजह से फरवरी महीने में लीप ईयर को जोड़ा गया। इसके बाद जूलियन कैलेंडर की जगह जब ग्रेगोरियन कैलेंडर की शुरुआत हुई, तो पहला महीना जनवरी हो गया और फरवरी दूसरा। इसके बाद भी फरवरी में ही अधिक दिन को जोड़ा गया। इसके पीछे वजह यह भी थी कि फरवरी का महीना पहले से ही सबसे छोटा होता है।

## कैसे पता चलता है कि लीप ईयर है?

अभी भी बहुत से लोग लीप ईयर की गणना नहीं कर पाते हैं। आसान शब्दों में समझ सकते हैं. जिस साल को 4 से भाग करने पर शेष जीरो आ जाए, वो लीप ईयर होगा। उदाहरण के लिए समझे तो साल 2000 लीप ईयर था और 1900 लीप ईयर की श्रेणी में नहीं था, क्योंकि उसे 4 से भाग करने पर शेष जीरो नहीं बचता है। अगर साल 2024 को चार से भाग करें, तो इसका शेष जीरो आएगा। इसकी वजह से यह साल लीप ईयर है। इस क्रम में साल 2024 के बाद 2028, 2032 और 2036 लीप ईयर की श्रेणी में आएंगे।

# शिल्पकार का नाम पर है तेलंगाना का 800 साल पुराना रामप्पा मंदिर

**तेलंगाना का रामप्पा मंदिर जिसे रामलिंगेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। इस प्राचीन मंदिर की खूबसूरती ऐसी है कि जो भी इसे देखता है अचंभित जरूर होता है। 800 साल पुराने इस शिव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। मंदिर को सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि खूबसूरत शिल्प के चलते भी जाना जाता है।**

तेलंगाना का एक मंदिर अपनी बनावट और नाम के चलते भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता रहता है। इस मंदिर में आने के लिए भक्त मानिए कि इंतजार करते हैं। ये है रामप्पा मंदिर जिसे रामलिंगेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। इस प्राचीन मंदिर की खूबसूरती ऐसी है कि जो भी इसे देखता है अचंभित जरूर होता है। 800 साल पुराने इस शिव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। मंदिर को सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि खूबसूरत शिल्प के चलते भी जाना जाता है। इसके आर्किटेक्चर के बारे में जानना भी काफी रोचक है।

## बनाने वाले का मिला नाम

रामलिंगेश्वर मंदिर को आम लोगों के बीच रामप्पा मंदिर भी कहा जाता है, इसके पीछे एक अनोखी बात है। दरअसल इस मंदिर को बनाने वाले शिल्पकार का नाम रामप्पा था। बाद में यही नाम मंदिर का भी रख दिया गया। ऐसा राजा के कहने पर किया गया था। वो मंदिर के शिल्प से इतने खुश हुए थे कि उनसे ऐसा किए बिना रह ही नहीं गया। उन्होंने मंदिर को शिल्पकर का ही नाम दे दिया था।

## 40 साल का समय

इस मंदिर को बनने में बहुत लंबा समय लगा था। पूरे 40 साल के बाद इस मंदिर का निर्माण पूरा हो पाया था। लेकिन मंदिर की सुंदरता देखकर ये समय भी कम ही लगता है। ये मंदिर भगवान शिव का है लेकिन यहां नंदी की मूर्ति भी है, जो मंदिर की ओर मुंह किए हुए है।

## काकतिया वंश के राजा

इस रामलिंगेश्वर मंदिर को काकतिया वंश के राजा ने बनवाया था। और इसका ख्याल उन्हें किसी खास घटना की वजह से नहीं आया था बल्कि 2013 ईसवीं में आंध्र प्रदेश में महाराजा गणपती देव को बस एक दिन यूंहीं ऐसे एक शिव मंदिर के निर्माण का ख्याल आया था। फिर उन्होंने इस काम का जिम्मा शिल्पकार रामप्पा को दिया था। ऐसा करते समय राजा ने सिर्फ एक ही बात बोली थी कि ये एक ऐसा मंदिर होना चाहिए, जो सालों तक टिका रहे, इसमें कोई दिक्कत ना आए।

मार्को पोलो ने माना चमकीला तारा

13वीं सदी में खोजकर्ता मार्को पोलो भारत आए थे। तब वो इस मंदिर को देखकर इतने खुश हुए थे कि इसको मंदिरों की आकाशगंगा में सबसे चमकीला तारा माना था।

## 800 साल बाद भी मजबूत

वरंगल से 67 किलोमीटर दूर बना ये मंदिर अब से करीब 800 साल पहले बनवाया गया था लेकिन ये जरा सा भी टूटा नहीं हैं। ये तब है जब इसी अवधि में बने कई दूसरे मंदिर अपनी रौनक खो चुके हैं। अब ऐसे में कई लोगों ने इसकी वजह जानने की कोशिश की। पालमपेट गांव स्थित इस मंदिर के पास पहुंच कई जांच करने के बाद भी इसकी मजबूती के पीछे का रहस्य कोई नहीं लगा पाया।

## पानी में तैरने वाला पत्थर

पुरातत्व विभाग ने मंदिर की गहन जांच की तो एक बेहद चौकाने वाली बात सामने आ। इस मंदिर में लगे पत्थरों की जांच में पाया गया कि ये पत्थर पानी में तैर सकते हैं। जबकि ज्यादातर प्राचीन मंदिर भारी पत्थरों से बनाए गए और बाद में उन्हें जीर्णोद्धार की जरूरत भी पड़ी। मगर इस मंदिर में सभी हल्के पत्थरों का इस्तेमाल हुआ था और यही वजह रही कि मंदिर को कभी कोई हानि हुई ही नहीं।

## हल्के पत्थर कहां कहां

पूरी दुनिया में सिर्फ रामसेतू के पत्थर ही ऐसे हैं जो पानी में तैर सकते हैं। अब रामलिंगेश्वर मंदिर को बनाते समय ये हल्के पत्थर कहां से आए ये एक सवाल है। माना ये भी जा रहा है कि शिल्पकार रामप्पा ने ये हल्के पत्थर खुद बनाए थे।

## झील की रौनक

मंदिर के पास एक सुंदर झील है, जिसके किनारे पर्यटन विभाग की ओर से बने कॉटेज यात्रियों को आराम देने का कम करते हैं। यहां विभाग की ओर से बने रेस्ट्रा भी हैं।

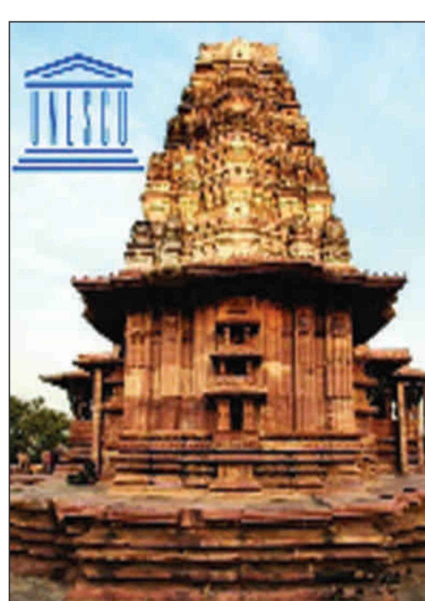

# हजारों फीट ऊंचाई पर मिले वायरस, भारत समेत इन देशों पर मंडराया खतरा!

ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पूरी दुनिया में गर्मी बढ़ रही है, जिसकी वजह से ग्लेशियर पिघल रह रहे हैं। तिब्बत में स्थित ग्लेशियर भी तेजी से पिघल रहे हैं। यहां पर 15 हजार साल पुराना वायरस मिला है, जो भारत, चीन और म्यांमार के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। इन प्राचीन वायरस के संक्रमण का कोई इलाज नहीं है। पूरी दुनिया में पर्माफॉस्ट पिघलने से प्राचीन जीव, वायरस, बैक्टीरिया जैसी चीजें बाहर आ रही हैं। ग्लेशियरों और पर्माफॉस्ट के पिघलने की वजह से वूली राइनो से लेकर 40 हजार साल पुराने विशालकाय भेड़िये और 7.50 लाख साल पुराने बैक्टीरिया के निकलने की जानकारी मिली है। इनमें से कई मरे नहीं है। वैज्ञानिकों ने सदियों पुराने मॉस में लैब के अंदर वापस जीवन डाला है। यह बेहद छोटे हैं और 42 हजार साल पुराने राउडवॉर्म हैं। वैज्ञानिकों ने हाल ही में तिब्बत के पठारों पर स्थित गुलिया आइस कैप के पास 15 हजार साल पुराना वायरस खोजा है। यह कई प्रजातियों के हैं, जिनकीं संख्या दर्जनों में है। ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के माइक्रोबायोलॉजिस्ट झी-पिंग झॉन्ग ने यह इंसानों के लिए किसी भी वक्त खतरा पैदा कर सकते हैं।

28 वायरस के बारे में किसी को नहीं है जानकारी

चीन में समुद्री सतह से 22 हजार फीट की ऊंचाई पर तिब्बत के पिघलते ग्लेशियर के नीचे यह वायरस मिले हैं। वैज्ञानिकों ने 33 वायरस की खोज की है, जिनमें 28 के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। यह पहले कभी नहीं देखे गए हैं और इनके संक्रमण का कोई इलाज नहीं हो सकता है। ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के दूसरे वैज्ञानिक मैथ्यू सुलिवन ने बताया कि इन वायरसों ने अपना जीवन चरम स्थितियों में बिताई है। अब यह किसी भी तरह के तापमान या मौसम को झेल सकते हैं। मैथ्यू ने बताया कि इनके जीन्स का अध्ययन किया गया है जिससे पता है कि इनके लिए किसी भी तरह का चरम मौसम सामान्य है। इससे पहले तिब्बत के ग्लेशियर में बैक्टीरिया के मिलने की जानकारी मिली थी। यह इतनी तेजी से हो रहा है जिसकी वजह से इंसानों के सामने कठिन भविष्य का संकट खड़ा है। इंसानों को मौसम ही नहीं बल्कि इस तरह के खतरों से जूझना पड़ेगा। बीते साल तिब्बत के ग्लेशियरों में बैक्टीरिया की 1000 नई प्रजातियां खोजी गई थीं। इनमें से सैकड़ों के बारे में वैज्ञानिक कुछ नहीं जानते हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से यह ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। यह पिघलते हैं, तो इनका पानी बैक्टीरिया के साथ चीन और भारत की नदियों में मिलेगा। इस पानी को पीकर लोग नई बीमारियों से संक्रमित हो सकते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंस के वैज्ञानिकों द्वारा तिब्बती पठारों पर मौजूद 21 ग्लेशियरों का सैंपल जमा किया गया था। यह सैंपल 2016 से 2020 के बीच लिए गए थे, जिनमें 968 प्रजातियों के बैक्टीरिया मिले। इनमें 82 फीसदी बैक्टीरिया एकदम नए हैं। इनके बारे में दुनियाभर के वैज्ञानिकों को कोई जानकारी नहीं है।

**प्रकृति की शानदार कलाकारी का नमूना ही तो है ये अनोखा फूल मंकी ऑर्किड। इक्वाडोर, कोलंबिया और पेरू जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में यह फूल पाया जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम ड्रेकुला सिमिआ है। ये फूल समुद्रतल से लगभग हजार से दो हजार मीटर पर पाए जाते हैं। इसकी खुशबू नारंगी के फल की तरह होती है। छोटे बंदर का मुस्कुराता हुआ चेहरा दिखता है और लगता है जैसे सिर पर अनोखी टोपी इसने लगा रखी है।**

# प्रकृति की शानदार कलाकारी का नमूना है ड्रेकुला सिमिआ

दुनिया में कितने तरह के फूल और फल हैं। आपने मैसूर के किले में साल में एक बार खिलने वाले फूल के बारे में तो सुना और देखा ही होगा, हिमालय की वादियों में वे फल भी बेहद रहस्यमयी और आकर्षण का केंद्र होते हैं जिनका आकार लड़की के शरीर के समान होता हैं सिर से लेकर पैर तक, एक-एक नयन नक्श एक युवती के समान ही नजर आते हैं। इसे देखकर तो प्रकृति की कारीगरी पर हैरानी होती हैं। इसके बारे में ये भी कहा जाता है कि इन फूलों तक पहुंचना आसान नही हैं ये जितने दुर्लभ हैं उतनी ही अधिक ऊंचाई पर हिमालय में पाए जाते हैं, लेकिन आज हम आपको जिस फूल के बारे में बताने जा रहे हैं वह एकदम मंकी तरह दिखाई देता है। इस फूल को देखने पर आप यकीन नहीं कर पाएंगे कि ये फूल ही है। यह मंकी के फेस से इतना मिलता-जुलता है कि ऑरिजनल नही आर्टिफिशियल नजर आता है, लेकिन यकीन मानिए ये फूल पूरी तरह ऑरिजनल और प्रकृति की शानदार कलाकारी का नमूना है।

## साइंटिफिक नेम ड्रेकुला सिमिआ

इसकी खास बात ये है कि मंकी फेस के इस फूल में छोटे मंकी का मुस्कुराता हुआ चेहरा नजर आता है। देखने पर ये बेहद क्यूट नजर आता है और ऐसा लगता है मानो मंकी ने अपने सिर पर अनोखी टोपी लगा रखी है। इसका साइंटिफिक नेम ड्रेकुला सिमिआ है।

## समुद्रतल से लगभग 1000 से 2000 मीटर पर

मुख्यत: यह अनोखा फूल, इक्वाडोर, कोलंबिया और पेरू स्थित पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है। ये समुद्रतल से लगभग 1000 मीटर से 2000 मीटर पर पाए जाते हैं। यह एक सदाबहार फूल है। हर मौसम में लिटिल स्माइली मंकी के साथ खिलता है। इसकी खुशबू ठीक वैसी ही होती है जैसी हम नारंगी के फल में महसूस करते हैं।

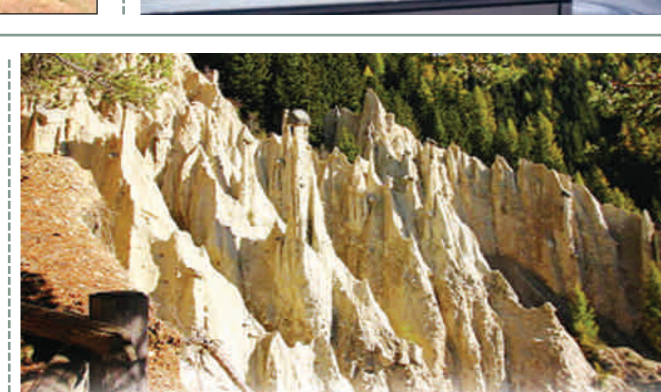

# कुदरत खुद बनाती है इटली के साउथ टायरोल में खूबसूरत पिरामिड

आपने हजारों साल पहले इंसानों के बनाए मिस्र के पिरामिडों के बारे में तो बहुत सुना और देखा होगा, लेकिन आपको बता दें कि कुदरत खुद भी पिरामिड बनाती है और उसे गिरा देती है और फिर बना डालती है। जी हाँ, यह प्राकृतिक घटना होती है इटली के साउथ टायरोल प्रांत में जहां प्रकृति का यह अजूबा करिश्मा देखने को मिलता है। मिट्टी और पत्थर के बने ये खूबसूरत पिरामिड्स प्राकृतिक रूप से आकृति लिए हुए हैं। इन्हें अर्थ पिरामिड भी कहा जाता है। ये पिरामिड मूसलाधार बारिश की वजह से हुए भूस्खलन से बने होते हैं। सतह से बीसियों फुट ऊपर तक खड़े ये खंबे वास्तव में हमारी पृथ्वी के पिरामिड हैं।

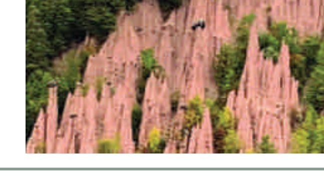

# डीलरशिप देने के नाम पर 5 लोगों से 10.84 लाख की ठगी, स्टाफ फरार

**पूसू प्रतिनिधि, चाकुलिया।** चाकुलिया में अर्थ च्वाइस एग्री बिजनेस नामक कंपनी के कर्मचारी राहुल शर्मा तथा अन्य के द्वारा कंपनी में डीलरशिप देने के नाम पर 5 लोगों से लगभग 10 लाख 84 हजार वसूलकर कंपनी को फरार हो जाने का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। इस दौरान कंपनी का आर्डर लेने वाला राहुल शर्मा था जो इस कंपनी का आर्डर लिया करता था। जिसने लोगों को बताया था कि उनकी कंपनी यहाँ पर आर्गेनिक खाद्य का व्यवसाय करना चाहती है और काम के लिए गोदाम समेत डीलर भी आवश्यकता है।

कंपनी के आकर्षक प्रस्ताव को देखकर चाकुलिया के कुछ लोग इसके प्रस्ताव को देखकर डीलर बनने के लिए तैयार हो गए थे और इस दौरान डीलर बनाने के लिए चाकुलिया निवासी दिनेश सिंह ने 2 लाख 78 हजार, नमिता बेरा से 2 लाख 90 हजार, सविता महतो से 2 लाख 78 हजार तापस बेरा से 1 लाख 65 हजार और अरिंदम दे उर्फ टुंपा से 73 हजार रुपए की उगाही की गई। इस सभी लोगों से एग्रीकल्चर ब्राइट टेक्नोलॉजी कंपनी के एचडीएफसी बैंक के खाता नंबर 50200091587916 और एसिक्स बैंक के खाता नंबर 923020062979647 जो गोड्डा में स्थित है में पैसा जमा करवाया गया। पैसा लेने के बाद सभी को बताया गया कि 10 से 12 मार्च तक खाद्य की आपूर्ति कर दी जाएगी।

ज्ञात हो कि पिछले तीन-चार महीनों से चाकुलिया में अर्थ च्वाइस एग्री बिजनेस नामक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा पैसे लेकर उन्नत प्रगति में पौधों का वितरण भी किया जा रहा था। राहुल शर्मा चाकुलिया के पुराना बजार स्थित एक घर में किराए में रह रहा था। इस दरमियान राहुल शर्मा ने चाकुलिया में तमाम लोगों को पौधों की आपूर्ति भी की है। लेकिन 9 मार्च के बाद से राहुल शर्मा तथा कंपनी के अन्य लोगों का मोबाइल फोन बंद मिल रहा है। इस दौरान लोगों ने जब राहुल शर्मा के घर पर जाकर पता किया तो पता चला कि कंपनी के लोग कमरे में ताला लगाकर कहीं चले गए हैं. तब लोगो को अपने ठगे जाने का एहसास कि हम सभी ठगी के शिकार हो गए हैं।

## हरिनाम सुनने से शरीर और मन पवित्र होता है- मेनका सरदार

**पूसू प्रतिनिधि, पोटका।** माताजी आश्रम हाता में रामकृष्ण जयंती सह 86 वां आश्रम का वार्षिक उत्सव चल रहा है। मंगलवार को उत्सव का तीसरे दिन में सुबह अस्टम प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन में मेनका सरदार, सूरज मंडल, उपेन्द्रनाथ सरदार, सुधांशू मिश्र, कमल कांति घोष, दुलाल मुखर्जी सभी लोगों ने धूप दीप प्रज्वलित कर हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ किया। मेनका सरदार ने कहा कि हरिनाम सुनने से शरीर और मन पवित्र होता है। सूरज मंडल ने कहा हरिनाम संकीर्तन झारखंड का महान धार्मिक संस्कृति है। हरिनाम से मन को शांति मिलती है। हरिनाम संकीर्तन में बुरुडीह, पोराभलकी, हेंसलबिल, जुरिपहारी, डंरु, छोटा आमदा, जामदा और पुतलुपुंग के कीर्तन मंडली ने भाग ले रहे हैं। इस अबसर पर सुनील कुमार दे, शंकर चंद्र गोप, राजकुमार साहू, कृष्ण पद मंडल, तपन मंडल, तपन दे, तरुण दे, अमित मंडल, महितोष गोप, महितोष मंडल, सहदेव मंडल, विश्वामित्र खंडायत, मोनी पाल, शक्ति रजक, मधुसूदन भट्टाचार्य, बेवी मंडल, सावित्री गोप, अंजलि मंडल, बन्दना मंडल, झरना साहू, सुजाता मरल, आदि अनेक भक्तगण उपस्थित थे।

# राज्यस्तरीय एथलेटिक्स के लिए जिले से 36 सदस्यीय दल देवघर के लिए हुआ रवाना

### राष्ट्रीय पदक विजेता राहुल बोबोंगा होंगे जिले के ध्वजवाहक

**➲ प्रतियोगिता में राज्य के 1800 खिलाड़ी भाग लेंगे**

**पूसू प्रतिनिधि, चक्रधरपुर।** 17 वीं झारखंड राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 20 से 22 मार्च तक देवघर के कुमैठा में आयोजित हो रही है, इस प्रतियोगिता में पश्चिम सिंहभूम जिला से 33 बालक एवं बालिका विभन्न आयु वर्ग में 3 कोच एवं मैनेजर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनका चयन पिछले दिनों दिसंबर में आयोजित जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के आधार पर हुई है। चयनित खिलाड़ियों का नाम इस प्रकार है

**अंडर 20 बालक**- बिक्रम चंपिया, सोनू सामड, बैगो जेराइ, चक्रधर चकी।

**अंडर 20 बालिका**- प्रियंका नायक, त्रिपुरा प्रधान, सोनिया हेसा, जानो तिऊ, सुनीता तिरिया।

**अंडर 18 बालक**- कृष्णा बोदरा, सन्नी कोड़ा, अनीश सुरीन, विशाल मुर्मू, अमित मुखी, श्रीशांत बोबौंगा

**अंडर 18 बालिका**- अंजली दास, सीमा सामड, हेमवती गहराई, वर्षा नायक।

**अंडर 16 बालक**- राहुल बोबोंगा, परमेश्वर प्रधान, गोमिया पूर्ति, सुरेंद्र माझी, सुदेश सवैया

**अंडर 16 बालिका**- लक्ष्मी सामड, ललिता नायक, यशमिता गोंड, प्रतिका महतो।

**अंडर 14 बालक**-महेश्वर सुंबरूई, नेल्सन सोय, अंडर 14 बालिका-सुशारी हेंब्रम, कुंती सरदार, पूजा महतो।

**कोच एवं मैनेजर**- संजीव बहंदा, शिवा हेंब्रम एवं सीमा बोदरा। सभी खिलाड़ियों को जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की एथलेटिक्स एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक पूर्व मंत्री श्रीमती जोबा माझी संरक्षक मुकुंद रूंगटा, अध्यक्ष नितिन प्रकाश, उपाध्यक्ष जगत माझी, नीरज संदवार, महासचिव अजय कुमार नायक, कोषाध्यक्ष दीपक पासवान, संयुक्त सचिव कश्मीर, विजय, अर्जुन, सह सचिव ओंकार, राजेश, राजू, लखींद्र, नरेंद्र, समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दिए।

# पानी पाईप बिछाने के लिए मशीन से खुदाई पर रेलवे ने लगाया रोक

**➲ बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के लिए बिछाया जाना है पाईप**

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के लिए जुगसलाई पार्वती घाट बस्ती के समीप पानी का पाईप बिछाया जाना है। उक्त पाईप रेलवे ट्रैक के नीचे से आएगा। इसके लिए मशीन से खुदाई की जा रही थी। जिसपर रेलवे प्रशासन ने रोक लगा दिया। रोक लगने के कारण काम कई दिनों से बंद था। रेलवे का कहना है कि मानव बल से खुदाई करके पाईप बिछाया जाय। मशीन से खुदाई करने पर ट्रैक को नुकसान पहुंच सकता है। इस बीच बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सुबोध झा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार से फोन पर इस संबंध में बातचीत की। उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि आदित्यपुर और जुगसलाई के बीच पार्वती घाट के पास रेलवे ट्रैक के नीचे से पाइप क्रॉस करने के लिए 365 मीटर गड्ढा खोदकर पाइप को बिछाया जाना है। करना है। पाईप की मोटाई 25 मिली मीटर है। जिसकी लंबाई 40 फुट है। पाईप धनबाद से यहां पहुंच चुका है। बागबेड़ा महानगर विकास समिति के दबाव के कारण मंगलवार से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने मानव बल से खुदाई शुरु कर दी है।

### खरकई नदी पर पिलर का नहीं हो पाया निर्माण

पानी की पाईप लाने के लिए बागबेड़ा के बडौदा घाट में निर्माण किए जा रहे 23 पिलर में तीन का निर्माण अब भी अधूरा है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों का कहना है कि एक माह में पिलर का निर्माण कर दिया जाएगा। ज्ञात हो कि विभाग ने इस वर्ष जलापूर्ति योजना के तहत आने वाले 23 पंचायत के 113 गांव एवं रेलवे क्षेत्र की 33 बस्तियों के 2 लाख 25 हजार जनता को पानी उपलब्ध कराने की बात कही है। लेकिन समिति का मानना है कि काम जिस गति से चल रहा है। ऐसे में इस वर्ष भी पानी उपलब्ध नहीं हो पाएगा। सुबोध झा ने कहा कि विभाग आम लोगों के साथ-साथ न्यायालय को भी गुमराह कर रहा है।

# बहरागोड़ा के 26 पंचायतों में लगी एलइडी स्ट्रीट लाइट खराब, नहीं हो रही मरम्मत

**पूसू प्रतिनिधि, बहरागोड़ा।** बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के लगभग सभी 26 पंचायतों के सभी गांव में 14वां वित्त आयोग से 3 वर्ष पूर्व लगाई गई एलइडी स्ट्रीट लाइट मंगलवार को खराब पड़ा हुआ देखा गया। लगाने के बाद इसकी आज तक एक बार भी मरम्मत नहीं हो सकी है। जिस कारण करोड़ों रुपए की लागत से लोगों को रौशनी देने के लिए लगे लाइट अब अंधेरे में चलने के लिए मजबूर हो रहे हैं। 14वां वित्त आयोग से सभी पंचायतों को राशि की भुगतान किया गया था। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पंचायत के गांव की गलियों को उजाला करनी थी। योजना में 5 साल मरम्मत कार्य नहीं करने से अनियमितता बड़े स्तर पर देखी जा सकती है। पंचायत स्तर पर मुखिया को 100 से 150 एलइडी स्ट्रीट लाइट चौक, चौराहे, गली, सार्वजनिक स्थानों, भीड़-भाड़ वाले जगह पर लगाने को लेकर जिम्मेदारी दी गई थी। मुखियाओं ने एलईडी लाइट को लगाने का कार्य किया लेकिन देखभाल की अभाव में 2 से 3 वर्ष के बाद ही स्ट्रीट लाइट खराब होने की स्थिति सामने आने लगी। शिकायत के बावजूद भी कार्रवाई नहीं होने पर कुछ स्ट्रीट लाइट को ग्रामीणों ने अपने निजी स्तर से मरम्मत का कार्य करवाया। लेकिन पंचायतों में अभी भी सैकड़ों स्ट्रीट लाइट 3 वर्ष बीत जाने के बाद जर्जर अवस्था में पडी हुईं हैं। बहरागोड़ा प्रखंड के क्षेत्र के कुछ गांव जैसे राजलाबांध, पाटपुर, मौदा, पाथरी, माटिहाना, एवं खंडामौदा पंचायत के खंडामौदा, जाम्बनी गांव के ग्रामीणों कई जगहों पर बिजली खंभों में अपने निजी स्तर से लाइट लगाने का कार्य किया है, ताकि लोगों को रात के समय में असुविधाओं का सामना ना करना पड़े।

## श्री पंचाजुना अखाड़ा समिति महावीर मंदिर गड़ाबासा के अध्यक्ष बने महेश सिंह

**पूसू प्रतिनिधि, गाड़ाबासा।** आज दिनांक 19 मार्च 2024 दिन मंगलवार को टी आर एफ गाड़ाबासा में महावीर मंदिर में एक बैठक हुई, जिसमे सर्वसम्मति से महेश सिंह को श्री पंचजूना अखाड़ा समिति के अध्यक्ष बनाया गया, वही कोषाध्यक्ष के रूप में राहुल प्रजापति को दायित्व मिला उक्त बैठक में लाइसेंसी समरेश सिंह ने बताया की रामनवमी झंडा जुलूस हेतु नई कमिटी का विस्तार किया गया है जिसमे सर्वसम्मति से महेश सिंह के नेतृत्व में अखाड़ा समिति अपने पारंपरिक और धूम धाम तरीके से झंडा निकालने का निर्णय लिया है कमेटी में संरक्षक के रूप में कमलेश सिंह, और मनोज शर्मा को बनाया गया के साथ साथ और लोगो को जल्द ही दायित्व विस्तार करने का निर्णय अध्यक्ष अपने विवेक और अन्य लोगो के सामूहिक सहयोग से करेंगे। श्री पंचजूना अखाडा गाराबासा महावीर मंदिर के नई कमिटी इस प्रकार है - अध्यक्ष-महेश सिंह, लाइसेंसी-शमरेश सिंह, कोषाध्यक्ष-राहुल प्रजापति, संरक्षक-कमलेश सिंह मनोज शर्मा बैठक में मुख्य रूप से मदन पांडेय, रजनीश कुंवर, दीपक मल्लिक, ओपी राव, समेत अन्य मौजूद रहे।

### विधायक सरयू राय ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा

# धनबाद या चतरा से मेरे लोस चुनाव लड़ने की बात महज अटकलें, जमशेदपुर मेरी पहली प्राथमिकता

**➲ जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की जनता का ऋण चुकाना है**

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने स्पष्ट किया है कि धनबाद अथवा चतरा से उनके लोकसभा का चुनाव लड़ने की बातें महज राजनीतिक अटकलें हैं। इस बारे में किसी भी राष्ट्रीय अथवा क्षेत्रीय दल के किसी नेता से उन्होंने बात नहीं की है और न तो उन्होंने ही इस बारे में किसी से कभी भी कोई बात किया है। यहां जारी आधिकारिक प्रेस वक्तव्य में उन्होंने कहा है कि उनके पास रोज धनबाद लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों से सैकड़ों फोन आ रहे हैं। इसी तरह चतरा से भी बड़ी संख्या में फोन आ रहे हैं कि वे वहाँ से लोकसभा चुनाव लड़ें। इसके कारण कई तरह की भ्रांतियां फैल गई हैं। अभी तक मुझे धनबाद अथवा चतरा से चुनाव लड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी के किसी भी राष्ट्रीय स्तर के नेता ने संपर्क नहीं किया है। मैंने भी अपनी तरफ से भाजपा के किसी भी बड़े नेता से एक बार भी संपर्क नहीं किया है। कुछ दिनों से जनता दल यूनाइटेड से भी मेरे चुनाव लड़ने की बातें सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में आ रही है। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार जी मेरे व्यक्तिगत मित्र हैं, इसलिए वह धनबाद की सीट भाजपा से लेकर मुझे चुनाव लड़ाना चाहते हैं। इस संबंध में एक बारे में भी नीतीश जी से मेरी कोई चर्चा नहीं हुई है और न तो उन्होंने इस बारे में उन्होंने मुझसे बात की है। फिर भी धनबाद या चतरा से मेरे चुनाव लड़ने की खबर राष्ट्रीय और प्रादेशिक मीडिया की सुर्खियों में बनी हुई है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मेरी प्राथमिकता जमशेदपुर पूर्वी से विधानसभा का अगला चुनाव लड़ना है। इसलिए अब ऐसी अटकलबाजियों पर विराम लगना चाहिए।

सरयू राय ने कहा कि जिन तत्वों से छुटकारा पाने के लिए जमशेदपुर पूर्वी की जनता ने मुझे विधायक चुना, उन तत्वों के अवशेष विविध रंग रूप में फिर से सिर उठाने लगे हैं। ऐसे तत्वों से जमशेदपुर पूर्वी की जनता को पूर्णतः मुक्ति दिलाए बगैर क्षेत्र की जनता से किया गया मेरा वादा पूरा नहीं हो पाएगा। मैं नहीं चाहता कि 25 साल पहले जिस तरीके से जमशेदपुर पूर्वी में रंगदारी, दबंगई, भय और आतंक की स्थिति बनी हुई थी, वह फिर से उत्पन्न हो। उन्होंने कहा मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं कि कोविड काल के 2 साल के अवरोध के बाद भी शेष 2 वर्षों में विकास के जितने भी कार्य मैंने किए, उतने कार्य विगत 25 वर्षों में नहीं हुए थे। इस क्षेत्र की जनता का मुझ पर जो ऋण है मैं उसे चुकाने का प्रयास कर रहा हूं। विकास कार्यों और जनसुविधाओं के लिए मेरी अनेकों योजनाएं स्वीकृत हैं, कुछ योजनाओं पर काम चल रहा है कुछ पर शुरू होने वाला है और कई योजनाओं का खाका बनकर तैयार है। उन्होंने कहा कि जब भी धनबाद और चतरा से मेरे लोकसभा चुनाव लड़ने की खबरें आई हैं उन तत्वों का मनोबल बढ़ जाता है, जिन्हें जनता ने सबक सिखा दिया था। इसलिए मैंने यह जरूरी समझा कि एक आधिकारिक प्रेस वक्तव्य जारी कर यह साफ कर दूं कि मैं धनबाद अथवा चतरा से लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रहा हूं। श्री राय ने कहा कि उनकी प्राथमिकता में झारखंड विधानसभा का चुनाव सर्वोपरि है। जमशेदपुर पूर्वी की जनता ने जिस तरह से भय, आतंक, रंगदारी और दबंगई के खिलाफ मेरे लिए वोट किया है, उसी तरीके से पूरे झारखंड में ऐसे लोगों को चुनाव में विजय दिलाना है जो भ्रष्टाचार और आपसी सामाजिक वैमनस्यता की स्थिति खत्म कर सामाजिक समरसता और विकास को गति दिलाना है। मैं धनबाद और चतरा के अपने सभी शुभचिंतकों को धन्यवाद देता हूं। मैं उनके प्रेम और स्नेह का आभारी हूं पर मैं उन्हें भी यह बताना चाहता हूं कि मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र है जहात्र के लोगों का ऋण चुकाना मेरी पहली प्राथमिकता है।

## संक्षिप्त खबरें

### उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य को शुरू कराने को लेकर डीसी से मिले ग्रामीण

**पूसू प्रतिनिधि, डुमरिया।** डुमरिया प्रखंड क्षेत्र के धोलाबेड़ा पंचायत के पूंजीधिरी हाट मैदान में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य को शुरू कराने की मांग को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों ने उपायुक्त से मिले। ग्रामीणों ने उपायुक्त से कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य 2023 में शुरू किया गया था, जो अब बंद पड़ा है। वहां उप स्वास्थ्य केंद्र बन जाने से ग्रामीणों को सहूलियत होगी। ग्रामीणों ने उपायुक्त को यह भी बताया कि इलाके में सभी गरीब परिवार के लोग रहते है. आस पास में कोई उप स्वास्थ्य केंद्र नहीं है। इलाज के लिए कोई सुविधा नहीं मिल पाती है. उनकी मांग है कि अर्ध्य निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य को पुन: शुरू किया जाये।

### शहरवासियों को मिलेगी जाम से निजात अंडरपास तक सड़क का निर्माण जारी

**पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा।** बाधपाड़ा स्थित रेलवे फाटक एवं दुम्बीसाई रेलवे फाटक बंद होने से शहरी एवं ग्रामीण नागरिकों परेशानियों को सामना करना पड़ रहा था। अब रेलवे द्वारा बाधपाड़ा स्थित रेलवे फाटक से अमला टोला तक अंडरपास तक नई सड़के बनाई जा रही है वहीं दुम्बीसाई रेलवे फाटक से आमला टोला रेलवे अंडरपास तक बनाया जा रहा है। नई सड़क बनने से लोगों का समय बचने के साथ ही साथ परेशानियों से भी निजात मिलेगी। बता दे कि इस रूट पर मालगाड़ी ट्रेन के पारिचलन के चलते हमेशा फाटक बंद रहता है जिसके कारण ग्रामीण एवं शहर की ओर आने जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रेल के परिचालन यातायात प्रभावित होती है साथ ही बच्चों को विद्यालय पढ़ने जाने, बाजार, दफ्तर, इलाज हेतू अस्पताल जाने के लिए इस मार्ग का उपयोग किया जाता है जिसमें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विभाग द्वारा बनाए जा रहे अंडरपास तक नया सड़क से लोगों का समय बचेगा और फाटक अथवा जाम से मुक्ति मिलेगी।

### श्याम महोत्सव: चाईबासा में निकली शोभायात्रा

**पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा।** चाईबासा शहरी क्षेत्र में निकली गई श्याम महोत्सव को लेकर शोभायात्रा, गांधी टोला स्थित करणी मंदिर से मधु बाजार, टाउन क्लब होते हुए पोस्ट ऑफिस सदर बाजार में बाबा श्याम के झांकी निकाली गई उक्त कार्यक्रम श्याम प्रचारक मंडलीय चाईबासा द्वारा आयोजित की गई कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो की संख्या से भी अधिक महिलाओं ने हाथ में झंडा लिए बाबा श्याम का जयकारा लगाया गया। शोभायात्रा के दौरान गाजे-बाजे कि ध्वनि सुन और बाबा श्याम खाटू के गाने सुनकर कई लोगों ने नृत्य भी किया।

### भविष्य के अवसर तथा जीविका के साधन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

**पूसू प्रतिनिधि, पोटका।** कैथोलिक चेरिटिज पटेल बगान जमशेदपुर में किशोर किशोरियों के लैंगिक भेदभाव, भविष्य के अवसर, तथा जीविका के साधन विषयों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के निदेशक फ़ादर बिरेन्द्र टेटे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि किशोर किशोरियों को अपना चरित्र निर्माण में जूनून एवं इच्छाशक्ति का होना आवश्यक हैढ्ढ कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन समाजसेवी पदमा कुमारी द्वारा किशोर किशोरियों के लैंगिक भेदभाव, उनके भविष्य के अवसर तथा जीविका उपार्जन के साधन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक सि. पुष्पिका, सी. बेनेडिकटा, प्रधान जोंको, सिंगा होन्हागा, घुंघरू दास, रेखा कुमारी के साथ साथ तीन स्वास्थ्य केन्द्र क्रमश बूढीगोडा, चारबंदिया एवं कराईकेला से कुल 60 किशोर किशोरियां उपस्तिथ थे।

### परसुडीह में दुकान से चोरों ने नकद सहित सामान पर हाथ साफ किया

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** परसुडीह थाना अंतर्गत परसुडीह बाजार स्थित अजंता कंफेक्शनरी नामक दुकान में बीती रात चोरों ने चोरी की। चोरों ने दुकान से नकद 15 हजार एवं सामान पर हाथ साफ किया। इस दौरान बगल स्थित एक अन्य दुकान में भी चोरी का प्रयास किया। लेकिन सफल नहीं हो सके। चोरी की उक्त घटना समीप स्थित सीसीटीवी में कैद हो गई है। मंगलवार की सुबह घटना की जानकारी दुकान मालिक को होने के बाद उसने पुलिस को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा छानबीन की। पुलिस अपने संपर्क के माध्यम से चोरो को पकड़ने में जुट गई है।

# क्या स्टेट सिंबल आचार संहिता के दायरे में है? उठा सवाल

## सरकारी कार्यालयों से हटाये गये प्रतीक चिन्ह के कारण तरह-तरह की चर्चाओ का बाजार गर्म

**पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा।** लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र सिंहभूम संसदीय सीट की चुनावी तैयारियों के बीच एक बड़ी खबर निकल कर सामने आयी है। क्या किसी प्रदेश का स्टेट सिबल आर्दश आचार संहिता के दायरे में आता है। ऐसा पश्चिमी सिंहभूम जिले के सरकारी दफ्तरों में दिख रहा है। कई जगहों पर इसे ढंक दिया गया है। हालांकि जानकारों का मानना है कि स्टेट सिंबल राज्य का प्रतिनिधित्व करता है, नहीं की राजनीतिक पार्टी का। झारखंड सरकार ने 14 अगस्त 2020 को बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 85 द्वारा प्रदत शक्तियों के आलोक में अधिसूचना संख्या 998/14 अगस्त 2020 को राज्य संप्रतिक विनिमय, नियम 2007 के नियम 4(2) के तहत भारत सरकार से अनुमोदन उपरांत संप्रतिक या प्रतीक चिन्ह के रूप में अंगीकृत किया गया। यह प्रतीक चिन्ह किसी राजनितिक दल विशेष का नहीं बल्कि पूर्ण राज्य को भारत वर्ष में स्थापित करता हुआ राज्य संप्रतिक है, झारखण्ड राज्य के

पश्चिमी सिंहभूम जिले में प्रशासनिक महकमे से आदर्श अचार संहिता या प्राप्त मार्गदर्शन के आलोक में सरकारी कार्यालयों से हटाया गया तब तरह तरह की चर्चाओ का बाजार गर्म हो गया। राजनीतक हलकों और बुद्धिजीवियों के बीच यह चर्चा होने लगी आदर्श अचार संहिता के नाम पर राज्य संप्रतिक को हटाना कतई उचित नहीं है। यह प्रतीक चिन्ह किसी राजनितिक दल का नहीं बल्कि राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। सरकारी कार्यालय से मुख्यमंत्री, मंत्री की तस्वीर, सरकारी प्रचार हटाना आदर्श अचार संहिता के लिय आवश्यक प्रतीत होता है। किन्तु परन्तु स्टेट सिंबल को नहीं हटाया जाना चाहिये। अब चुंकि देश का प्रतीक चिन्ह अशोक स्तम्भ है तब एक और सवाल भी उठ खड़ा हुआ जब अशोक स्तम्भ युक्त प्रतीक चिन्ह अचार संहिता के दायरे में है या नहीं। तब इसे कई महत्वपूर्ण स्थानों से भी हटा लेना आवश्यक प्रतीत होता है।

### प्रतीक चिन्ह के मामले को देख लेता हूं : सीईओ

प्रतीक चिन्ह के मुद्दे पर राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार से पूछा गया तब उन्होंने कहा हमने सरकार से संबंधित सरकारी विभागों में सरकारी प्रचार प्रसार व राजनेताओं की तस्वीरों को हटाने के लिय नियम के तहत दिशा निर्देश दिये है, प्रतीक चिन्ह के मामले को देख लेता हूँ!

## मतदान के दिन कर्फ्यू जैसा माहौल नहीं रहे : के रवि कुमार

**पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा।** पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के. रवि कुमार ने क्रमवार पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां एवं पश्चिम सिंहभूम जिले लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिये की जाने वाली तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के ने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी अपने क्षेत्राधीन मतदाता -जनसंख्या अनुपात को बढ़ाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के सभी पहलुओं पर भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। निर्वाचन संबंधी सभी कार्यों में इनका शतश: अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि सभी मतदान केन्द्रों में न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करायें।साथ ही सुदूरवर्ती क्षेत्रों में अवस्थित मतदान केन्द्रों में पोलिंग पार्टी को सुरक्षित केन्द्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए मतदान केन्द्रों के ससमय भौतिक सत्यापन करा लें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के द्वारा तीनों जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि व्हीकल मैनेजमेंट पर विशेष रूप से ध्यान रखा जाए ताकि आम लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं हो तथा मतदान के दिन कर्फ्यू जैसा माहौल नहीं रहे।

बेहतर मतदाता भागीदारी के लिए प्रभावी स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निदेश दिया गया, ताकि लोकसभा चुनाव 2024 में अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल को क्रियाशील रखने का निदेश दिया ताकि फेक न्यूज और मिस इनफॉरमेशन का प्रभावी अनुश्रवण किया जा सके। इसके अलावे एक जनहित में फोन नंबर भी सार्वजनिक किया जाए जिस पर कोई भी आम व्यक्ति संपर्क कर किसी भी प्रकार का फेक न्यूज या मिस इनफॉरमेशन की जानकारी आसानी से संबंधित मीडिया सेल तक पहुंचा सके।

### निशान यात्रा की तैयारी में जुटे श्याम भक्त

## महिलाओं ने रचाई श्याम नाम की मेहंदी

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** श्री श्याम मासिक रात्रि निशान यात्रा समिति के तत्वावधान में प्रस्तावित श्री श्याम निशान यात्रा के एक दिन पूर्व मंडल की महिलाओं नें जुगसलाई के शिव घाट रोड स्थित खंडेलवाल भवन में मेहंदी उत्सव मनाया।इस संदर्भ में मंडल के अनिल मोदी ने बताया की निशान यात्रा को लेकर श्याम भक्तों विशेषकर महिलाओं में खासा उत्साह है।महिला श्रद्धालु अपने श्याम प्रभु को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती।श्याम प्रभु को रिझाने हेतु मंडल की महिलाओं ने आज बाबा श्याम के नाम की मेहंदी एक दूसरे के हाथों में लगाई और बाबा श्याम के चरणों में मेहंदी को समर्पित किया।आम तौर पर यह धारणा है कि जिसकी मेहंदी ज्यादा रचती है उसे ईश्वर की कृपा ज्यादा प्राप्त होती है।उन्होंने बताया की निशान यात्रा की तैयारी में भी महिलाओं का विशेष योगदान होता है।बाबा को भोग लगाने हेतु 36 व्यंजन महिलाएं अपने हाथों से घरों में तैयार करती है।इसमें बाबा को विशेष रूप से प्रिय चूरमा, दाल का सीरा,लापसी, गोंद का लड्डू,खीर, ग्वार फली,दिलखुसार,घेवर,ग्वार की फली,बाजरा की खिचड़ी,कढ़ी कचोरी,गट्टा को साग इत्यादि 36 व्यंजन तैयार किए जायेंगे जो बाबा को भोग लगाने के पश्चात भक्तो के बीच प्रसाद के रूप में वितरित किए जायेंगे।ऐसी मान्यता है कि बाबा को मीठा पान बहुत पसंद है।

## टाटानगर से सहरसा के लिए होली स्पेशल ट्रेन का हुआ शुभारंभ

➡ मिथिलावासियों ने किया सांसद विद्युत महतो का अभिनंदन

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** रेलवे ने होली में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए टाटानगर से बिहार के सहरसा जंक्शन तक होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे के इस फैसले पर एक ओर जहां मिथिलावासी हर्षित हैं। तो वहीं, मिथिला क्षेत्र के लिए टाटानगर से दूसरी ट्रेन सेवा प्रारंभ होने पर मंगलवार को मिथिलावासियों ने सांसद विद्युत वरण महतो का अभिनंदन किया। इस दौरान दर्जनों मिथिलावासियों ने सांसद विद्युत

महतो को पुष्पगुच्छ भेंटकर आभार जताया। इस दौरान सभी लोगों ने ट्रेन परिचालन के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए पीएम नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का भी आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि मिथिला के लिए दूसरी रेल सेवा प्रारंभ होने से जयनगर के लिए सीधी रेल सेवा की उम्मीद गहरी हुई है। इस दौरान मिथिलावासियों ने सहरसा तक के ट्रेन को नियमित करने और दशकों पुरानी मांग जयनगर तक के लिए ट्रेन को प्रारंभ करने का आग्रह किया। सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि टाटानगर से जयनगर के लिए ट्रेन को प्रारंभ करने की दिशा में रेलवे विभाग को अवगत कराया गया है। उन्होंने इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल होने का आश्वासन दिया।

ज्ञात हो कि गाड़ी संख्या 08853 दिनांक 18 मार्च से 05 अप्रैल तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन से रात्रि 7.20 बजे प्रस्थान करेगी एवं बोकारो, धनबाद, जसीडीह, किउल, न्यू बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया के रास्ते अगले दिन 11.20 बजे सहरसा स्टेशन पहुंचेगी।

इस दौरान भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, रंजीत मिश्रा, राजेश रंजन, त्रिलोक मिश्रा, अशोक झा प्रेमी, नीलेश झा, अशोक मिश्रा, पंकज मिश्रा, लक्ष्मण झा, बिनोद खां, राकेश झा, अरुण मिश्रा, अशोक मिश्रा, बबुआ सिंह, प्रेम झा, बिनानंद सिरका, तन्मय झा समेत अन्य मौजूद रहे।

### आदित्यपुर कॉलोनी में युवकों का शव पहुंचते ही परिजनों के बिलाप से गमगीन हुआ माहौल

# एक साथ निकली चारो युवकों की शव यात्रा

➡ भारी संख्या में लोग हुए शामिल

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** आदित्यपुर-2 कॉलोनी के चार युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत से सदमा झेल रहे परिजनो एवं बस्तीवासियों में उस समय कोहराम मच गया, जब मानगो स्थित पोस्टमार्टम हाउस से चारो युवकों का शव कॉलोनी में पहुंचा। शव पहुंचते ही रोना-धोना शुरु हो गया। हालांकि जल्द ही सारी प्रक्रियाएं पूरी कर शव का दाह संस्कार कर दिया गया।

ज्ञात हो कि सोमवार शाम तकरीबन 4.30 बजे रांची-टाटा नेशनल हाईवे- 33 के कांदरबेड़ा में एक ट्रक से युवकों की कार टकराने के बाद सभी की घटनास्थल पर मौत हो गई। मरने वालों में आदित्यपुर-दो कॉलोनी के बाबा आश्रम निवासी निखिल

कुमार, रोड नंबर 17 निवासी संस्कार मिश्रा, रोड नंबर 22 निवासी सूरज कुमार, रोड नंबर 21 निवासी नवनीत शर्मा शामिल हैं।

### शव देखने कॉलोनी में मड़ी भीड़

घटना में मारे गए चारो युवकों के शव कॉलोनी में पहुंचते ही बच्चों से लेकर बूढ़े सभी शव को देखने उमड़ पड़े। सभी अपनी आंखों से आंसु नहीं रोक पाए। शोक जताने महिलाएं भी पहुंची। सभी का रो-रोकर बूरा हाल था। वहीं कुछ लोग परिजनों को ढ़ाँढस बंधाते रहे।

गमगीन माहौल में सभी की शव यात्रा निकली, जिसमें क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र के लोग भी शामिल हुए। विगत 3 महीने के अंदर आदित्यपुर कॉलोनी के 10 युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत से कॉलोनी के लोगों में तरह-तरह चर्चाएं भी हुई।

## प्रखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में मध्य विद्यालय पोटका और के.जे.बी.वी पोटका रहा अव्वल

**पूसू प्रतिनिधि, पोटका।** परियोजना बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय पोटका के प्रांगण में संपन्न हुआ प्रखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी जिसमें 12 संकुल के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस विज्ञान प्रदर्शनी का विषय भारत के खगोलीय उपलब्धि।

भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग : इसमें बतौर अतिथि बीपीओ विशेश्वर नन्दी ने प्रतिभागियों को विज्ञान प्रदर्शनी से संबंधित जानकारी को साझा किया तथा बच्चों को प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में निर्णायक मंडली के रूप में कंचन कुमार महतो, अर्णव चौधरी मौजूद रहे। विजेताओं के नाम इस प्रकार है :-विषय -भारत के खगोलीय उपलब्धि पर।

प्रथम स्थान- के.जे.बी.वी, पोटका, व्दितीय स्थान - हिन्दी मिडिल स्कूल, हल्दीपोखर, तृतीय स्थान-मिडिल स्कूल असानबनी।

विषय -भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग।

प्रथम स्थान : मिडिल स्कूल पोटका, व्दितीय स्थान-राजकीय बुनियादी विद्यालय व तृतीय स्थान-हिन्दी मिडिल स्कूल, हल्दीपोखर। इस कार्यक्रम को संपन्न करने में मुख्य रूप से सीआरपी, महेंद्र पाल, शिशिर चंद्र मंडल, अरविंद तिवारी, डोबो चाकिया एवं शिक्षकगण का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

### जमशेदपुर महानगर में लाभार्थी संपर्क अभियान की समीक्षा को लेकर भाजपा की बैठक हुई सम्पन्न

# संपर्क, संवाद और समन्वय पर दें जोर : विद्युत वरण महतो

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव के निमित्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के लोककल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से घर-घर जाकर लगातार संपर्क कर रहे हैं। भाजपा की इस राष्ट्रव्यापी अभियान में लोगों का उत्साह चरम पर है। जमशेदपुर महानगर में भाजपा का लाभार्थी संपर्क अभियान महानगर के चारों विधानसभा के विभिन्न मंडलों में जारी है। मंगलवार को पूर्वी और पश्चिमी विधानसभा में अभियान के सफल क्रियान्वयन, समीक्षा और सुझावों को लेकर भाजपा जमशेदपुर महानगर की महत्वपूर्ण बैठक साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में सम्पन्न हुई। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सांसद विद्युत वरण महतो, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडलों के अध्यक्षगण एवं लाभार्थी संपर्क अभियान के जिला सह संयोजक नीरज सिंह, मंडल संयोजक एवं सह संयोजक मुख्य रूप से शामिल हुए। बैठक में अभियान की वर्तमान स्थिति पर मंडल अध्यक्षों के संग विस्तृत चर्चा कर अभियान की समीक्षा की गई। बैठक में लाभार्थी संपर्क अभियान को तेज करने और बूथ स्तर पर क्रियान्वयन को लेकर

रणनीति बनाई गई। इस दौरान वक्ताओं ने लाभार्थियों के फोटो, उनके अनुभवों के वीडियो को सोशल मीडिया, नमो एप एवं सरल एप पर अपलोड करने का आह्वान किया।

इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने गरीब कल्याण को ध्यान में रखते हुए कई लोककल्याणकारी योजनाओं को शुरू किया है, जिसका परिणाम रहा कि 2014 से 2023 के बीच लगभग 25 करोड़ से अधिक देशवासी गरीबी से बाहर आये हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों के बीच जाकर लाभार्थी संपर्क अभियान के तहत उनसे संवाद और समन्वय स्थापित करना है। सांसद विद्युत महतो ने कहा कि मोदी सरकार ने जो भी योजनाएं चलाई हैं, वे सीधे तौर पर जरूरतमंद लोगों तक पहुंची हैं। केंद्र सरकार ने जनहित की सभी योजनाओं को धरातल पर उतारकर जनता के खुशहाली, समृद्धि और विश्वास को बढ़ाया है। पूरे झारखंड में लाखों पात्र लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंच रहा है। श्री महतो ने चुनावी अभियान को देखते हुए लाभार्थी संपर्क अभियान में तेजी लाने और पार्टी के द्वारा निर्धारित समयावधि में अभियान को पूर्ण करने का आह्वान किया।

वहीं, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने विभिन्न मंडल अध्यक्षों से अभियान के निमित्त अब तक के कार्यों की पूरी जानकारी ली। उन्होंने अभियान में तेजी लाने एवं अभियान के कार्यों को सरल एप्प एवं नमो एप्प में अपलोड करने हेतु विस्तृत जानकारी दी। कहा कि अभियान में कार्यकर्ताओं को प्रत्येक लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें पत्रक देना, घरों पर स्टीकर लगाना और लाभार्थी के मोबाइल नंबर से मिस कॉल जैसे कार्य अनिवार्य रूप से करना है। कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से फिर एक बार विद्युत वरण महतो को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने हेतु पूरी तन्मयता से जुटने का आह्वान किया।

बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, लाभार्थी संपर्क अभियान के जिला सह संयोजक नीरज सिंह, संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, राकेश सिंह, अनिल मोदी, पप्पू सिंह, नीलू मछुआ, विजय तिवारी, बोलटू सरकार, प्रेम झा, बिनोद कुमार सिंह, कौस्तव रॉय, बिनानंद सिरका, सुरेश शर्मा, अजय सिंह, हेमंत सिंह, बबलू गोप, दीपक झा, राजेश सिंह, बिनोद राय, अमरेंद्र पासवान, प्रशांत पोद्दार, बजरंगी पांडेय, संजय तिवारी, कुमार अभिषेक, रॉकी सिंह, कुमार विश्वजीत, तन्मय झा, अभिषेक श्रीवास्तव, सतीश शर्मा, निर्मल सिंह, नारायण प्रसाद, पुष्पेंद्र सिंह, संजना साहू समेत अन्य मौजूद रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में तेंदुआ का आतंक कायम, वन विभाग पकड़ने में नाकाम

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की एक कंपनी में बीते दिनों देखा गया तेंदुआ अब तक पकड़ में नहीं आ सका है। जिसके कारण औद्योगिक क्षेत्र एवं समीपवर्ति क्षेत्र में रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल कायम है। लोग डर के साए में रहने को विवश हैं। तेंदुआ को पकड़ने के लिए वन विभाग की ओर से पश्चिम बंगाल से वन विभाग की टीम को बुलाया गया है। लेकिन उक्त टीम का प्रयास नाकामयाब रहा। दूसरी और तेंदुआ का आखिरी लोकेशन आर एस बी कंपनी के बाद कहीं अन्य नहीं मिला है। जिससे लोगों में दहसत कायम है। वन प्रमंडल पदाधिकारी सरायकेला खरसावां ने बताया कि तेंदुआ अभी तक पकड़ में नहीं आ रहा है । संभवत कहीं छुप गया है। जिसके कारण सीसीटीवी की परिधि में वह नहीं आ रहा है। उसे पकड़ने के लिए विभाग हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोगोंके लिए विभाग ने सात मोबाइल नंबर भी जारी किया है। दूसरी और अपुष्ट जानकारी के अनुसार गम्हरिया से सटे सतबहनी में लोगों में दहासत कायम है। लोग रात जगा कर अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। वहीं सतबहनी में स्थित एक स्कूल को बंद कर दिया गया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। बताया जाता है कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्कूल को बंद किया गया है।

### छोटा गोविंदपुर में सिलेंडर से किचन में लगी आग, बुझाने में गृहस्वामी झूलसा

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** छोटा गोविंदपुर जनता मार्केट स्थित मकान संख्या 70, नियर ग्रामीण बैंक के समीप महेंद्र झा के आवास मंगलवार की दोपहर 1 बजे की करीब किचन में कार्य करते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई, जिससे किचन पूरी तरह जल कर बर्बाद हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर गोविंदपुर थाना, टाटा मोटर्स की दमकल एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय जिला परिषद सदस्य डॉ परितोष सिंह पहुंच कर घटना की जानकारी ली और उनको उचित मुवाबजा दिलवाने का आश्वासन दिया। दूसरी ओर आग बुझाने के क्रम में घर मालिक महेंद्र झा का चेहरा बुरी तरह झुलस गया, स्थानीय डॉक्टर से उनका इलाज करवाया गया। इस आगजनी में लगभग चार लाख का नुकसान हुआ है

### सुन्दरनगर में आरएएफ ने मनाया 85वां वार्षिकोत्सव

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** जमशेदपुर, सुन्दरनगर स्थित आरएएफ 106 बटालियन में मंगलवार को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 85वीं वार्षिकोत्सव दिवस पुरे जोश एवं हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की स्थापना 27 जुलाई 1939 को नीमच (मप्र) क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस के रूप में हुई थी। स्वतंत्रा प्राप्ति के बाद 28 दिसंबर 1949 में इस बल का नाम केन्द्रिय रिर्जव पुलिस बल कर दिया गया। आज इस बल के गौरवशाली इतिहास के 85वां वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर पर 106 वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल के कमाण्डेन्ट डॉ. निशीत कुमार ने बल के सभी वरिष्ट अधिकारियों की ओर से वाहिनी के जवानों तथा उनके परिवारजनों को हार्दिक बधाई दी। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की स्थापना दिवस के गरिमामयी अवसर पर कमाण्डेन्ट द्वारा बल के महत्व, इतिहास और पूर्वजों के बलिदान के बारे में बताया तथा बल के उपस्थिति जवानों को केरिपु बल के गरिमा को बनाए रखने के लिए पराक्रम की पराकाष्ठा तक देश सेवा के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त 106वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल के कमांडेण्ट डॉ नितिश कुमार, सच्चिदानन्द मिश्र द्वारा अधिकारी व अधिकारीगणों, अधिनस्थ अधिकारीयों और जवानों की उपस्थिति में वाहिनी में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रात: 9:30 बजे शहीदों के बलिदान व पराक्रम के सम्मान में उन्हें याद किया गया और पुष्पांजलि अर्पित की गयी। 9.40 मिनट पर क्वाॅटर गार्ड पर कमाण्डेन्ट द्वारा सलामी ली गई। इसके बाद अधिकारियों द्वारा जवानों में मिठाई वितरण किया गया। इस कार्यक्रम की श्रृखंला में शाम को जवानो के मनोरंजन के लिए बॉलीबॉल मैच , सांस्कृति कार्यक्रम के साथ रात्रि में बड़ा खाने का आयोजन किया गया जिससे सभी अधिकारियों व जवानों ने एक साथ खाने का आनंद उठाया ।

### विभिन्न होली मिलन समारोह में शामिल हुए विधायक मंगल कालिंदी

**पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर।** आज जमशेदपुर प्रखंड के सोपोडेरा में न्यू शिव मंदिर जूनियर क्लब के द्वारा, उत्तरी छोटा गोविन्दपुर पंचायत अंतर्गत शेषनगर में स्थानीय महिलाओं द्वारा और परसुडीह ग्वालापट्टी में स्थानीय लोगों द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल हुए जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी. इस दौरान विधायक को अबीर का टीका लगाकर होली की बधाई दी और विधायक ने उपस्थित सभी लोगों को होली की बधाई और शुभकामनाएं दी।मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि रंगों का त्योहार होली हर किसी के दिल में प्रेम का रंग भरता है यह न केवल सामाजिक समस्या और आपसी प्रेम को बढ़ाता है बल्कि समाज को भाईचारा के साथ जीने की सीख भी देता है। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, जिला परिषद सदस्या पूर्णिमा मल्लिक, जिला परिषद सदस्य परीतोष सिंह, झामुमो नेता मिथुन चक्रवर्ती, प्रदीप गुहा, माणिक मल्लिक, जितेंद्र सिंह, संजय सिंह, मुखिया बसंती गुप्ता, मुखिया अरुणा एक्का, पंचायत समिति सदस्य मनोज यादव, मीना देवी, शिवलाल लोहरा, लक्ष्मण मुंडा, विमल पाल आदि लोग उपस्थित थे।

# दबंग की अगली कड़ी को निर्देशित करना चाहते हैं अरबाज

वर्ष 2010 में सलमान खान के भाई अरबाज खान ने अपने प्रोडक्शन तले सलमान खान को लेकर फिल्म दबंग का निर्माण किया था। लेखक निर्देशक अभिनव कश्यप ने सलमान खान को इस फिल्म में अलग अंदाज में पेश किया। उनका यह अंदाज दर्शकों को भाया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। सलमान के फैंस को उनका चुलबुल पांडे अवतार बहुत पसंद आया था। इसके इसकी फ्रेंचाइजी की दो फिल्में–दबंग-2 और दबंग-3–आईं। दबंग-2 का निर्देशन अरबाज ने किया था और अब हर कोई फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त ङ्क 'दबंग 4' के लिए बेताब है। हाल ही में ऐसी अफवाहें थीं कि सलमान और अरबाज ने 'दबंग' के अगले पार्ट पर चर्चा करने के लिए 'जवान' के निर्देशक एटली से मुलाकात की थी। अब 'दबंग 2' बनाने वाले अरबाज ने एक इंटरव्यू में इस बारे में खुलकर बात की। अरबाज ने बात करते हुए कहा कि मैं अपने जीवन में कभी भी फिल्म निर्माता एटली से नहीं मिला। इन अफवाहों पर तब तक यकीन नहीं करना चाहिए जब तक कि मैं इनकी पुष्टि न कर लूं। हालांकि सलमान 'दबंग 4' करने के इच्छुक हैं। सलमान और मैं फिलहाल अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। मैं 'दबंग 4' का निर्देशन करना पसंद करूंगा, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं किया है।

# शिल्पा ने दिया फिटनेस मंत्र

हाल ही में फिल्म सुखी में नजर आईं बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा फिटनेस मंत्र दे रही हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बेंच पर वन-लेग स्क्वाट करते हुए अपना एक वीडियो साझा किया। वीडियो में शिल्पा को जिम वियर पहने और पूरी तरह से फोकस कर संतुलन बनाते हुए देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, मुझे कोई भी रैंप दे दो, मैं इसे अपना बना लूंगी। सब बैलेंस का खेल है! स्टाइल में एक बेहतरीन लेग वर्कआउट। शिल्पा ने आगे कहा, मुझे पूरी ड्रिल पाने के लिए कुछ प्रयास करने पड़े, लेकिन यह चुनौतीपूर्ण है। इसे आज़माएं और मुझे टैग करें। देखते हैं कितने लोग इसे पूरा कर पाते हैं। इससे पहले एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट पोशाक के साथ हरे रंग में धूम मचाई थी।

उन्होंने हरे रंग की पोशाक पहनी थी, जिसे उन्होंने फूलों के पैटर्न वाले क्रीम रंग के साथ जोड़ा था। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने कमेंट बॉक्स में आकर शिल्पा की पोशाक की पसंद की सराहना की। उन्होंने लिखा, वाह। इस बीच, अगर उनके वर्क फ्रंट की बात करें, तो शिल्पा कन्नड़ फिल्म केडी - द डेविल की तैयारी कर रही हैं, जिसमें संजय दत्त और जिशु सेनगुप्ता भी हैं।

# एक्टर के तौर पर पर्दे पर वापसी को तैयार फरहान

फरहान अब तक कई फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। जिंदगी मिलेगी ना दोबारा और भाग मिल्खा भाग जैसी हिट फिल्मों में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया था। फरहान अख्तर की गिनती बॉलीवुड के उम्दा कलाकारों में होती है। अभिनय के साथ वे निर्देशक, निर्माता, गायक और गीतकार के रूप में भी अपने प्रतिभा का जलवा बिखेर चुके हैं। दिल चाहता है, डॉन जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके फरहान अभिनेता के तौर पर जल्द ही बड़े पर्दे पर अपनी वापसी करने जा रहे हैं।

## फरहान अख्तर शुरू करेंगे शूटिंग

फिल्म तूफान के बाद वे जल्द ही बतौर अभिनेता अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग करने जा रहे हैं। हाल ही में एक बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि वे अपनी फिल्म की शूटिंग जुलाई में शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि वे इस समय केवल इस पर ही ध्यान केंद्रित करना चाह रहे हैं।

## निर्देशन के तौर पर भी करेंगे वापसी

फरहान अब तक कई फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। जिंदगी मिलेगी ना दोबारा और भाग मिल्खा भाग जैसी हिट फिल्मों में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया था।

# मां बनीं ये रिश्ता क्या कहलाता है की जमसीत

ये रिश्ता क्या कहलाता है की जमसीत यानि एक्ट्रेस शिरीन सेवानी के घर नन्हें मेहमान की किलकारी गूंजी है। जी हां, शिरीन सेवानी मां बन गई हैं। एक्ट्रेस के घर नन्हें शहजादे की किलकारी गूंजी है। शिरीन के 11 मार्च को बेटे को जन्म दिया हालांकि इस खुशखबरी को उन्होंने 18 मार्च को फैंस के साथ शेयर किया।

बता दें कि शिरीन सेवानी ने साल 2020 में पायलट उदयन सचान संग शादी रचाई थी। वहीं अब कपल ने शादी के तीन साल बाद अपने पहले बच्चे का स्वागत किया।

# सयानी गने हेयर स्पा सेशन की झलक साझा की

अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने हेयर स्पा सेशन की एक मजेदार झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। इससे पहले एक्ट्रेस को फिल्म ज्विगाटो में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरते हुए देखा गया था। बता दें कि अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर कई वीडियो और तस्वीरें साझा कीं। वो एक सैलून में बैठी हुई नजर आ रही हैं। तस्वीरों में अभिनेत्री गले में सफेद कपड़ा पहनकर स्पा लेती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने मैरून लिपस्टिक लगाई हुई है और सेल्फी के लिए पोज दे रही हैं।

वीडियो में सयानी को अपनी आंखें बंद करते हुए दिखाया गया है, जबकि वह हेयर स्पा सत्र का आनंद ले रही हैं। पोस्ट का शीर्षक है. लास्ट स्लाइड~उस कुत्ते की तरह जो ऊंघ रहा है! वहीं, अगर उनके वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्होंने 2022 फिल्म ज़्विगाटो में अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में कपिल शर्मा और शहाना गोस्वामी मुख्य भूमिका में हैं। वह फोर मोर शॉट्स प्लीज !, इनसाइड एज, आर्टिकल 15 और पैगलैट में अपने काम के लिए भी जानी जाती हैं।

## आलिया भट्ट ने सुनाई

# अपने माता-पिता की संघर्ष गाथा, बोलीं- सब जानती हूं, नहीं करूंगी कोई शिकायत

आलिया भट्ट हाल ही में अपनी मां सोनी राजदान के बारे में बात करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने उन चुनौतियों का जिक्र किया, जिनका सामना सोनी ने शुरुआती करियर के दौरान किया। आलिया ने कहा कि इंडस्ट्री से कॉन्टेक्ट्स की कमी और हिंदी भाषा पर पकड़ न होने के बावजूद सोनी राजदान ने एक्टिंग करियर जारी रखा। उन्होंने अपना हुनर दिखाया। इसके अलावा सोनी ने अपने पिता महेश भट्ट

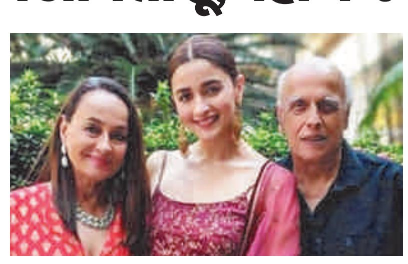

की करियर यात्रा के बारे में भी जानकारी साझा की।

## पिता को लग गई थी शराब की लत

आलिया भट्ट ने महेश भट्ट की अल्कोहल की लत का जिक्र किया। एक मीडिया बातचीत के दौरान आलिया ने कहा कि एक वक्त था, जब उनके पिता महेश भट्ट की कई फिल्में फ्लॉप थीं। उनके पास आर्थिक तंगी थी और वे शराब की लत से जूझ रहे थे। हालांकि, बाद में उन्होंने शराब पीनी छोड़ दी, लेकिन उन्होंने अपने जीवन में तमाम-उतार चढ़ाव देखे हैं।

## बोलीं-कभी नहीं करूंगी शिकायत

आलिया ने कहा कि उनके माता-पिता को इस मुकाम तक पहुंचने में बहुत संघर्ष से गुजरना पड़ा। वह इस संघर्ष को पहचानती हैं। आलिया ने कहा कि अगर उनका करियर अच्छा नहीं चलता, या उन्हें फिल्में मिलनी बंद हो जाती हैं तो भी वह हमेशा इस सच्चाई को स्वीकार करेंगी कि उसे इतने अच्छे अवसर मिले हैं, इसलिए वह कभी शिकायत नहीं कर सकती।

## बोलीं- मां ने मेहनत खूब की

आलिया ने आगे कहा कि उनकी मां जिस बैकग्राउंड से आई थीं, उन्हें नहीं मालूम था कि कैसे काम करना है। उनका फिल्मों से कोई लेना-देना नहीं था। वह ऑडिशन के लिए थिएटर से लेकर फिल्म स्टूडियो और टेलीविजन स्टूडियो तक जाती थीं।

# मलयालम एक्ट्रेस अरुंधति नायर एक्सीडेंट में घायल

मशहूर मलयालम एक्ट्रेस अरुंधति नायर का एक्सीडेंट हो गया है और वो वेंटिलेटर पर हैं। अरुंधति 14 मार्च को एक बड़ी बाइक दुर्घटना का शिकार हो गईं, जब वह अपने भाई के साथ बाइक पर चेन्नई कोवलम बाईपास रोड पर यात्रा कर रही थीं। एक्ट्रेस को एक वाहन ने तब टक्कर मार दी जब वह एक यूट्यूब चैनल के साथ एक इंटरव्यू के बाद लौट रही थीं।

एक्ट्रेस की बहन ने पोस्ट करके लिखा, हमें तमिलनाडु के समाचार पत्रों और टेलीविजन चैनलों में रिपोर्ट की गई खबरों को स्पष्ट करने की आवश्यकता महसूस हुई। मेरी बहन अरुंधति नायर का तीन दिन पहले एक्सीडेंट हो गया था।

वह गंभीर रूप से घायल है और तिरुवनंतपुरम के अनंतपुरी अस्पताल में वेंटिलेटर अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही हैं। अरुंधति की दोस्त और एक्ट्रेस गोपिका अनिल ने फैंस और फॉलोवर्स से पैसों की मदद मांगी क्योंकि इलाज में पैसे कम पड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पोस्ट कर गोपिका ने लिखा, मेरी फ्रेंड अरुंधति नायर का पिछले दिन एक्सीडेंट हो गया और उसकी हालत बहुत गंभीर है। वह वेंटिलेटर पर अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही है, इसलिए अस्पताल का रोज का खर्च वहन करना बहुत मुश्किल हो रहा है।

हम अपना काम कर रहे हैं लेकिन अस्पताल की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पूरा नहीं हो रहा है। मैं आप सभी से अनुरोध करती हूं कि कृपया यथासंभव योगदान दें ताकि यह उनके परिवार के लिए बहुत मददगार हो। बहुत बहुत धन्यवाद।

# मुकेश ने शक्तिमान के रूप में रणवीर को नापसंद

मुकेश खन्ना को भारत के पहले सुपरहीरो शक्तिमान की ऑन-स्क्रीन भूमिका के लिए जाना जाता है। लोगों के सुपरहीरो पर एक बड़े-से-बड़े मोशन पिक्चर की घोषणा के बाद, प्रशंसक इस बात को लेकर उत्साहित थे कि नायक की भूमिका कौन निभाएगा। दिग्गज अभिनेता ने अब एक यूट्यूब वीडियो और एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है, जहां उन्होंने रणवीर सिंह को शक्तिमान के रूप में कास्ट किए जाने की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी और रणवीर सिंह की एक कोलाज तस्वीर साझा की। अभिनेता ने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया, पूरा सोशल मीडिया महीनों से अफवाह है कि भरा पड़ा था कि रणवीर करेगा शक्तिमान। और हर कोई नाराज़ था इसे लेकर। मैं चुप रहा। लेकिन जब चैनलों ने भी एलान करना शुरू कर दिया कि रणवीर साइन हो गया है तो मुझे मुंह खोलना पड़ा और मैंने बोल दिया कि ऐसी इमेज वाला व्यक्ति कितना भी बड़ा स्टार क्यों ना हो शक्तिमान नहीं बन सकता।

मैंने अपना पैर नीचे रख दिया है। अब आगे आगे देखिये होता है क्या? (सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें हैं कि रणवीर सिंह शक्तिमान का किरदार निभाएंगे और हर कोई इस बात से नाराज था। मैं चुप रहा। लेकिन जब चैनलों ने घोषणा करना शुरू कर दिया कि रणवीर को साइन कर लिया गया है, तो मुझे बोलना पड़ा। और मैंने कहा है कि नहीं चाहे वह कितना भी बड़ा स्टार क्यों न हो, ऐसी छवि वाला व्यक्ति कभी शक्तिमान नहीं बन सकता। मैंने अपना कदम नीचे रख दिया है। अब देखते हैं आगे क्या होता है)। मुकेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें उन्होंने पेपर मैगजीन के लिए रणवीर के न्यूड फोटोशूट की आलोचना की। अभिनेता की आलोचना करते हुए मुकेश ने कहा कि ऐसी हरकतें भारतीय संस्कृति के खिलाफ हैं। उन्होंने रणवीर पर निशाना साधते हुए कहा, अगर वह नग्नता में सहज महसूस करते हैं तो उन्हें ऐसे देशों में जाना चाहिए जहां वह हर तीसरे सीन में न्यूड सीन दे सकें।

# मिले जब हम तुम की रति पांडे टीवी से होने के नाते झेल चुकी हैं भेदभाव

टीवी एक्ट्रेस रति पांडे, जो अब खेसारी लाल यादव के साथ 22 मार्च को भोजपुरी फिल्म रंग दं बसंती में नजर आने वाली हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी टीवी की दुनिया से जुड़ी कुछ बातें की हैं। उन्होंने बताया कैसे अपनी पसंद के कारण, अच्छे मौके हाथ से चले गए। मिले जब हम तुम की नुपुर शर्मा और हिटलर दीदी के नाम से मशहूर एक्ट्रेस रति पांडे 22 मार्च को अपनी भोजपुरी फिल्म रंग दे बसंती में नजर आने वाली हैं। उसी के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने अपने साथ होने वाले भेदभाव का भी जिक्र किया। साथ ही इन्होंने कई प्रोजेक्ट्स को हाथ से जाने के बारे में भी बताया।

रति पांडे ने एक इंटरव्यू में प्रोजेक्ट्स को खोने का अफसोस जताया। कहा, मेरा मानना है कि मिले जब हम तुम और हिटलर दीदी मेरी लाइफ का सबसे अच्छा पल था और मैंने उस दौर को खूब इंजॉय भी किया। उसके बाद मेरी चॉइस ऐसी थी कि डाउनफॉल भी आया। कई बार ऐसा लगता है कि अगर थोड़े पैसे कम करके वो प्रोजेक्ट कर लेती तो अच्छा होता।। लेकिन बीच में जितने भी डाउनफॉल आए हैं, मैं उसके लिए मैं यूनिवर्स को थैंक यू कहती हूं कि मेहरबानी हमेशा बनी रही। मैं एक बात में विश्वास करती हूं कि जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है।

# सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा का मंडे टेस्ट में हुआ बुरा

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा बॉक्स ऑफिस पर धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ती जा रही है। फर्स्ट वीकेंड में फिल्म की कमाई का आंकड़ा लगातार बेहतर होता गया है लेकिन सोमवार को फिल्म की कमाई में फिर एक बार बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

यूं तो किसी भी फिल्म के लिए मंडे टेस्ट पास कर पाना आसान नहीं होता है, लेकिन जब बात किसी छोटे या मध्यम बजट वाली फिल्म की हो, तो कमाई के आंकड़े बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। फिल्म ने रिलीज वाले दिन 4 करोड़ 1 लाख रुपये का बिजनेस किया था और दूसरे ही दिन कमाई में 40% से ज्यादा की ग्रोथ देखने मिली।

रिलीज के बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई का आंकड़ा उछलकर 5 करोड़ 75 लाख रुपये हो गया। तीसरे दिन फिल्म की कमाई में फिर से 21.75त्न की ग्रोथ आई और कमाई का आंकड़ा उछलकर 7 करोड़ तक पहुंच गया। फर्स्ट वीकेंड खत्म होने तक फिल्म 16 करोड़ 85 लाख रुपये कमा चुकी थी।

# केएल राहुल को IPL 2024 में खेलने के लिए मिली मंजूरी

## ...लेकिन नहीं कर सकेंगे ये काम !

**नईदिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2024 की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने केएल राहुल को इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में खेलने के लिए मंजूरी दे दी है। लेकिन नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उन्हें लीग के शुरुआती मैचों में एक काम ना करने के लिए भी कहा है।

### केएल राहुल को NCA से मिली मंजूरी

लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल को नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से आईपीएल में खेलने की मंजूरी मिल गई है। लेकिन उन्हें शुरू में ही ज्यादा कार्यभार नहीं लेने की सलाह दी गई है। नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उन्हें लीग के शुरुआती मैचों में विकेटकीपिंग नहीं करने की सलाह दी है। ऐसे में वह इस सीजन के शुरुआती मैचों में एक बल्लेबाज के तौर पर खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

### इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी चोट

राहुल इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके तीसरे मैच के लिए टीम से जुड़ने की संभावना थी लेकिन मांसपेशियों में अकड़न के कारण वह बाकी मैचों में भी नहीं खेल पाए। राहुल ने हाल ही में एनसीए में बल्लेबाजी, विकेटकीपिंग से जुड़ी ड्रिल और आउटफील्ड में फिल्डिंग का अभ्यास करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था और अब वह वापसी के लिए भी तैयार हैं।

# वानिंदु हसरंगा ने टेस्ट रिटायरमेंट लिया वापस

## खेलेंगे बांग्लादेश सीरीज, IPL 2024 के कुछ मैचों से कटा पत्ता

**नईदिल्ली, एजेंसी।** श्रीलंका के धाकड़ लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट वापस ले लिया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मैदान पर उतरने जा रहे हैं। यह सीरीज 22 मार्च से 3 अप्रैल तक चलेगी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार (18 मार्च) को आगामी सीरीज के लिए 17 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान किया है, जिसमें 26 वर्षीय हसरंगा का नाम भी शामिल है। उन्होंने पिछले साल 15 अगस्त को टेस्ट

रिटायरमेंट की घोषणा की थी। श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हार का मुंह देखा पड़ा है। हसरंगा ने टेस्ट से संन्यास की घोषणा के समय कहा था कि उन्होंने लिमिटेड ओवरों के क्रिकेट में अपना करियर लंबा खींचने के लिए यह निर्णय लिया है। लेकिन उन्होंने सात महीने में अपना फैसला पलट दिया। हसरंगा ने श्रीलंका के लिए अब तक चार टेस्ट मैचों में चार विकेट चटकाए हैं। वह आखिरी बार सबसे लंबे फॉर्मेट में 2021 में बांग्लादेश के विरुद्ध के विरुद्ध ही खेले थे। उन्होंने 54 वनडे में 84 विकेट जबकि 65 टी20 इंटनरेशनल मैचों में 104 विकेट लिए हैं। वह श्रीलंका की टी20 टीम के कप्तान हैं।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खेलने के चलते हसरंगा का आईपीएल 2024 के कुछ मैचों से पत्ता कट जाएगा। आईपीएल का 17वां सीजन 22 मार्च से शुरू होने जा रहा है। हसरंगा सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएए) का हिस्सा हैं। उन्हें एसआरएच ने नीलामी में 1.5 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में खरीदा था। एसआरएच टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 23 मार्च को करेगी। हैदराबाद को पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ना है। एसएरएच ने एडेन मार्कराम की जगह पैट कमिंस को कप्तान नियुक्त किया है।

**बांग्लादेश सीरीज के लिए श्रीलंका टेस्ट स्क्वॉड:** धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कुसल मेंडिस (उपकप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, दिनेश चंडीमल, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, लाहिरू उदारा, वानिंदु हसरंगा, प्रभात जयसूर्या, निशान मदुष्का, एंजेलो मैथ्यूज, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, चमिका गुणसेकरा, रमेश मेंडिस, निशान पेइरिस, कासुन राजिथा।

# IPL 2024 से पहले BCCI ने ध्रुव जुरेल और सरफराज खान को दी खुशखबरी

## इस खास लिस्ट में किया शामिल

**नईदिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग यानी IPL के 2024 के सीजन से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी BCCI ने विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और मध्य क्रम के बल्लेबाज सरफराज खान को एक बड़ी खुशखबरी दी है। इन दोनों खिलाड़ियों को एक स्पेशल लिस्ट में शामिल किया गया है। धर्मशाला में लगातार तीसरा टेस्ट मैच खेलने के बाद ध्रुव जुरेल और सरफराज खान को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में शामिल किया है, जो 2023-24 के लिए बनाई गई थी। बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के बाद सालाना अनुबंध की सूची जारी की थी तो उसमें ये भी बताया था कि जैसे ही ध्रुव जुरेल और सरफराज खान धर्मशाला में अपने लगातार तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे तो उनको ऑटोमैटिक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल कर लिया है। बीसीसीआई ने इन दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड सी में रखा है, जहां सालाना एक करोड़ रुपये खिलाड़ी को सैलरी के रूप में मिलते हैं।

ध्रुव जुरेल और सरफराज खान ने राजकोट टेस्ट मैच में डेब्यू किया था। दोनों खिलाड़ियों ने पहले ही टेस्ट से दमदार प्रदर्शन किया और सभी का दिल जीता। सरफराज खान ने अपने डेब्यू मैच की पहली और दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ा, जबकि ध्रुव जुरेल ने डेब्यू टेस्ट मैच की पहली पारी में ही 46 रन बना दिए। ध्रुव जुरेल से पहले केएस भरत विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, लेकिन वे अपने करियर में कभी भी अर्धशतक नहीं जड़ पाए थे।

वहीं, जुरेल ने दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 90 रनों की पारी खेली और केएस भरत के लिए टेस्ट टीम के दरवाजे बंद कर दिए। जुरेल ने अगली पारी में दमदार खेल दिखाया और 35 रन बनाए। टीम इंडिया को रांची में खेले गए टेस्ट मैच में एक समय कठिनाई महसूस हुई थी, लेकिन शुभमन गिल के साथ ध्रुव जुरेल ने टेंपरामेंट दिखाते हुए दमदार बल्लेबाजी की और टीम को जीत दिलाई। अगले मैच में सरफराज खान ने फिफ्टी ठोकी।

## IND vs PAK

### वह शीर्ष जेवलिन थ्रोअर हैं...

# पाकिस्तान के नदीम का भाला टूटा तो नीरज ने नए को लेकर दी यह सलाह

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम भालाफेंक की दुनिया के स्टार एथलीट हैं। हालांकि, किसी किसी इवेंट में दोनों की दोस्ती भी देखने को मिल जाती है। मौका मिलने पर नीरज नदीम की मदद करने से कभी नहीं थकते हैं। चाहे वह टोक्यो ओलंपिक हो या फिर विश्व चैंपियनशिप नीरज को नदीम से हाथ मिलाते और गले मिलते देखा गया था।

दोनों ही टूर्नामेंट के इतर अपनी खुशमिजाजी और सौहार्द के लिए जाने जाते हैं। दोनों मैदान में भयंकर प्रतियोगी हो सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए अपने मन में सम्मान रखते हैं। अरशद नदीम और नीरज चोपड़ा दोनों आगामी सीजन के लिए तैयारी कर रहे हैं। चोपड़ा इस समय तुर्किये में ट्रेनिंग कर रहे हैं, जबकि 27 वर्षीय नदीम की तैयारियों में रोड़ा अटक गया है। पाकिस्तानी खिलाड़ी ने हाल ही में कहा था कि वह कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर का भाला लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पिछले सात से आठ साल से पुराने का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, नीरज यह सुनकर हैरान हैं।

पिछले साल बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नदीम को पीछे छोड़ स्वर्ण जीतने वाले नीरज ने हाल ही में साई मीडिया के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, यह विश्वास करना कठिन है कि वह एक नया भाला हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी साख को देखते हुए, यह एक बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए। बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में नीरज के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले अरशद नदीम ने हाल ही में मीडिया से कहा था, मेरा भाला टूट गया है और मैंने राष्ट्रीय महासंघ और मेरे कोच से पेरिस ओलंपिक से पहले इसके बारे में कुछ करने के लिए कहा है। नदीम ने कहा, जब मैंने 2015 में शुरुआत की थी, तभी मुझे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने के लिए मुझे यह भाला मिला था। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने का लक्ष्य रखने वाले एक अंतरराष्ट्रीय एथलीट के लिए आपको उचित उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाओं को मुहैया कराने की आवश्यकता होती है। नीरज के पूरे प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय दौरों का खर्च भारतीय खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम द्वारा दिया जाता है। उन्हें लगता है कि नदीम पाकिस्तान का गौरव हैं और उनका समर्थन किया जाना चाहिए।

90.18 मीटर थ्रो के साथ अरशद नदीम ने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष स्थान हासिल किया था। साथ ही एक नया भाला फेंक रिकॉर्ड बनाया था।

## केन्या वर्सेस साउथ अफ्रीका

# फिर उलटफेर का शिकार हुई साउथ अफ्रीका, अब केन्या ने 70 रन से हराकर किया शर्मसार

**नईदिल्ली, एजेंसी।** आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 में हमने बड़ी-बड़ी टीमों के साथ उलटफेर होते हुए देखा है। साउथ अफ्रीका को नीदरलैंड्स ने हराकर सबको हैरान कर दिया था। वहीं अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को धूल चटा दी थी। हालांकि अब अफ्रिकन गेम्स (अफ्रिका खेलों) में भी कुछ इसी तरह का मंजर फिर देखने को मिला। केन्या ने साउथ अफ्रीका को 70 रन से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। आखिर यह सब कैसे और किस तरह हुआ, आइये विस्तार से जानते हैं।

### केन्या ने पहली पारी में बनाए 141 रन

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए, केन्या ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 141 रन बनाए। 2003 आईसीसी विश्व कप के दिग्गज कोलिन्स ओबुया ने 47 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें उनके बल्ले से 7 चौके और 2 छक्के भी देखने को मिले। वहीं केन्या के मौजूदा कप्तान राकेप पटेल ने 25

गेंदों पर 28 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के हेनरिच पीटरस ने दो विकेट लिए। इसके अलावा डीलन बेस्टर, जेसन और जेसे प्रोडेल ने 1-1 विकेट लिया। हालांकि जैसे-तैसे केन्या एक डीसेंट टोटल तक पहुंच गई। उन्होंने साउथ अफ्रीका के सामने 142 रन का टारगेट रख दिया।

### 71 रन पर ढेर हुई साउथ अफ्रीका

142 रन के टारगेट का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका सिर्फ 71 रन पर ऑल आउट हो गई। उनकी इस निराशाजनक बल्लेबाजी और केन्या की गजब गेंदबाजी ने सबको हैरान कर दिया। साउथ अफ्रीका 15 ओवर में सिर्फ 71 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। केन्या के आरनव पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महज 15 रन देकर 5 विकेट लिए, जिससे दक्षिण अफ्रीका का बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। वैन हीर्डन और कीगन लायन-कैशेट के बीच 36 रनों की एक छोटी साझेदारी के बावजूद, दक्षिण अफ्रीका की टीम लड़खड़ा गई और उन्होंने अपने आखिरी सात विकेट केवल 16 रन के अंदर-अंदर गंवा दिए।

साउथ अफ्रीका के लिए सर्वाधिक 22 रन कप्तान वैन हीर्डन ने ही बनाए। केन्या के लिए आरनव के अलावा लुकस और शेम ने 2-2 विकेट जबकि जेरार्ड मवेंदवा ने 1 विकेट लिया। बता दें कि साउथ अफ्रीका अपने अगले मैच में युगांडा का सामना करेगा। वहीं केन्या अपने फाइनल ग्रुप मैच में मेजबान टीम घाना से लोहा लेगी।

# Football: अमेरिका में दोस्ताना मुकाबलों से पहले अर्जेंटीना को लगा बड़ा झटका, मेसी चोटिल होकर हुए बाहर

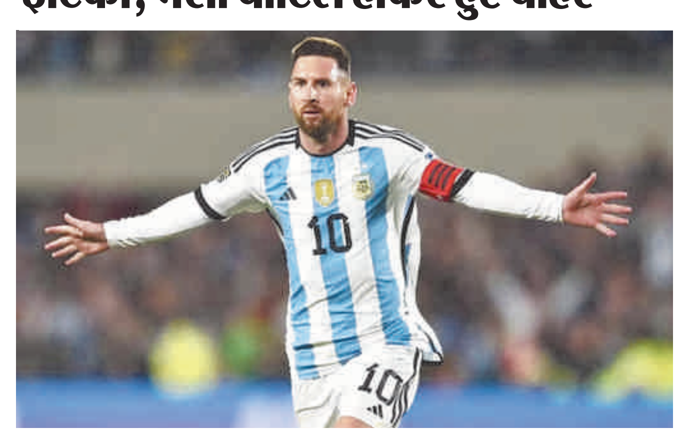

**नईदिल्ली, एजेंसी।** आठ बार के बैलन डी ओर विजेता मेसी शुक्रवार को अल सल्वाडोर के खिलाफ फिलेडेल्फिया में और उसके बाद 26 मार्च को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले को मिस करेंगे।

लियोनेल मेसी आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में अल सल्वाडोर और कोस्टा रिका के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैचों से बाहर हो गए हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने मेसी की हैमस्ट्रिंग चोट के संबंध में एक बयान जारी किया है जिसने उन्हें आगामी दो प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया है। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी शुक्रवार को अल सल्वाडोर के खिलाफ फिलेडेल्फिया में और उसके बाद 26 मार्च को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले को मिस करेंगे।

उनके क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना दोनों उनके साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों मैच जून-जुलाई में कोपा अमेरिका के लिए अर्जेंटीना की तैयारियों को लेकर वार्मअप मैच हैं। कोपा अमेरिका भी इस साल अमेरिका में ही खेला जाएगा।

## IPL 2024

# आरसीबी प्री-सीजन कैंप में शामिल हुए विराट, झूम उठे फैंस

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल 2024 से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के प्री-सीजन कैंप में शामिल हो गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने स्टार बल्लेबाज का स्वागत करने के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट किया। आरसीबी ने एक ट्वीट में कहा कि डैडी का घर और वह फिर से शासन करने के लिए तैयार है विराट कोहली ने नम्मा बेंगलुरु में चेक इन किया और हम शांत नहीं रह सकते।

हर कोई खुश है। पूर्व कप्तान को प्रशिक्षण लेते हुए भी देखा गया था। आरसीबी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कोहली ने कहा कि वापस आकर वास्तव में अच्छा लग रहा है, सबसे पहले क्रिकेट खेलना और आईपीएल की शुरुआत करना। आईपीएल सीजन की शुरुआत के लिए बैंगलोर वापस आना हमेशा रोमांचक होता है। मैं मीडिया के रडार से दूर नहीं हूं। मैं सामान्य स्थिति में हूं, आप कह सकते हैं कि दो महीने हो गए हैं।

इसलिए मैं वापस आकर काफी खुश और उत्साहित हूं और मुझे उम्मीद है कि सभी प्रशंसक भी उत्साहित और खुश होंगे। कोहली अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ रहने के लिए क्रिकेट से दूर रहे। जब कोहली और अनुष्का ने अपने जीवन में अपने बेटे अकाय का स्वागत किया तो क्रिकेट जगत खुशी से झूम उठा।

# पाकिस्तान से शिफ्ट की जाएगी ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025?

## PCB चेयरमैन ने दिया ये बयान

**नईदिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी का कहना है कि वह अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी को अपने देश से बाहर शिफ्ट करने के बारे में सोच भी नहीं रहे। इस टूर्नामेंट के आयोजन में भारत की भागीदारी एक ऐसा विषय है, जिस पर कभी भी अटकलें खत्म नहीं होंगी। अगर बीसीसीआई भारत की टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार करती है तो फिर पाकिस्तान को मजबूरी में चैंपियंस ट्रॉफी को अपने देश से बाहर आयोजित करना पड़ सकता है या फिर एशिया कप 2023 की तरह हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित करना पड़ सकता है।

सोमवार को पाकिस्तान सुपर लीग के फाइनल के दौरान मीडिया कॉन्फ्रेंस में मोहसिन नकवी ने इस बात की पुष्टि की कि पिछले सप्ताह दुबई में आईसीसी की मीटिंग के इतर उन्होंने बीसीसीआई सचिव जय शाह से बात की। उन्होंने कहा, हां, हमने कुछ देर तक बात की और यह सौहार्दपूर्ण थी, लेकिन क्या चर्चा हुई इसका ब्योरा देना मूर्खतापूर्ण होगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान की यात्रा करने में भारत की अनिच्छा के कारण टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया जाएगा? इस पर नकवी ने कहा, मैं इस बारे में सोच भी नहीं रहा हूं। हमें विश्वास है कि हम पाकिस्तान में निर्धारित समय पर चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेंगे। उनका ये कमेंट आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य द्वारा हाल ही में बताए जाने के बाद आया है कि वह भारत से पाकिस्तान की यात्रा पर जाने के लिए नहीं कहेगा, क्योंकि ये फैसला दोनों देशों की सरकारों को करना है। नकवी ने कहा कि कार्यक्रम नजदीक आने पर पीसीबी भी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि कराची, लाहौर और रावलपिंडी में तीन स्टेडियम, जो सबसे अधिक चैंपियंस ट्रॉफी मैचों की मेजबानी करेंगे, उनका नवीनीकरण किया जाएगा। नवंबर 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों (जिसमें 150 से अधिक लोग मारे गए थे) के बाद से भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट में भाग नहीं लिया है।

2012 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। इसके बाद से दोनों टीमें सिर्फ एसीसी या आईसीसी इवेंट में आमने-सामने होती हैं। यहां तक कि पिछले साल का एशिया कप पाकिस्तान में आयोजित होना था, लेकिन इसे हाइब्रिड तरीके से आयोजित करना पड़ा था, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। ऐसे में कुछ मैच पाकिस्तान में खेले गए थे और बाकी के मैच श्रीलंका में आयोजित हुए थे।

## संक्षिप्त समाचार

### कोच्चि में नियमित प्रशिक्षण के दौरान रिमोट संचालित विमान दुर्घटनाग्रस्त

**नई दिल्ली।** भारतीय नौसेना का एक रिमोट संचालित विमान सोमवार शाम करीब पांच बजे कोच्चि में आईएनएस गरुड़ पर एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समाचार एजेंसी एएनआई ने भारतीय नौसेना के हवाले से यह जानकारी दी है। नौसेना ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। भारतीय नौसेना ने कहा कि यह हादसा उस समय हुआ जब आईएनएस गरुड़ पर एक रिमोट संचालित विमान को नियमित प्रशिक्षण के लिए उड़ाया जा रहा है। नौसेना के मुताबिक, इस हादसे में किसी के घायल होने या फिर किसी तरह की संपत्ति के नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। इस घटना पर नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं।

### केरल हाई कोर्ट ने ईडी से सहकारी बैंक घोटाला मामले की जांच में तेजी लाने को कहा

**कोच्चि , एजेंसी।** केरल हाई कोर्ट ने सोमवार को ईडी से करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक से जुड़े करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच में तेजी लाने को कहा है। जस्टिस देवन रामचंद्रन ने मामले की जांच पूरी करने में देरी पर नाराजगी व्यक्त की, जिसमें ईडी ने दावा किया है कि कई आरोपित सत्तारूढ़ राजनीतिक दल सीपीआई (एम) के पदाधिकारी और सदस्य हैं। इस बीच, एजेंसी ने कोर्ट से कहा कि जांच में न्यायिक हस्तक्षेप देरी का कारण है। इसमें कहा गया है कि एक अदालत ने सहकारी रजिस्ट्रार से पूछताछ पर रोक लगा दी है। ईडी ने अदालत को यह भी बताया कि राज्य के 12 अन्य सहकारी बैंकों के लेनदेन की जांच चल रही है। कोर्ट की यह टिप्पणी एक आरोपित द्वारा ईडी के कुर्की आदेश को चुनौती देने और उसके बैंक खातों को डी फ्रीज करने की मांग करने वाली याचिका पर आई। ईडी ने पहले हाई कोर्ट के समक्ष दावा किया था कि करुवन्नूर सहकारी बैंक में अनियमितताएं सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के नेताओं के इशारे पर की गई थीं।

### मेले में अब तक 20 लाख से अधिक भक्तों ने किए दर्शन, ऐसी है व्यवस्थाएं

**सीकर, एजेंसी।** राजस्थान में खाटू मेला परवान पर है। सीकर जिला स्थित खाटू श्याम मेले में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। खाटू मेला में इस बार प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम किए है। श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की है। श्रद्धा भक्ति और आस्था के रंग में रंगे लाखों श्याम भक्त बाबा के दरबार में हाजिर लगा चुके हैं। श्री श्याम मंदिर कमेटी के अनुसार अब तक करीब 20 लाख से अधिक श्रद्धालु खाटू श्याम के दर्शन कर चुके है। सोमवार को करीब दो लाख पचास हजार श्रद्धालु दर्शन करने खाटूश्यामजी पहुंचे। बता दें कि जैसे-जैसे एकादशी नजदीक आ रही है भक्तों की भीड़ खाटू श्याम जी में लगातार बढ़ रही है। हाथों में केसरिया निशान थामें बाबा श्याम के भक्त जयकारा लगाते हुए नाचते गाते बाबा श्याम के दरबार पहुंच रहे हैं। श्याम भक्तों की सेवा के लिए रास्ते में जगह-जगह पर शिविर चल रहे हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देशभर से श्याम भक्त बड़ी संख्या में शीश के दानी को रिझाने व अपने मन की मुराद को पुरी करने के लिए बाबा श्याम की एक झलक पाने को बेताब है। रिंगस से पैदल और पलसाना से वाहन से बड़ी संख्या में श्रद्धालु खाटू श्याम पहुंच रहे हैं। श्री श्याम मंदिर कमेटी की ओर से भी मंदिर को सजाने व संवारने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई है। देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता पूर्वक दर्शन हो सके, इसके लिए श्री श्याम मंदिर कमेटी की तरफ से लखदातार ग्राउंड का निर्माण कराया गया है। मंदिर कमेटी के अनुसार करीब 40 करोड़ की लागत से इस मेला ग्राउंड का निर्माण किया गया है जिसमें एक लाख श्याम भक्तों की क्षमता रहेगी। लखदातार मेला ग्राउंड में बरसात में धूप से बचने के लिए डोम के साथ ही अनेक सुविधाएं हैं।

# अतिरिक्त समय ने कम किया भाजपा और शिअद पर दबाव, दोनों दलों की रणनीति पर है कांग्रेस की नजर

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
पंजाब में सभी की नजर इस पर है कि भाजपा व शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के गठबंधन की घोषणा कब होगी। दरअसल, पंजाब में चुनाव अंतिम चरण यानी एक जून को होने के कारण दोनों ही दल किसी जल्दबाजी में नहीं हैं।

दोनों ही दलों को उम्मीद है कि आचार संहिता लागू होने के बाद अब किसान संगठन शंभू और खनौरी बार्डर पर से अपना धरना समाप्त कर सकते हैंधरना खत्म होने पर ही गठबंधन की घोषणा की जाए तो ठीक रहेगा। वहीं, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस भी इसी बात का इंतजार कर रही है।

शिअद किसानों के मुद्दे पर ही भाजपा से अलग हुआ था। अतः गठबंधन से पहले वह आश्वस्त हो जाना चाहता है कि गांवों में उसका खोया जनाधार वापस आ जाएगा। शिअद की परेशानी यह है कि शहरी क्षेत्र उसके लिए हमेशा ही कमजोर कड़ी रहे हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में यही स्थिति भाजपा की है। भाजपा शहरों में तो बेहतर प्रदर्शन करती है। मगर गांव में उसका प्रदर्शन खराब हो जाता है।

ऐसे में अकाली दल से गठबंधन के दौरान शिअद ग्रामीण और भाजपा शहरी क्षेत्रों की राजनीति करती थी। अकाली दल से गठबंधन टूटने और तीन कृषि सुधार कानूनों को वापस लेने के बाद भाजपा ने गांव में जाने की राह तो बनाई, लेकिन बीती 13 फरवरी को किसान संगठनों द्वारा पुनः संघर्ष शुरू करने से भाजपा की परेशानी बढ़ गई।

हालांकि, किसान संगठनों को 2020 के मुकाबले पंजाब में समर्थन नहीं मिला, लेकिन भाजपा कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। इसलिए गठबंधन को लेकर वह अभी और इंतजार के मूड में है। भाजपा चाहती है कि गठबंधन होने पर ग्रामीण क्षेत्रों में शिअद के माध्यम से पार्टी को आधार मिल जाए।

गठबंधन की संभावनाओं को देखते हुए ही शिअद ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। अन्यथा शिअद पंजाब में पहला ऐसा दल होता था, जो सबसे पहले अपने प्रत्याशियों की घोषणा करता था।

शिअद के इतिहास पर अगर नजर डालें तो चुनाव की घोषणा से दो-दो माह पहले ही वह अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर देता था, लेकिन इस बार तस्वीर बदली हुई है। पंजाब में केवल आम आदमी पार्टी (आप) ही है, जिसने 13 में से आठ लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है। अन्य पांच पर भी वह जल्द ही घोषणा करने जा रही है। शिअद और भाजपा जहां अनुकूल समय का इंतजार कर रहे हैं तो कांग्रेस की नजर इन दोनों पार्टियों पर लगी हुई हैंकांग्रेस इस बात का इंतजार कर रही है कि शिअद-भाजपा की रणनीति कैसी रहती है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग का कहना है दोनों पार्टियों का तो गठबंधन हो ही चुका है। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बताते हैं, चुनाव अंतिम चरण में हैं। इसलिए अभी इंतजार करना ही बेहतर है। कांग्रेस के सामने यह भी परेशानी है कि उसकी पार्टी में टूट का क्रम जारी है। पहले बस्सी पठाना से पूर्व विधायक गुरप्रीत जीपी गए और बाद में चब्बेवाल के विधायक डॉ. राजकुमार चब्बेवाल। वहीं, सत्तारूढ़ पार्टी की नजर फिरोजपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के एक नेता पर टिकी हुई है। कांग्रेस टिकटों के आवंटन से पहले आश्वस्त हो जाना चाहती है कि नेताओं द्वारा पार्टी छोड़ने का सिलसिला थम जाए।

### सचिन पायलट के गढ़ में इस बार भाजपा का पलड़ा भारी?

**दौसा, एजेंसी।** पूर्वी राजस्थान की सियासत का केंद्र बिंदु कहे जाने वाले दौसा में सचिन पायलट की प्रतिष्ठा दांव पर है। दौसा को पायलट फैमिली का गढ़ माना जाता है। लेकिन लगातार तीन बार से यहां से कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी चर्चा है बीजेपी इस बार दौसा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काट सकती है। किरोड़ी लाल के भाई जगमोहन मीणा को मिल सकता है। जबकि कांग्रेस सचिन पायलट कैंप के विधायक मुरारी लाल मीणा को टिकट दे सकती है। पिछले चुनाव में मुरारी लाल की पत्नी बहुत कम मतों के अंतर से चुनाव हार गई थी। लेकिन इस बार हालात बदले-बदले नजर आ रहे है। कांग्रेस इस बार बीजेपी को कड़ी चुनौती दे सकती है।

सियासी जानकारों का कहना है कि दौसा से टिकट उसी को मिलेगा, जिसे सचिन पायलट पंसद करते है। कांग्रेस की तरफ से सेवानिवृत्त आईएएस प्रभु दयाल मीणा और टीकाराम मीणा भी दावेदारी जता रहे है। टीकाराम मीणा केरल में अहम पदों पर रहे है। ऐसे में माना जा रहा है कि केसी वेणुगोपाल के मार्फत टिकट लाने की कोशिश कर रहे है। जबकि प्रभु दयाल मीणा पूर्व रक्षा सचिव रहे है। कांग्रेस के बड़े नेताओं से अच्छे संपर्क है। सचिन पायलट के समर्थक नरेश मीणा भी दावेदारी जता रहे है।

दौसा सीट एसटी के लिए रिजर्व है। ऐसे में यहां आमतौर पर मीणा बनान अन्य जातियों के बीच मुकाबला माना जाता रहा है। मीणा-गुर्जर, माली और एससी के मतदता ज्यादा है। गहलोत की वजह से माली समुदाय के वोट कांग्रेस को मिलने लगे है। जबकि गुर्जर वोट कांग्रेस के माने जाते है। मीणा वोट पर बीजेपी सेंध लगाने में सफल रही है। पिछले चुनावों आंकड़ों के हिसाब से मीणा वोटर्स पर बीजेपी ने सेंध लगा दी है। जबकि आमतौर पर मीणाओं को कांग्रेस को वोटर माना जाता रहा है। लेकिन हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली है। ब्राह्मण वोटर किसी जमाने में कांग्रेस के थे, लेकिन अब बिखरे हुए है। दोनों दलों से टिकट पाने के लिए दावेदारों ने एड़ी से चोटी का जोर लगा रखा है।

### दिल्ली में टैरो कार्ड रीडर से दुष्कर्म, दोस्त ने मीटिंग के बहाने बुलाकर लूटी आबरू

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण दिल्ली के नेब सराय में एक टैरो कार्ड रीडर के साथ बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी व्यक्ति गौरव अग्रवाल महिला का परिचित बताया जा रहा है। एफआईआर दर्ज कराए जाने के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच करने और आरोपी को पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली के नेब सराय में 36 वर्षीय एक महिला टैरो कार्ड रीडर के साथ एक व्यक्ति ने कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने महिला को संपत्ति बेचने में मदद करने का वादा किया था। इसके बाद में उसने ज्योतिष सीखने के बहाने महिला से दोस्ती कर ली। महिला ने 11 फरवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसके एक परिचित ने उसके साथ बलात्कार किया।

पुलिस के मुताबिक, महिला ने जनवरी 2024 में एक प्लॉट की बिक्री के संबंध में मालवीय नगर निवासी गौरव अग्रवाल से संपर्क किया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, गौरव शिकायतकर्ता के घर आय और उसे आश्वासन दिया कि वह उसकी संपत्ति बेचने में मदद करेगा। पुलिस अधिकारी ने कहा, आरोपी को यह भी पता चला कि महिला को ज्योतिष में रुचि है और उसने उससे मेलजोल बढ़ाने के लिए ज्योतिष सीखने के बहाने उसे फोन करना शुरू कर दिया। 24 जनवरी को गौरव अग्रवाल ने महिला को मिलने बुलाया और प्लॉट का सौदा तय करने के बहाने नेब सराय में अपने एक दोस्त के घर ले गया। अधिकारी ने बताया कि वहां उसने उसके ड्रिंक में कथित तौर पर कुछ मिला दिया, जिससे वह बेहोश हो गई और फिर उसने उसके साथ बलात्कार किया। पीड़ित महिला द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में कहा गया है, मैं गौरव को दो साल से जानती हूं, क्योंकि हम दोनों के बच्चे एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। इसके चलते हमारे परिवारों में दोस्ती हो गई थी।

# स्वैग और भौकाल के लिए रेव पार्टी करता था एल्विश यादव?

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
रेव पार्टी में सांपों का जहर की सप्लाई करने लेकर नोएडा पुलिस ने रविवार को बिग बॉस ओटीटी के विजेता और मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव को गिरफ्तार कर लिया। नोएडा पुलिस का कहना है कि पैसा कमाने के अलावा एल्विश ने ऐसा दिल्ली-एनसीआर में अपना सोशल मीडिया फैन बेस बढ़ाने और स्वैग दिखाने के लिए किया। गिरफ्तारी के बाद यादव को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, पूछताछ के दौरान, यादव ने आरोप स्वीकार नहीं किएज् लेकिन हमारे पास बहुत सबूत हैं। उसे यह दिखाना था कि उसके पास स्वैग या भौकाल है। वह अपने फैंस के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनाना चाहता था जो कानूनी एजेंसियों (लॉ इनफोर्समेंट) से डरता नहीं है और वह जो चाहे कर सकता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उन्हें यादव से जुड़ी छह से ज्यादा पार्टियों में सांप के जहर के इस्तेमाल के सबूत मिले हैं। जांच में शामिल अधिकारियों का कहना है कि कुछ पार्टियों में वह खुद शामिल हुआ था। एक अधिकारी ने कहा, जो लोग इन पार्टियों में शामिल हुए थे, उनकी पहचान की जा रही है। सांप के जहर का इस्तेमाल करने को लेकर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। यह मामला पिछले साल तीन नवंबर को भाजपा की सुल्तानपुर सांसद मेनका गांधी द्वारा संचालित एक गैर सरकारी संगठन पीपल फॉर एनिमल्स की सूचना के बाद सामने आया था। जिसके बाद पुलिस ने नोएडा सेक्टर-51 में एक बैंक्वेट हॉल से पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। एफआईआर में आरोपी के तौर पर यादव का नाम सामने आया था। हालांकि उसे उस वक्त गिरफ्तार नहीं किया गया था।

मामले से संबंधित एफआईआर में लिखा है, हमें जानकारी मिली है कि एक यूट्यूबर एल्विश यादव, गिरोह के अन्य सदस्यों/यूट्यूबर्स के साथ नोएडा-एनसीआर के फार्महाउसों में सांप के जहर और जिंदा सांपों के साथ वीडियो शूट करता है और अवैध रूप से रेव पार्टियों का आयोजन करता है। पुलिस ने 20 मिलीलीटर सांप का जहर, पांच कोबरा, एक अजगर, दो सिर वाले दो सांप और एक रैट स्नेक बरामद किए थे। उन्होंने बताया कि जयपुर की फोरेंसिक लैब में भेजे गए नमूनों में क्रेट जहर पाया गया। मॉल में सागर ठाकुर से मारपीट के मामले में आरोपी एल्विश यादव को नोएडा से गुरुग्राम पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर लाएगी। इसके लिए जल्द ही पुलिस अदालत में याचिका दायर करेगी। प्रोडक्शन वारंट पर लाने के बाद एल्विश को मारपीट मामले में गिरफ्तार कर पूछताछ की जाएगी। उसके साथ कौन-कौन शामिल थे।

## कांग्रेस नेता सतीशन ने सीएम विजयन पर भाजपा के लिए गुंजाइश बनाने का लगाया आरोप

**तिरुअनंतपुरम एजेंसी।**
केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने सोमवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर राज्य में भाजपा के लिए गुंजाइश बनाने का आरोप लगाया है। तिरुवनंतपुरम के समीप अत्तिंगल में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए सतीशन ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य में अपना पैर नहीं जमा पायेगी।

उन्होंने एलडीएफ के संयोजक ईपी जयराजन के पिछले बयान का भी हवाला दिया कि केरल में कई निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा दूसरे नंबर पर आयेगी और उसके कई प्रत्याशी अच्छे हैं। उन्होंने कहा कि माकपा के नेता जयराजन ने जो कुछ कहा है, वैसा कोई विचार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के सुरेंद्रन या उनकी पार्टी ने व्यक्त नहीं किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विजयन केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को खुश करने के लिए बेचारे जयराजन को ऐसा बयान देने के लिए बाध्य कर रहे हैं। सतीशन ने कहा कि विजयन विभिन्न मामलों में जांच को लेकर डरे हैं, इसलिए वह भाजपा के लिए गुजाइंश पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि न तो माकपा ने और न ही मुख्यमंत्री ने इन आरोपों पर कोई जवाब दिया है। सतीसन ने सीपीआई (एम) और भाजपा के बीच एक सांठगांठ का आरोप लगाया और कहा कि सीबीआई और ईडी सीएम विजयन से पूछताछ नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लवलिन मामले को 38 बार टाला गया, इससे यह साबित होता है कि दोनों के बीच सांठगांठ है। त्रिशूर लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले का उल्लेख करते हुए सतीशन ने दावा किया कि मध्य केरल की इस सीट पर यूडीएफ का उम्मीदवार विजयी होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा केरल में कहीं पैर नहीं जमा पायेगी। यदि भाजपा और माकपा आपस में हाथ मिला लेती हैं तो भी यूडीएफ उम्मीदवार त्रिशूर में विजयी होगा।

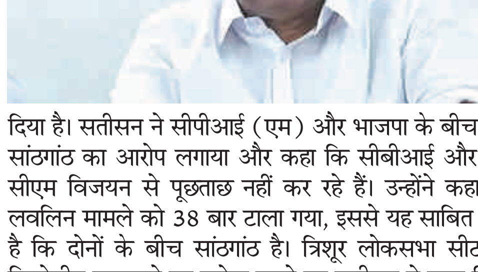

## बसपा छोड़ने वाले पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रवीण कुमार बीआरएस में शामिल

**हैदराबाद, एजेंसी।** बहुजन समाज पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद पूर्व आईपीएस अधिकारी आर.एस. प्रवीण कुमार सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए। वह अपने कई समर्थकों के साथ सिद्दीपेट जिले के एर्रावेल्ली स्थित फार्महाउस में पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में औपचारिक रूप से बीआरएस में शामिल हो गए। प्रवीण कुमार के साथ बसपा के लगभग 35 राज्य स्तरीय नेता और 50 जिला स्तरीय नेता बीआरएस में शामिल हुए। बसपा से 16 मार्च को इस्तीफा देने वाले प्रवीण कुमार ने कहा कि भाजपा के दबाव में बसपा प्रमुख मायावती ने उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए बीआरएस के साथ गठबंधन तोड़ने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया और पार्टी छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस प्रमुख की तरह, वह कभी भी अपने वचन से पीछे नहीं हटे और इसलिए, उन्होंने बीआरएस में शामिल होने का फैसला किया। पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के साथ बातचीत के बाद 15 मार्च को बीआरएस ने बसपा के लिए दो लोकसभा सीटें (नगरकुर्नूल और हैदराबाद) छोड़ने पर सहमति व्यक्त की थी। बसपा ने नगरकुर्नूल से प्रवीण कुमार को अपना उम्मीदवार भी बनाया था, लेकिन अगले ही दिन प्रवीण कुमार ने बसपा छोड़ने के अपने नाटकीय फैसले की घोषणा की। वह 2021 में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद बसपा में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि वह तेलंगाना के व्यापक हितों में बीआरएस में शामिल होना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने बिना किसी उम्मीद के बीआरएस में शामिल होने का फैसला किया। अगर मैं पैकेज चाहने वाला होता तो कांग्रेस में शामिल हो गया होता। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उन्हें एक महत्वपूर्ण पद की पेशकश की थी लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अपने दरवाजे खोलने, अन्य दलों के नेताओं को अपने पाले में आने के लिए प्रोत्साहित करने के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वह भेड़-बकरियों के झुंड का हिस्सा नहीं बन सकते।

# प्राइवेट डिग्री पर यूजीसी की मुहर की तैयारी

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय सहित देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्राइवेट मोड में जारी यूजी-पीजी कोर्स पर यूजीसी मुहर लगाने की तैयारी में है। प्राइवेट मोड में शिक्षा के लिए यूजीसी की टॉस्क फोर्स छात्र-छात्राओं सहित विश्वविद्यालय स्तर पर अनेक बिंदुओं पर अध्ययन कर रही है। इसी क्रम में यूजीसी ने प्राइवेट विद्यार्थियों से गूगल फॉर्म से फीडबैक मांगी है। प्राइवेट छात्रों को 20 मार्च को पेपर देने के बाद इस गूगल फॉर्म को भरते हुए अपनी फीडबैक देनी होगी। विश्वविद्यालय ने सभी केंद्रों से पेपर के बाद प्राइवेट विद्यार्थियों से उक्त फीडबैक फॉर्म को भरवाने के निर्देश दिए हैं। विश्वविद्यालय ने लिंक वेबसाइट पर शेयर कर दिया है।

यूजीसी ने गूगल फॉर्म पर जिन सवालों को दर्ज किया है, उसमें परीक्षा की कठिनाई का स्तर, जारी प्रोग्राम के अनुभव, रेगुलर, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के स्थान पर प्राइवेट में पढ़ाई का कारण, क्या आप दूसरों को प्राइवेट शिक्षा के लिए कहेंगे प्रमुख हैं। प्राइवेट में पढ़ाई करने के सवालों के साथ कुछ अन्य विकल्प भी जोड़े गए हैं, जिसमें फीस कम होना, उपस्थिति की बाध्यता नहीं होना, रेगुलर में प्रवेश नहीं मिल पाना, घर के पास कोई संस्थान का नहीं होना, परिजनों द्वारा रेगुलर कोर्स में प्रवेश नहीं दिलाना, रोज आने-जाने में दिक्कत होना, कोई जॉब करना, गृहिणी होने के चलते रेगुलर कोर्स में पढ़ाई संभव नहीं होना, शामिल हैं। सभी सवालों में छात्रों को केवल एक विकल्प चुनते हुए फॉर्म सब्मिट करना होगा।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, अंतिम निर्णय टास्क फोर्स की रिपोर्ट पर होगा। यूजीसी प्राइवेट मोड में विभिन्न विश्वविद्यालय में जारी पढ़ाई को व्यवस्थित करते हुए नियम बनाने पर विचार कर रही है। अभी तक विश्वविद्यालय में प्राइवेट मोड में जारी पढ़ाई पर यूजीसी का अधिकृत पक्ष नहीं है। विश्वविद्यालय अपने स्तर से प्राइवेट मोड में यूजी-पीजी की डिग्री करा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार यूजीसी के प्राइवेट मोड में जारी पढ़ाई को व्यवस्थित करने से देशभर के करोड़ों विद्यार्थियों को ना केवल फायदा होगा बल्कि भविष्य में पढ़ाई करने का एक अधिकृत नया माध्यम भी खुल जाएगा। अभी तक अधिकृत माध्यमों में रेगुलर तथा मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार नई व्यवस्था में यूजीसी प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए हफ्ते में एक दिन ऑनलाइन या ऑफलाइन क्लास, असाइनमेंट की बाध्यता कर सकती है। विश्वविद्यालय ने दो सेमेस्टर एक साथ भरते हुए पहले ही फीस जमा कर चुके छात्रों को राहत दी है। रजिस्ट्रार धीरेंद्र वर्मा के अनुसार विषम सेमेस्टर के साथ जिन छात्रों ने बैक का भी फॉर्म भर दिया था, ऐसे करीब 22 सौ विद्यार्थी हैं। विश्वविद्यालय के पास इन सबका डाटा है। ऐसे सभी छात्रों से छठे सेमेस्टर की फीस नहीं ली जाएगी। कंपनी को ऐसे छात्रों से फीस नहीं लेने के निर्देश दे दिए गए हैं। एक साथ दो सेमेस्टर के फॉर्म भरने पर विश्वविद्यालय ने एक को निरस्त करते हुए फीस समायोजित करने के आदेश दिए थे।

विश्वविद्यालय ने एलएलबी तृतीय सेमेस्टर, जनसंचार एवं मनोविज्ञान में प्री-पीएचडी कोर्स वर्क का परिणाम जारी कर दिया है। छात्र आज से विश्वविद्यालय वेबसाइट से परिणाम देख सकते हैं। विश्वविद्यालय ने एमबीबीएस पुख्य एवं सप्लीमेंट्री परीक्षा की विभिन्न पेपर कोड की उत्तर कुंजी जारी कर दी हैं।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। ( पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)